RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:294। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 15 जून 2026 (सोमवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

इमैनुएल मैक्रों से मिले पीएम मोदी

भारत इनोवेट्स कार्यक्रम का किया उद्घाटन

पीएम ने कहा- दोनों देश एक सोच से आगे बढ़ रहे; मैक्रों बोले- भारत इनोवेशन का देश

एजेंसी

हेलसिंकी । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस के नीस शहर में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की। दोनों ने 'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम का उद्घाटन किया। यह कार्यक्रम भारत, फ्रांस और अन्य देशों के स्टार्टअप्स और वेंचर कैपिटल फंड्स को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा है।

मोदी ने कार्यक्रम में कहा- दुनिया में कुछ देशों के रिश्ते ऐसे होते हैं जो एक सोच और विजन से आगे बढ़ते हैं। भारत और फ्रांस का रिश्ता भी ऐसा ही है।

दोनों देशों के संबंध सिर्फ व्यापार या कूटनीति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि साझा मूल्यों, भरोसे और भविष्य के लिए एक जैसी सोच पर आधारित हैं। फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों ने कहा- भारत इनोवेशन का देश है। फ्रांस रक्षा, तकनीक और कई अन्य क्षेत्रों में 'मेक इन इंडिया' का

भागीदार रहा है। जलवायु परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भारत और फ्रांस के बीच सच्ची रणनीतिक साझेदारी है। मैक्रों ने कहा- नागरिक परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने की बड़ी संभावनाएं हैं। स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर जैसी नई परमाणु तकनीकों में भी भारत और फ्रांस साथ काम कर सकते हैं।

पीएम का 6 दिन का फ्रांस-स्लोवाकिया दौरा, ट्रम्प से मिलेंगे

प्रधानमंत्री 13 से 18 जून तक फ्रांस और स्लोवाकिया के 6 दिनों के दौरे पर हैं। पीएम बनने के बाद उनकी यह 7वीं फ्रांस यात्रा है। पीएम का फ्रांस दौरा दो फेज में होगा। इस दौरान 3 शहरों- नीस, एवियान और पेरिस जाएंगे। वे 13-14 जून तक नीस में रहेंगे।

प्रधानमंत्री का संबोधन, 5 बड़ी बातें-

- **भारत-फ्रांस का रिश्ता खास:** प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और फ्रांस का रिश्ता सिर्फ व्यापार या रणनीतिक साझेदारी तक सीमित नहीं है। यह भरोसे, साझा सोच और साझा लक्ष्यों पर आधारित है। दोनों देश मिलकर दुनिया की कई बड़ी चुनौतियों का समाधान खोजने की दिशा में काम कर रहे हैं।
- **'भारत इनोवेट्स' युवाओं के लिए बड़ा मंच:** मोदी ने कहा कि 'भारत इनोवेट्स' भारतीय प्रतिभा और यूरोपीय निवेश को जोड़ने वाला मंच है। इससे भारतीय स्टार्टअप्स, युवा उद्यमियों और नए आइडिया को दुनिया के बड़े निवेशकों और विशेषज्ञों तक पहुंचने का मौका मिलेगा।
- **भारत स्टार्टअप्स का बड़ा केंद्र:** प्रधानमंत्री ने कहा कि कार्यक्रम में 100 से ज्यादा स्टार्टअप्स शामिल हैं, लेकिन भारत में 2 लाख से ज्यादा स्टार्टअप्स काम कर रहे हैं। ये स्टार्टअप्स भारत के साथ-साथ दुनिया की अर्थव्यवस्था और तकनीकी विकास में भी योगदान दे रहे हैं।
- **नई तकनीकें बदलेंगी भविष्य:** मोदी ने कहा कि दुनिया कई चुनौतियों से गुजर रही है, लेकिन हर चुनौती नए मौके भी लेकर आती है।द्व, क्वांटम कंप्यूटिंग, बायोटेक्नोलॉजी और अंतरिक्ष तकनीक जैसी नई तकनीकें आने वाले समय में दुनिया का भविष्य तय करेंगी।
- **युवा दे रहे हैं समस्याओं का समाधान:** प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में स्टार्टअप क्रांति चल रही है। देश के युवा नई सोच के साथ लोगों की समस्याओं का हल निकाल रहे हैं। नया भारत सिर्फ चीजें इस्तेमाल करने वाला देश नहीं, बल्कि दुनिया को नए समाधान देने वाला देश बन रहा है।

नवाचार को लैब से बाजार तक पहुंचाना समय की जरूरत: डॉ. जितेंद्र सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा है कि प्रयोगशालाओं, शैक्षणिक संस्थानों और उद्योगों को मिलकर काम करना चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि इनोवेशन (नवाचार) केवल 'प्रूफ-ऑफ-कांसेप्ट' (अवधारणा की पुष्टि) के चरण से आगे बढ़ें और बड़े पैमाने पर अंतिम उपयोगकर्ताओं तक पहुंचें। भारत अब ऐसे दौर में आ गया है जहां वैज्ञानिक प्रगति का आकलन उसके सामाजिक और आर्थिक असर के आधार पर किया जाना जरूरी है।

इनोवेशन के लिए अनुकूल माहौल बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने उद्योग प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे सार्वजनिक रूप से वित्तपोषित अनुसंधान संस्थानों के साथ काम करने में आने वाली चुनौतियों के बारे में खुलकर बात करें। बेंगलुरु में 'आरआईएसई कॉन्क्लेव 2026' के दौरान उद्योग के साथ बातचीत के एक सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने सार्वजनिक रूप से वित्तपोषित अनुसंधान के माध्यम से विकसित

'भारत अब ऐसे दौर में आ गया है जहां वैज्ञानिक प्रगति का आकलन उसके सामाजिक और आर्थिक असर के आधार पर किया जाना जरूरी है।'

स्वदेशी तकनीकों तक पहुंच बेहतर बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने प्रतिभागियों को बताया कि सीएसआईआर टेक्नोलॉजी शोकेस पोर्टल पर अभी 800 से ज्यादा तकनीकें मौजूद हैं। यह पोर्टल उद्योगों, उद्यमियों और स्टार्टअप्स को अपनी जरूरतों के हिसाब से समाधान खोजने और तकनीक को अपनाने की प्रक्रिया तेज करने के लिए एक तैयार मंच प्रदान करता है।

डॉ. सिंह ने कहा कि उद्योग के साथ सहयोग अनुसंधान परियोजनाओं की योजना बनाने के चरण से ही शुरू होना चाहिए न कि तकनीक के पूरी तरह विकसित हो जाने के बाद।

स्पेशल रिपोर्ट: खाड़िया में 'खाकी' शर्मसार!

क्या पुलिस के कथित वहिवटदार ने उम्रकैद में बंद क्रिमिनल मोंटू नामदार को बचाने के लिए बड़ा गेम खेला? व्यापारी मुश्किल में!

अहमदाबाद में लॉ एंड ऑर्डर: पैरोल पर छूटे कुख्यात क्रिमिनल ने खाड़िया में आतंक मचाया

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। अहमदाबाद के ऐतिहासिक और हलचल भरे खाड़िया इलाके से एक ऐसा चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसने पूरी पुलिस फोर्स और लोकल पब्लिक में भारी हलचल मचा दी है। BJP वर्कर बॉबी मर्डर केस में उम्रकैद की सज़ा पाए खाड़िया के कुख्यात क्रिमिनल मोंटू नामदार ने जैसे ही पैरोल पर जेल से बाहर आकर खाड़िया में एक बार फिर आतंक का पैगाम दिया। जेल से बाहर आते ही सुधरने के बजाय मोंटू नामदार ने खाड़िया इलाके में शिकायत करने वाले पवन गांधी को सरेआम फूल शराब पिलाकर जान से मारने की धमकी दी। इस घटना के बाद पूरे इलाके में डर का माहौल फैल गया और इस मामले में तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। लेकिन सनसनीखेज आरोप लगे हैं कि असली खेल इस शिकायत के दर्ज होने के

बाद शुरू हुआ! लाखों रुपये और पुलिस की मिलीभगत का आरोप: नरेंद्र सिंह और दिगुभा रडार पर!

सूत्रों से मिली बेहद चौंकाने वाली और पक्की जानकारी के मुताबिक, खड़िया थाने के कथित एडमिनिस्ट्रेटर नरेंद्र सिंह और दिगुभा इस गंभीर केस से मोंटू नामदार को बचाने और उसे कानून के शिकंजे से छुड़ाने के लिए मैदान में उतरे थे।

बड़ा खुलासा: चर्चा है कि मोंटू नामदार के बेटे प्रिंस

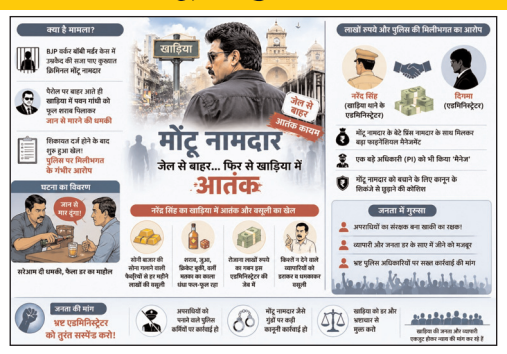

नामदार ने एडमिनिस्ट्रेटर नरेंद्र सिंह के साथ मिलकर बहुत बड़ा फाइनेंशियल मैनेजमेंट (तबाही) किया था। इतना ही नहीं, इन कथित एडमिनिस्ट्रेटरों ने एक बड़े अधिकारी यानी PI को भी 'मैनेज' किया है। लोगों में चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया है। जब खाकी वाले कुछ लोग अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुंचाने के बजाय अपराधियों के एडमिनिस्ट्रेटर बन जाएं, तो जनता किससे न्याय की उम्मीद करे?

खड़िया के व्यापारियों पर एडमिनिस्ट्रेटर नरेंद्र सिंह का आतंक और लाखों की वसूली

यह मामला तो बस शुरुआत है। नरेंद्र सिंह की प्रताड़ना से खड़िया और सोनी बाजार के व्यापारी इस समय गुस्से में हैं। लोकल सूत्रों के मुताबिक:

सोनी बाज़ार में सेंध: नरेंद्र सिंह सोनी बाज़ार में सोना गलाने वाली फैक्ट्रियों के मालिकों से हर महीने लाखों रुपये वसूलता है।

गैर-कानूनी धंधों का नेटवर्क - नरेंद्र सिंह की सरपरस्ती में पूरे खड़िया इलाके में शराब, जुआ, क्रिकेट मैच बुकी और वर्ली मटका का काला धंधा फल-फूल रहा है।

रोज़ाना लाखों रुपये का गबन: इन सभी गैर-कानूनी कामों से रोज़ाना लाखों रुपये का गबन इस कथित एडमिनिस्ट्रेटर की जेब में जाता है।

व्यापारियों को धमकी: जो व्यापारी किश्तें देने से मना करते हैं, उन्हें डरा-धमकाकर वसूली के लिए मजबूर किया जाता है।

जनता की मांग:

भ्रष्ट एडमिनिस्ट्रेटर को तुरंत सस्पेंड करो!

जब कानून का रक्षक ही भक्षक बनकर अपराधियों की कठपुतली बन जाए, तो खाकी की इज्जत पर बट्टा लगता है। खड़िया के लोकल लोगों और परेशान व्यापारियों में बहुत गुस्सा है। अब देखना यह है कि अहमदाबाद पुलिस और राज्य के गृह विभाग के बड़े अधिकारी इस गंभीर मामले पर ध्यान देंगे और कथित एडमिनिस्ट्रेटर नरेंद्र सिंह और दिगुभा के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करेंगे या नहीं? खाड़िया की जनता और व्यापारी एक आवाज़ में मांग कर रहे हैं कि ऐसे भ्रष्ट और अपराधियों को पुलिस विभाग तुरंत प्रभाव से पनाह दे और खाड़िया को इस डर के माहौल से आज़ादी दिलाई जाए।

दक्षिण दिल्ली के फ्लाईओवर के पास रेस्तरां में लगी आग

बुजुर्ग महिला को सुरक्षित बचाया गया

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली में कालकाजी-गोविंदपुरी फ्लाईओवर के पास स्थित एक रेस्तरां में रविवार सुबह आग लग गई, जिसके बाद दिल्ली फायर सर्विस ने बड़े स्तर पर बचाव और आग बुझाने का अभियान चलाया। अधिकारियों ने बताया कि एक बुजुर्ग महिला को सुरक्षित बचा लिया गया और घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। आग पर काबू पाने के लिए मौके पर दमकल की नौ गाड़ियां तैनात की गईं। अब तक किसी के घायल या मृत होने की सूचना नहीं मिली है। दिल्ली फायर सर्विस के अनुसार रविवार सुबह 4:45 बजे कालकाजी-गोविंदपुरी फ्लाईओवर के पास एच-ब्लॉक में स्थित अंजलि ज्वेलर्स और देशबंधु गुप्ता कॉलेज के नजदीक पंजाबी तड़का रेस्तरां में आग लगने की सूचना मिली थी।

असम विमान हादसे में अग्निवीर वायु सैनिक खेमाराम कुमावत शहीद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नावां सिटी। असम के जोरहाट स्थित भारतीय वायुसेना एयरबेस पर शनिवार सुबह हुए दर्दनाक विमान हादसे में डीडवाना-कुचामन जिले के नावा उपखंड के पांचोता गांव निवासी वीर सपूत अग्निवीर वायु सैनिक खेमाराम कुमावत (22) मातृभूमि की सेवा करते हुए शहीद हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार शहादत की खबर मिलते ही पांचोता सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। गांव का माहौल गमगीन हो गया और शहीद के घर पर परिजनों, ग्रामीणों एवं शुभचिंतकों का तांता लग गया। जानकारी के अनुसार भारतीय वायुसेना का ह-32 मालवाहक विमान शनिवार सुबह जोरहाट एयरबेस पर लैंडिंग की प्रक्रिया में था। इसी दौरान विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे के बाद विमान में भीषण आग लग गई और वह दो हिस्सों में टूट गया। इस भीषण दुर्घटना में अग्निवीर वायु सैनिक खेमाराम कुमावत सहित पांच वायुसेना कर्मियों का निधन हो गया, जबकि एक सह-पायलट घायल हो गया, जिसका उपचार जारी है।

वायुसेना के अनुसार दुर्घटना में स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार, सार्जेंट जितेंद्र शर्मा, अग्निवीर वायु सैनिक खेमाराम कुमावत एवं अग्निवीर वायु सैनिक दानिश आलम का निधन हुआ है।

विशाखापत्तनम स्टील प्लांट हादसा: मृतकों की संख्या बढ़कर 10 हुई

विशाखापत्तनम।

विशाखापत्तनम स्टील प्लांट में 8 जून को हुए हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है। कॉन्ट्रैक्ट वर्कर जी सुरीबाबू का शनिवार को एमजीएम सेवन हिल्स हॉस्पिटल में निधन हो गया, जहां उनका इलाज चल रहा था। यह हादसा 8 जून को हुआ था, जब विशाखापत्तनम स्टील प्लांट की कंपनी राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) के एसएमएस-1 यूनिट में पिघला हुआ स्टील ले जा रही एक लैडल (बड़ी कड़ाही) में विस्फोट हो गया। लैडल में लगभग 1,500 डिग्री सेल्सियस के बहुत ज्यादा तापमान पर स्टील भरा हुआ था और विस्फोट के बाद पिघला हुआ स्टील बाहर रिसने लगा।

इस घटना में आठ कर्मचारियों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। सुरीबाबू से पहले 10 जून को एक और कर्मचारी कंडुला पैदिराजू की मौत हो गई थी। इसी बीच, हादसे में घायल दो कर्मचारियों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई, जबकि दो अन्य का इलाज चल रहा है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। 9 जून को दुर्घटना स्थल का दौरा करने के बाद डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने दुर्घटना में जान गंवाने वाले हर कर्मचारी के परिवार को 25-25 लाख रुपए का मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को प्लांट में नौकरी देने की घोषणा की थी। उन्होंने गंभीर रूप से घायल और आईसीयू में इलाज करा रहे।

ओमान तट के पास डूबा 'विराट-1' जहाज

अमेरिकी नौसेना ने बचाई 14 भारतीय नाविकों की जान

एजेंसी

नई दिल्ली। खाड़ी इलाके में बढ़ते तनाव के बीच मस्कट में भारतीय दूतावास ने रविवार को कहा कि उसे ओमान के तट के पास 14 भारतीय क्रू सदस्यों वाले एक जहाज से जुड़ी घटना के बारे में पता चला है। भारतीय मिशन ने घटना की प्रकृति के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ओमान के अधिकारियों और घटना के आस-पास मौजूद जहाजों के साथ मिलकर खोज और बचाव अभियान का समन्वय किया जा रहा है।

'14 क्रू सदस्य थे सवार'

मिशन ने कहा, 'मिशन को ओमान के तट के पास भारतीय झंडे वाले मशीनीकृत सेलिंग जहाज 'विराट 1' से जुड़ी एक घटना के बारे में पता चला है। बताया जा रहा है कि इस पर 14 भारतीय क्रू सदस्य सवार थे। ' पिछले हफ्ते ओमान के तट पर तनाव देखा गया था, जब भारतीय क्रू सदस्यों वाले तीन जहाजों पर उस इलाके में अमेरिकी हमला हुआ था। इनमें से एक हमले में तीन नाविकों की मौत हो गई थी।सूत्रों के मुताबिक, ओमान के तट पर एक बड़ा बचाव अभियान शुरू किया गया है। यह अभियान तब शुरू हुआ जब 14 भारतीय नागरिकों को ले जा रही एक नाव (धाऊ) रविवार को डूबने लगी। यह संकटपूर्ण स्थिति 14 जून की सुबह ओमान के रास अल हद्द से लगभग 80 नॉटिकल मील पूर्व में पैदा हुई। सूत्रों के अनुसार, नाव के खतरे में होने की जानकारी मिलने पर अमेरिकी नौसेना ने आपातकालीन कार्रवाई शुरू करने के लिए तटीय अधिकारियों को सतर्क किया। रेस्क्यू ऑपरेशन में यूएस नेवी के क्ष8 मैरीटाइम पेट्रोल एयरक्राफ्ट ने जहाज के पास एक लाइफ राफ्ट गिराया और उस पर सवार लोगों को सुरक्षित निकालने की प्रक्रिया पर नजर रखी।

यूएस नेवी ने पास ही मौजूद एक मर्चेंट जहाज एमवी जबल अली 9 (जो सेंट किट्स एंड नेविस का झंडा लगा जहाज था) से भी मदद का तालमेल बिठाया।

टीएमसी में घमासान: काकोली गुट का दावा- सांसदों की संख्या 22 पहुंची, बोलीं-

आज स्पीकर से करेंगे अलग गुट की मांग

एजेंसी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की बागी सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने दावा किया है कि लोकसभा में उनके नेतृत्व वाले बागी गुट की संख्या बढ़कर 22 सांसदों तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि दो और सांसद जल्द ही इस गुट में शामिल होने वाले हैं। बागी सांसद सोमवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात कर अलग संसदीय गुट के रूप में मान्यता की मांग करेंगे। नई दिल्ली रवाना होने से पहले कोलकाता एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में काकोली घोष दस्तीदार ने कहा, हमारी संख्या अब 22 हो गई है। स्पीकर ने हमें समय दिया है। सोमवार को हम उनसे मिलकर अलग संसदीय गुट के तौर पर मान्यता की मांग करेंगे। हालांकि उन्होंने उन दो अतिरिक्त सांसदों के नामों का खुलासा नहीं किया, लेकिन कहा कि उनके औपचारिक रूप से गुट में शामिल होने के बाद ही नाम सार्वजनिक किए जाएंगे। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल की मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों को लेकर असहमति रखने वाले कई सांसद उनके संपर्क में हैं। बागी गुट के सूत्रों के अनुसार, सांसदों की प्रस्तावित बैठक, जो पहले कोलकाता में होनी थी, अब दिल्ली में आयोजित की जाएगी। सूत्रों ने बताया कि भाजपा नेता और पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के भी बैठक में शामिल होने की संभावना थी, लेकिन दीघा-शंकरपुर विकास प्राधिकरण से जुड़े आधिकारिक कार्यक्रमों के कारण उनके दिल्ली पहुंचने की संभावना कम है।

देहरादून में भाजपा नेता की हत्या के बाद तनाव

बेकाबू भीड़ ने फूंका आरोपी का घर; चार लोग गिरफ्तार

एजेंसी

विकासनगर (देहरादून) । सहसपुर कोतवाली अंतर्गत बैरागीवाला में भाजपा ओबीसी मोर्चा जिला सोशल मीडिया सह संयोजक की हत्या में 12 नामजद कराते हुए मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है, बाकी आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए दबिश जारी है।

वहीं गांव में आक्रोशित हिंदू संगठनों ने आरोपितों के घरों पर पथराव, तोड़फोड़ की और आग लगा दी। आक्रोशित लोगों ने आरोपितों का कुछ सामान भी जलाया। मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है।

साथ ही बुलडोजर लेकर पुलिस व प्रशासन के अधिकारी आरोपितों के घरों पर पहुंचे और मकानों को चिन्हित किया। जिसके बाद बुलडोजर कार्रवाई की गई।

ये है पूरा मामला

जानकारी के अनुसार, शनिवार देर रात सहसपुर में पुरानी रंजिश के चलते पूर्व प्रधान इस्पाक के भतीजे और अन्य लोगों ने मिलकर विनोद उसके भाई अशोक व राजेश पर हथियारों से हमला कर दिया था। विनोद और उसके परिवार ने पूर्व प्रधान इस्पाक के कार्यकाल की सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत कई जानकारी मांगी थी। उन्होंने प्रधान के कार्यकाल में ग्राम समाज की भूमि और अन्य मामलों में शिकायत भी दर्ज करवाई थी।

E20 एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के विरोध में भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट ने उठाई आवाज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा/उज्जैन। भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुनील सिंह यादव के नेतृत्व में संगठन द्वारा देशभर के वाहन उपभोक्ताओं, विशेषकर गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवारों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए श्20 एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के संबंध में गंभीर चिंता व्यक्त की गई है। इस संबंध में एक जागरूकता अभियान प्रारंभ किया गया है तथा केंद्र सरकार के संबंधित मंत्रालय को ज्ञापन भेजने की प्रक्रिया शुरू की गई है। ट्रस्ट का कहना है कि देश में लागू की जा रही श्20 एथेनॉल मिश्रित ईंधन नीति से लाखों पुराने वाहनों के मालिक प्रभावित हो रहे हैं। अनेक उपभोक्ताओं द्वारा इंजन प्रदर्शन में कमी, माइलेज घटने, ईंधन प्रणाली में तकनीकी समस्याएं तथा रखरखाव खर्च बढ़ने जैसी शिकायतें सामने आ रही हैं। ऐसे में आर्थिक रूप से कमजोर और मध्यम वर्गीय परिवारों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ रहा है। संगठन ने मांग की है कि देश के प्रत्येक पेट्रोल पंप पर उपभोक्ताओं को 100 प्रतिशत शुद्ध पेट्रोल उपलब्ध कराया जाए तथा नागरिकों को अपनी आवश्यकता और वाहन की तकनीकी क्षमता के अनुसार ईंधन चुनने का अधिकार दिया जाए।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुनील सिंह यादव ने कहा कि–

'देश का मध्यम वर्ग पहले से ही बढ़ती महंगाई, वाहन ऋण की किस्तों और रखरखाव के खर्चों से जूझ रहा है। यदि किसी नई नीति का सीधा प्रभाव आम नागरिक की जेब पर पड़ रहा है, तो सरकार का दायित्व है कि वह उपभोक्ताओं को विकल्प उपलब्ध कराए। हम किसी भी तकनीकी विकास या वैकल्पिक ईंधन के विरोधी नहीं हैं, लेकिन जनता पर किसी नीति को जबरन थोपना उचित नहीं है। प्रत्येक नागरिक को अपनी गाड़ी के लिए उपयुक्त ईंधन चुनने का अधिकार मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि संगठन देशभर में वाहन उपभोक्ताओं से सुझाव प्राप्त कर सरकार तक उनकी आवाज पहुंचाने का कार्य करेगा।

स्मार्ट सिटी या जलमग्न सिटी ? बारिश ने खोली सिस्टम की परतें, जनता पूछ रही–आखिर जिम्मेदार कौन ?

करोड़ों के प्री-मानसून दावों की पहली बारिश में खुल गई पोल

मुद्दनी वात, ग्रुप एडिटर पवन माकन के साथ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। मानसून की पहली तेज बारिश ने एक बार फिर प्रशासन के दावों, प्री-मानसून तैयारियों और स्मार्ट सिटी मॉडल की असलियत को सड़कों पर लाकर खड़ा कर दिया है। करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद शहर के कई हिस्से पानी में डूब गए, सड़कें तालाब बन गईं और आम नागरिक घंटों ट्रैफिक जाम में फंसे रहे। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि हर वर्ष यही स्थिति बनती है तो आखिर प्रशासन पूरे साल करता क्या है?

करोड़ों का बजट, फिर भी हर साल वही हाल

हर मानसून से पहले नगर निगम और प्रशासन प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दावा करते हैं कि ड्रेनेज लाइनें साफ कर दी गई हैं, जलभराव वाले क्षेत्रों की पहचान कर ली गई है, पंपिंग स्टेशन तैयार हैं और आपदा प्रबंधन की पूरी व्यवस्था कर ली गई है। लेकिन जैसे ही पहली बारिश होती है, शहर की तस्वीर इन दावों का मजाक उड़ाती नजर आती है। यदि प्री-मानसून कार्य वास्तव में हुए थे तो फिर निचले इलाकों में पानी क्यों भर गया? यदि ड्रेनेज सिस्टम दुरुस्त था तो सड़कों पर नदियां क्यों बहने लगीं? यदि प्रशासन तैयार था तो नागरिकों को घंटों परेशानी क्यों झेलनी पड़ी?

क्या सिर्फ फाइलों में ही साफ हुई नालियां?

जनता के बीच सबसे बड़ी चर्चा यही है कि आखिर प्री-मानसून कार्य जमीन पर हुए भी थे या केवल कागजों में पूरे दिखा दिए गए? हर वर्ष करोड़ों रुपये की सफाई, ड्रेनेज सुधार और जल निकासी योजनाओं पर खर्च दिखाया जाता है, लेकिन नतीजे शून्य क्यों हैं? क्या यह प्रशासनिक लापरवाही है? क्या यह ठेकेदारों और अधिकारियों की मिलीभगत का परिणाम है? या फिर जनता के टैक्स के पैसों का खुला दुरुपयोग?

वर्षों से सत्ता में बैठे लोग जवाब दें

सत्ता में बैठे जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी वर्षों से शहर चला रहे हैं। ऐसे में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जा सकता कि उन्हें शहर के जलभराव वाले क्षेत्रों की जानकारी नहीं है। यदि समस्या पुरानी है तो उसका स्थायी समाधान क्यों नहीं हुआ? यदि समाधान हो चुका है तो फिर हर बारिश में शहर क्यों डूब जाता है? जनता पूछ रही है कि आखिर जिम्मेदारी किसकी तय होगी? क्या किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार है? इतिहास गवाह है कि जलभराव केवल असुविधा नहीं पैदा करता बल्कि कई बार जानलेवा भी साबित होता है। खुले मैनहोल, करंट लगने की घटनाएं, सड़क दुर्घटनाएं और जलजनित बीमारियां हर साल सामने आती हैं। क्या प्रशासन किसी बड़ी त्रासदी के बाद ही जागेगा? क्या किसी नागरिक की जान जाने के बाद जवाबदेही तय होगी? या फिर इस बार भी जांच, समीक्षा और बैठकों का वही पुराना खेल चलेगा?

जनता को भाषण नहीं, समाधान चाहिए

स्मार्ट सिटी के बड़े-बड़े होर्डिंग लगाने से शहर स्मार्ट नहीं बनता। स्मार्ट सिटी वह होती है जहां बारिश के बाद लोग घरों में कैद न हों, जहां सड़कें झील में न बदलें और जहां प्रशासन संकट आने से पहले तैयारी करे। जनता अब आश्वासनों से ऊब चुकी है। उसे प्रेस नोट नहीं, परिणाम चाहिए। उसे दावे नहीं, जवाब चाहिए। और सबसे महत्वपूर्ण–उसे यह जानने का अधिकार है कि हर साल खर्च होने वाले करोड़ों रुपये आखिर जा कहां रहे हैं?

महाराणा प्रताप जयंती पर ठाठ से निकले ठाकुर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के तत्वावधान में राष्ट्रगौरव महाराणा प्रताप की जयंती 14 जून 2026 रविवार को अत्यंत हर्षोल्लास और भव्यता के साथ मनाई गई। शौर्य यात्रा में आगे-आगे घुड़सवार युवा हाथो में केशरिया ध्वज लेकर चल रहे थे वहीं बग्घी में महाराणा प्रताप की आकर्षक झाँकी सजाई गई थी। दूसरी बग्घी में संत गुरू श्री दिनेश व्यास जी एवं आचार्य गुरू रामस्वरूप जी विराजित थे। शौर्य यात्रा में बड़ी संख्या में क्षत्राणियाँ अपनी पारम्परिक वेशभुषा में शौर्य यात्रा की शोभा बढ़ा रही थी। 383 वर्ष पूर्व महाराणा प्रताप के साथ शपथ लेने वाले गाडोलिया राजपूत जो आज भी महाराणा प्रताप के आदर्शो पर कायम है ऐसे गाडोलिया परिवारो को महाराणा प्रताप की शौर्य यात्रा में परिवारसहित आमंत्रित कर उनका सम्मान किया गया। शौर्य यात्रा के प्रारम्भ होने से पूर्व अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठा. भैरूसिंह चैहान, विधायक डॉ. तेजबहादुरसिंह चैहान, पूर्व विधायक दिलीपसिंह शेखावत, जनपद अध्यक्ष पृथ्वीराजसिंह चैहान, अ.भा. क्षत्रिय महासभा राष्ट्रीय अध्यक्ष उषा पंवार, ठा. राजेन्द्रसिंह अर्जला, नारायणसिह चिकलाना, जोधसिंह राठौर, राजेन्द्रसिंह गोयल एवं क्षत्रिय महासभा के प्रमुख पदाधिकारियों ने महाराणा प्रताप एवं राजा जन्मेजय की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। शौर्य यात्रा मोदी खेल प्रशाल से प्रारम्भ होकर नगर के प्रमुख मार्गो से निकली जहां जगह-जगह पर शौर्य यात्रा का विभिन्न संगठनो एवं नागरिको ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। यात्रा में शामिल अतिथियो को पुष्पहार पहनाकर उनका सम्मान किया गया साथ ही अनेको जगह पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ठा. भेरूसिंह चैहान का साफा बांधकर स्वागत किया गया। शौर्य यात्रा का समापन कमला श्री गार्डन पर हुआ जहाँ पर विशाल सभा का आयोजन किया गया। सभा में मंचासीन समाज के वरिष्ठजनो ने सभी को संबोधित किया। सभा में उपस्थित संतश्री नें समाज को दिशा देने वाला सारगर्भित उद्बोधन दिया एवं समाज को बुराईयो एवं कुरीतियो से दूर रहने की शपथ दिलवाई। अ.भा. क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त होने पर ठा. भेरूसिंह चैहान का समाज के पदाधिकारी, समाजजनो एवं कई सामाजिक संस्थाओं ने साफा बांधकर, स्मृति चिन्ह भेंटकर व पुष्पहार पहनाकर मंच पर स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियो का स्वागत कुबेरसिंह पंवार, विरेन्द्रसिंह पंवार, युवराजसिंह पंवार, गोविन्दसिंह देवडा, जीवनसिंह डोडिया, जिलाध्यक्ष जीवनसिंह तंवर,बजरंग सिंह चौहान, राजेन्द्रसिंह झाला, लक्ष्मणसिंह डोडिया, कुशपालसिंह डोडिया, धर्मेन्द्रसिंह डोडिया, गजराजसिंह पंवार, रूपम ठाकुर, सुमितसिंह तंवर, योगेन्द्रसिंह तंवर, मिलिन्दसिंह चैहान, सुमेरसिंह राठौड, यशपालसिंह कुशवाह, महिपालसिंह राठौड, अजयसिंह चैहान, शैलेन्द्र सिंह पंवार, भावेशसिंह चैहान, संजयसिंह झाला, जितेन्द्र सोलंकी, शोभाकुंवर सोलंकी, जसकुंवर चैहान, अन्नपूर्णा पंवार, प्रेमकुंवर चन्द्रावत, पिंकी शेखावत, सरोज चैहान, सौरवी भदौरिया,वसुधा चौहान, मोनिका सोलंकी, सीमा राजावत, बबीता कुशवाह, संतोष कुंवर, कृष्णकुंवर डोडिया, राधा चैहान, तनु सिसोदिया, माया देवी पंवार ने किया। कार्यक्रम के अंत में संत श्री एवं प्रमुख अतिथियो को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन म.प्र. कार्यकारी अध्यक्ष यशपालसिंह सिसोदिया ने किया एवं आभार तहसील अध्यक्ष लक्ष्मणसिंह डोडिया ने माना। उक्त जानकारी नगर अध्यक्ष बजरंगसिंह चैहान ने दी है।

बजरंगसिंह चैहान। जीवनलाल जैन नागदा
9179662633

GTU के दो टेम्पररी कर्मचारियों पर पॉलिटिकल एक्टिविटी के गंभीर आरोप

युवराजसिंह जडेजा ने 10 दिन में एक्शन न लेने पर आंदोलन की चेतावनी दी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी एक बार फिर विवादों में है। युवा नेता युवराजसिंह जडेजा और उनकी टीम ने GT में काम करने वाले दो टेम्पररी कर्मचारियों, श्री मिलन पाठक और श्री रितेश अध्वर्यु के खिलाफ एक गंभीर शिकायत की है। इस शिकायत के तहत, यह आरोप लगाया गया है कि दोनों कर्मचारी पिछले कई सालों से यूनिवर्सिटी में अपनी नौकरी के दौरान और उसके बाद से सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के लिए प्रोपेगैंडा और ऑर्गेनाइजेशनल एक्टिविटी में एक्टिव रूप से शामिल रहे हैं। युवराजसिंह जडेजा और उनकी टीम ने इस मुद्दे पर GT के रजिस्ट्रार को खुद जाकर शिकायत की थी और यह भी कहा था कि वाइस चांसलर को ई-मेल के जरिए 50 से ज्यादा सबूत भेजे गए हैं। इन सबूतों में सोशल मीडिया पोस्ट, पब्लिक इवेंट्स की तस्वीरें, वीडियो, तारीख और समय दिखाने वाले डॉक्यूमेंट्स जैसी जानकारी शामिल बताई जा रही है। युवराजसिंह जडेजा ने प्रेजेंटेशन के दौरान कहा कि GTU जैसी राज्य की बड़ी टेक्निकल यूनिवर्सिटी के कर्मचारियों की सैलरी स्टूडेंट्स के माता-पिता की दी गई फीस और जनता के पैसे से दी जाती है। ऐसे में किसी कर्मचारी का अपनी ड्यूटी के दौरान किसी पॉलिटिकल पार्टी के लिए काम करना न सिर्फ सर्विस रूल्स का उल्लंघन है, बल्कि स्टूडेंट्स और उनके माता-पिता के भरोसे के साथ भी नाइंसाफी है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि यूनिवर्सिटी एडमिनिस्ट्रेशन को इस पूरे मामले की जानकारी काफी समय से होने के बावजूद कोई असरदार एक्शन नहीं लिया गया है। युवराजसिंह के मुताबिक, एक मौजूदा MLA के दबाव के कारण GT के अधिकारी इन दोनों कर्मचारियों को अनदेखा कर रहे हैं। उनके मुताबिक, यह MLA यूनिवर्सिटी के बड़े अधिकारियों पर कई तरह का दबाव डाल रहा है, जिसके चलते कई रिप्रेजेंटेशन और सबूतों के बावजूद आज तक कोई डिसिप्लिनरी

एक्शन नहीं लिया गया है। युवराजसिंह ने यह भी आरोप लगाया कि इन दोनों कर्मचारियों में से एक भारतीय जनता पार्टी के वेजलपुर वार्ड लेवल पर एक अहम पद पर काम कर रहा है। उनके मुताबिक, अगर कोई व्यक्ति किसी एक्टिव पॉलिटिकल पद पर है और यूनिवर्सिटी में एम्प्लॉई के तौर पर भी काम कर रहा है, तो नियमों के मुताबिक उसकी सीरियस जांच होनी चाहिए। प्रेजेंटेशन के दौरान यह भी दावा किया गया कि इस मुद्दे पर पहले भी स्टेट इलेक्शन एडमिनिस्ट्रेशन को रिप्रेजेंटेशन दी गई थी और संबंधित अधिकारियों को बताया गया था। लेकिन, अब तक कोई निष्पक्ष जांच या एडमिनिस्ट्रेटिव एक्शन नहीं लिया गया है। युवराजसिंह जडेजा और उनकी टीम ने GTU एडमिनिस्ट्रेशन के सामने ये मांगें रखी हैं श्री मिलन पाठक और श्री रितेश अध्वर्यु को तुरंत ड्यूटी से हटाया जाए। जांच पूरी होने तक दोनों एम्प्लॉई को सस्पेंड किया जाए। पूरे मामले में एक हाई-लेवल और निष्पक्ष जांच कमेटी बनाई जाए। यह पता लगाने के लिए डिटेल्ड जांच की जाए कि वे काम के घंटों के दौरान कितने समय तक पॉलिटिकल एक्टिविटी में शामिल थे। अगर जांच में आरोप सही साबित होते हैं, तो उन्हें दी गई सैलरी और दूसरे बेनिफिट्स नियमों के मुताबिक रिकवर किए जाएं। जांच रिपोर्ट पब्लिश करके पूरे प्रोसेस को ट्रांसपेरेंट बनाया जाए। युवराजसिंह जडेजा ने GTU के वाइस चांसलर को 10 दिन का अल्टीमेटम दिया है और कहा है कि अगर इस दौरान कोई ठोस एक्शन नहीं लिया गया तो स्टूडेंट्स, पेरेंट्स और नागरिकों के सहयोग से गांधीचिंध्या मार्ग पर यूनिवर्सिटी ऑफिस के सामने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई किसी पर्सनल दुश्मनी के लिए नहीं है, बल्कि एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स की निष्पक्षता, ट्रांसपेरेंसी और अकाउंटेबिलिटी बनाए रखने के लिए है। युवराजसिंह ने कहा, 'स्टूडेंट्स के पेरेंट्स अपनी मेहनत की कमाई अपने बच्चों के भविष्य के लिए फीस के तौर पर देते हैं। अगर उस पैसे से सैलरी पाने वाले एम्प्लॉई यूनिवर्सिटी के वर्किंग आवर्स में किसी पॉलिटिकल पार्टी के काम में बिज़ी रहते हैं, तो यह पूरे एजुकेशन सिस्टम की क्रेडिबिलिटी पर सवाल उठाता है।' यह पूरा मामला अब एजुकेशन जगत और स्टूडेंट्स के बीच चर्चा का टॉपिक बन गया है। सबकी निगाहें इस बात पर हैं कि अगले 10 दिनों में GTU एडमिनिस्ट्रेशन क्या एक्शन लेता है।

LCB ने जामकंडोरना के जसापार में एक बूढ़ी औरत से सोने की बालियां छीनने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। राजकोट ग्रामीण इलाके के जामकंडोरना पुलिस स्टेशन के तहत जसापार गांव में एक घटना हुई जहां एक बूढ़ी औरत के घर में सोने के गहने साफ करने के बहाने घुसे, उसकी बालियां छीन लीं और भाग गए। राजकोट ग्रामीण लोकल क्राइम ब्रांच ने इस क्राइम को सुलझाने में बड़ी कामयाबी हासिल की है। राजकोट जिला पुलिस चीफ विजय सिंह गुर्जर के गाइडेंस में प्रॉपर्टी से जुड़े क्राइम की जांच के लिए खास निर्देश दिए गए थे। जिसके आधार पर, जब LCB टीम पेट्रोलिंग पर थी, तो टेक्निकल सोर्स और प्राइवेट मुखबिरों की खास बातों के आधार पर खजूरदा गांव के एक घर से चोरी के सामान के साथ दो प्रवासी आरोपियों को पकड़ा गया। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के दौरान, उन्होंने यह जुर्म कबूल कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में (1) प्रहलादकुमार विलाक्षणसिंह भोय (निवासी गौरी, रेजीडेंसी श्रीपुर गांव, अमघाटा टोला, ता. नवगोछिया, जिला भागलपुर, राज्य बिहार) और (2) दुर्गेशकुमार कारेलाल ठाकुर (निवासी वंझड़, रेजीडेंसी जमुनिया, पोस्ट तुलसीपुर, ता. नवगोछिया, जिला भागलपुर, राज्य बिहार) शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से सोने का लूट का माल नंबर-2 (कीमत 35,000 रुपये), मोटरसाइकिल नंबर-1 (कीमत 30,000 रुपये), मोबाइल नंबर-2 के साथ-साथ डिजिटल वजन कांटा, प्लास्टिक के कटोरे, अलग-अलग तरल बोतलें, चिथड़े और काले रंग के सोल्डर बैग, कुल मिलाकर 75,550 रुपये जब्त किए हैं। पीआई जे.पी. राव, पीएसआई के.एम. चावड़ा, एच.सी. गोहिल, आर.वी. भीमानी, पी.एन. भरवाड़ और स्क्वॉड बालकृष्णभाई त्रिवेदी और अनिलभाई बालकोडिया, मेहुलभाई सुवा, हेड कांस्टेबल अरविंदसिंह जडेजा, नीलेशभाई डांगर, कौशिकभाई जोशी, भावेशभाई मकवाना, विजयभाई शिहरा, शक्तिसिंह जडेजा, इशितभाई मनवादरिया, निकुंजभाई सुतारिया, अजीमभाई समा, अब्दुलभाई शेख और दूसरे स्टाफ ने इस ऑपरेशन में अहम भूमिका निभाई। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे सोने-चांदी के गहने या बर्तन साफ करने के बहाने आने वाले अनजान लोगों से सावधान रहें।

झूठी शान की खातिर पिता ने ली बेटी की जान

पुलिस की मौजूदगी में 19 वर्षीय शिवानी की बेरहमी से हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। सामाजिक प्रतिष्ठा और जातिवाद के झूठे अहंकार ने एक और मासूम बेटी की बलि ले ली है। प्रेम विवाह (लव मैरिज) से नाराज एक पिता ने पुलिस स्टेशन परिसर में ही, कानून के रखवालों के सामने अपनी 19 वर्षीय बेटी शिवानी पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया। इस खौफनाक वारदात को अंजाम देने के बाद भी हत्यारे पिता के चेहरे पर पछतावे का कोई नामोनिशान नहीं था। उसने क्रूरतापूर्वक कहा, 'थोड़ा-बहुत ऊंच-नीच होता तो चल जाता, लेकिन वे हमारी जाति की बराबरी के नहीं हैं।'

पुलिस सुरक्षा के बीच काल बना सगा पिता

घटना के विवरण के अनुसार, शिवानी ने अपने परिवार की मर्जी के खिलाफ दूसरी जाति के एक युवक से प्रेम विवाह किया था। इस शादी को लेकर दोनों परिवारों के बीच उपजे विवाद के बाद मामला पुलिस स्टेशन पहुंचा था। पुलिस की मौजूदगी में दोनों पक्षों के बीच समझौते और समझाश की प्रक्रिया चल रही थी, लेकिन शिवानी अपने पति के साथ ही रहने की जिद पर अड़ी रही। अपनी बेटी के इस फैसले से गुस्साया पिता अपना आपा खो बैठा। उसने पुलिसकर्मियों के सामने ही अपने पास छिपाकर रखा धारदार चाकू निकाला और शिवानी पर एक के बाद एक कई वार कर दिए। लहूलुहान हालत में शिवानी ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

ऑनर किलिंग' की इस वारदात से कानून-व्यवस्था पर खड़े हुए गंभीर सवाल

पुलिस स्टेशन जैसे सुरक्षित माने जाने वाले परिसर में हुई इस सनसनीखेज वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था पर बड़े सवालिया निशान लगा दिए हैं। प्रेम विवाह के कारण अपनी ही बेटी की बेरहमी से हत्या करने वाले कलयुगी पिता को पुलिस ने मौके से ही गिरफ्तार कर लिया है। 21वीं सदी में भी जातिवाद और झूठी शान के नाम पर बेटियों की इस तरह की जा रही हत्याएं (ऑनर किलिंग) पूरे समाज के लिए एक बड़ा कलंक हैं। पुलिस ने इस मामले में हत्या का मामला दर्ज कर आगे की सख्त कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

टीचर्स मंत्री के इस आरोप से नाराज़ है कि मोटी सैलरी मिलने के बावजूद टीचर्स काम नहीं कर रहे हैं।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोधरा। स्वामीनारायण मंदिर में आयोजित 'डेवलप्ड इंडिया संकल्प कॉन्फ्रेंस' में कृषि मंत्री रमेश कटारा के विवादित बयान से गुजरात के टीचर्स में भारी गुस्सा है। मंत्री ने मंच से आरोप लगाया कि 8वें और 10वें फाइनेंस कमीशन तक के सभी फाइनेंशियल फायदे और मोटी सैलरी मिलने के बाद भी टीचर्स को भूख नहीं है और वे सरकार के खिलाफ प्रोटेस्ट कर रहे हैं। इसके अलावा, उन्होंने यह भी गंभीर आरोप लगाया कि टीचर्स क्लासरूम में बच्चों को पढ़ाने के बजाय मोबाइल फोन में बिज़ी रहते हैं। मंत्री के इस बयान की 'ऑल इंडिया राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ' ने कड़ी निंदा की है। शैक्षिक महासंघ का कहना है कि ऐसे अपमानजनक शब्दों से राज्य के लाखों टीचर्स के आत्म-सम्मान और इज्ज़त को ठेस पहुंची है। टीचर्स यूनियन ने कृषि मंत्री रमेश कटारा के खिलाफ कड़ा मोर्चा खोल दिया है और उनसे अपने विवादित शब्द तुरंत वापस लेने की पुरजोर मांग की है।

मृत्यु के बिना अच्छा जीवन संभव नहीं है

मोरारीबापू के श्री मुख से 'मानस मृत्युलोक' कथा केरल के कोच्चि में शुरू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वेलावदर। ईसा पूर्व मोरारीबापू की श्री मुख से कथा सीरीज की 979वीं कथा केरल के कोच्चि में शुरू हुई। इस कथा का नाम 'मानस मृत्युलोक' रखा गया। कथा का मंगलाचरण 13 जून को स्वर्गीय रमाबेन जसानी के परिवार द्वारा आयोजित किया गया था। स्वागत करते हुए परिवार की बेटियों ने हिंदी और गुजराती में अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। इसमें उन्होंने कहा कि पूज्य मोरारीबापू ने राम कथा के माध्यम से हमारा और हमारे परिवार का जीवन बदल दिया है। उनकी दादी पूज्य रमाबेन जसानी हैं। उन्होंने कथा को रोचक बनाने के लिए पूज्य बापू को धन्यवाद दिया। कथा के संवाद में भाग लेते हुए पूज्य मोरारी बापू ने कहा कि यहां हम इस कथा का नाम 'मानस मृत्युलोक' देते हैं। 42 साल पहले यहां कथा गाई गई थी, स्वर्ग और मृत्यु की कथा पहले भी गाई और सुनाई जा चुकी है। यह भूमि शंकरीभूमि है, जहां भगवान

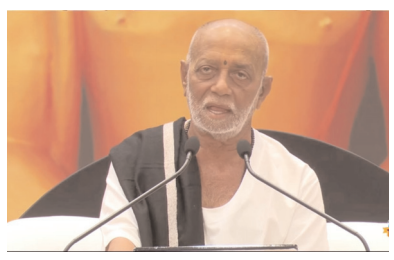

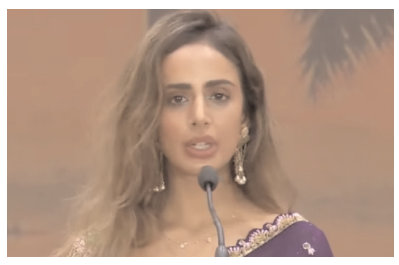

शंकराचार्य प्रकट हुए थे, वह स्थान यहां से थोड़ी दूर है। 'मंगल करनी काली मन हरणी' का अर्थ है जो अच्छा करता है और काली मन हरणी को दूर करता है, जो मन से निकाल दी जाती है। मल नष्ट हो जाता है लेकिन उसकी जड़ नष्ट नहीं होती। जड़ का मतलब है कि उसे नष्ट करना होगा ताकि बुराई के बीज न उगें! मृत्यु के बिना जीवन का कोई स्वाद नहीं है, इसलिए मृत्यु होनी ही है। सभी को मृत्यु, मोक्ष, अमरता की तलाश करनी चाहिए, जैसा कि वेद भी कहते हैं। मृत्यु के माध्यम से हम महामृत्यु में प्रवेश करते हैं। मन कहता है, अपने मन को सुधारो। वह अपने जीवन को सुधारने की बात करता है, दूसरों को सिखाने की नहीं! यदि ब्रह्मा ब्रह्मलोक में हैं, विष्णु वैकुंठ में हैं, तो भगवान महादेव मृत्युलोक में हैं। बापू ने कैलाश, गिरनार आबू, कामदगिरि और गोवर्धन सहित पांच चोटियों का महत्व भी स्थापित किया। आज की कथा में पत्रकार सौरभ शाह, डॉ. मनोज जोशी, डॉ. भद्रायु वच्चराजानी और नितिन वडगामा आदि मौजूद थे। मनोरथी परिवार के नीलेशभाई जसानी और सभी लोग इस प्राकृतिक जगह पर सुंदर व्यवस्था कर रहे हैं।

संक्षिप्त न्यूज

बहियाल नहर से भाभी और जीजा की लाशें कटी-फटी हालत में मिलीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। कल गांधीनगर के देहगाम तालुका में बहियाल नर्मदा नहर में रहस्यमयी हालात में 18 साल की भाभी और 13 साल के जीजा की कटी-फटी लाशें मिलीं, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। पता चला है कि ये दोनों मृतक लड़कियां खेड़ा जिले के कथलाल तालुका की रहने वाली हैं। इस बारे में, परिवार में भाभी और जीजा रहते थे और सुसाइड के समय दोनों ने एक जैसे कपड़े पहने हुए थे। देहगाम पुलिस ने इस मामले में एक्सीडेंटल डेथ का केस दर्ज किया है। इस पूरी घटना की चौंकाने वाली बात यह है कि दोनों की लाशें नहर के पानी में मिलीं और एक-दूसरे की कमर में स्कार्फ बंधा हुआ था। इस घटना से आस-पास के लोग सदमे में हैं और कई तरह की बहस हो रही है। पति ने पुलिस स्टेशन में दी अपनी शिकायत में कहा कि 11 तारीख की रात को उसकी 18 साल की पत्नी और उसकी 13 साल की चचेरी बहन बिना किसी को बताए अचानक घर से चली गईं। रात में दोनों लड़कियों के गायब होने पर परिवार वाले बहुत परेशान हो गए और आस-पास के इलाकों और रिश्तेदारों के यहां अच्छी तरह तलाश की।

डंडों और पाइप से हमला, दो घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। जिले के मानसा तालुका के अनोदिया गांव में पार्किंग को लेकर हुए झगड़े ने हिंसक रूप ले लिया। डंडों और पाइप से हुए हमले में दो लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज की गई है। मिली जानकारी के मुताबिक, अनोदिया गांव के बलदेवसिंह बदरसिंह राठौड़ रात में अपने खेत में सूअर के हमले की वजह से अपनी कार नहर के पास खेत में ले गए थे। उनके साथ कार में अमरसिंह तेजूसिंह राठौड़ और उनका भतीजा राजपालसिंह भी थे। उन्होंने दर्शन आश्रम के पास नहर के पास सड़क पर कार पार्क की थी। उसी समय साहिलसिंह रंगूसिंह राठौड़ अपनी कार लेकर आए और पार्क की हुई कार को टक्कर मार दी, जिससे कार का अगला हिस्सा डैमेज हो गया। राजपाल सिंह ने कार को कंट्रोल किया क्योंकि वह नहर में गिरने वाली थी। टक्कर के बाद, साहिल सिंह और सावन सिंह नाम के दो आदमी कार से उतरे। उन्होंने पूछा कि कार सड़क के बीच में क्यों खड़ी है.

चिलोडा पुलिस स्टेशन में ज़ब्त गाड़ियों की नीलामी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। ज़िले के मोटा चिलोडा पुलिस स्टेशन की जगह पर सालों से कानूनी कार्रवाई के तहत ज़ब्त की गई गाड़ियां जमा हो गई थीं। इस वजह से पुलिस स्टेशन में जगह की कमी हो गई थी। इस समस्या को हल करने के लिए, कोर्ट की मंज़ूरी के बाद 12 जून, 2026 को एक पब्लिक ऑक्शन रखा गया था। इस दौरान कुल 79 गाड़ियां बिकीं, जिससे सरकार को 50.92 लाख रुपये का रेवेन्यू मिला है और पुलिस स्टेशन गाड़ियों के ढेर से आज़ाद हो गया है। गांधीनगर ज़िले का मोटा चिलोडा पुलिस स्टेशन अहमदाबाद और शामलाजी पुलिस स्टेशन का एक बड़ा हिस्सा गाड़ियों के स्टोरेज एरिया में बदल दिया गय.

राजकोट रूरल LCB ने गंभीर अपराध के आरोपी को गिरफ्तार किया, जो 1 साल 3 महीने से जेतपुर से फरार था

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जेतपुर। राजकोट रूरल लोकल क्राइम ब्रांच ने पाटनवाव पुलिस स्टेशन इलाके में हुए किडनैपिंग, रेप और POCSO जैसे गंभीर अपराधों में पिछले एक साल तीन महीने से फरार आरोपी को गिरफ्तार करने में बड़ी कामयाबी हासिल की है। शुरुआती पुलिस पूछताछ में पता चला है कि यह व्यक्ति इस अपराध के मुख्य आरोपी को पनाह देने और पैसे देने में शामिल था। फरार आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए राजकोट रूरल डिस्ट्रिक्ट सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस विजय सिंह गुर्जर के गाइडेंस में एक खास कैंपेन चलाया जा रहा है। जिसके तहत, पाटनवाव पुलिस स्टेशन में इंडियन पीनल कोड 2023 के सेक्शन 87, 137(2), 64(2)(द्व), 64(2)(द्व), 54(1), 54 और POCSO एक्ट के सेक्शन 4, 6, 17 के तहत अपराधों में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार करने की कोशिश की गई। इस अपराध में नाबालिग पीड़िता के साथ भागने वाले मुख्य आरोपी नंबर (1) अजीत मडिया ने आरोपी नंबर (2) जवसिंह मंगाभाई मंदोद (उम्र 38, निवासीः पुजारा पालियू, गुलबर गाँव, तालुकाः गरबाड़ा, जिलाः दाहोद) को आश्रय दिया, जिसने मेड़ा को भोजन, आवास और पैसे उपलब्ध कराए, अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार भाग रहा था। राजकोट ग्रामीण स्थानीय अपराध शाखा पुलिस हेड कांस्टेबल मनीषभाई वरु, मंदीपसिंह जडेजा और पुलिस कांस्टेबल भरतभाई गमारा गश्त पर थे, इस दौरान उन्हें तकनीकी और मानव संसाधन (मुखबिर) से विशिष्ट और सटीक जानकारी मिली कि आरोपी जेतपुर उद्योगनगर क्षेत्र में छिपा हुआ है। सूचना के आधार पर, पुलिस ने तुरंत छापा मारा और आरोपी जवसिंह मंगाभाई मंदोद को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को हिरासत में लिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए उद्योगनगर पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है। गोहिल के साथ-साथ पी.एन. भरवाड़, एएसआई अनिलभाई बेकड़िया, बालकृष्णभाई त्रिवेदी, भावेशभाई चावड़ा, पीओ हेड कांस्टेबल मनीषभाई वरु, रमणीकभाई मनवर, मंदीपसिंह जडेजा और पी.सी.भरतभाई गमारा, शक्तिसिंह जाला और डॉ.पी.सी.बी.अब्दुलभाई शेख शामिल हुए।

गांधीनगरः कलोल की शेरिसा नर्मदा नहर में मां ने दो बेटों के साथ नहर में छलांग लगाईः बड़े बेटे की दर्दनाक मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। कलोल तालुका की शेरिसा नर्मदा मेन नहर पर हुई घटना ने इंसानियत और मां दोनों को शर्मसार कर दिया है। दिल दहला देने वाली बात सामने आई है कि एक 24 साल की शादीशुदा महिला ने, जिसे उसकी सास ने घर के बाहर स्टैंडिंग नेट लगाने जैसी छोटी सी बात पर डांटा था, अपने दो मासूम बेटों को नहर के तेज पानी में धकेल दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। इस सुसाइड की कोशिश में 6 साल के मासूम बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि आस-पास के लोगों की सतर्कता से 8 महीने के बच्चे और मां की जान बच गई। यह दुनिया का नियम है कि घर में बर्तनों का टकराव हो या आम लड़ाई-झगड़ा हो। लेकिन गुस्से में अपने दो प्यारे बच्चों को नहर में फेंकने वाली बेरहम मां की दिल दहला देने वाली करतूत सांतेज पुलिस स्टेशन की किताबों में दर्ज है। इस पूरी घटना की डिटेल्स इस तरह हैं: किस्मतभाई रोहितसिंह राठौड़, जो साबरकांठा जिले के प्रांतिज तालुका के ताजपुर कुई गांव में अपनी मां के घर में रहते थे और एक ऑस्ट्रेलियन प्रीमियम सोलर कंपनी में बैक सीट ऑपरेटर का काम करते थे, ने 2014 में मेहसाणा जिले के रामपारा (मुलसान) गांव के दलपतजी ठाकोर की 24 साल की बेटी काजलबेन से शादी की थी। उसने अपने पति को बुलाया और अपने बेटों के साथ घर छोड़ दिया। इस शादी के दौरान, उनके दो बेटे हुए, सात्विक (उम्र 6) और यक्षित (उम्र 18 महीने)। 11 जून की सुबह, किस्मतभाई की दादी दहीबेन चूंथाजी राठौड़ ने अपनी पोती काजलबेन को घर के बाहर एक खड़ा पेड़ छोड़ने के लिए डांटा। इस छोटी सी बात पर अपनी सास से लड़ाई के बाद, काजलबेन को गुस्सा आ गया और उसने अपने पति से फ़ोन पर कहा, 'मैं अपने दोनों बेटों के साथ मरने जा रही हूँ।' इसके बाद, किस्मतभाई तुरंत अपनी नौकरी छोड़कर अपनी पत्नी को ढूंढने निकल गए और फ़ोन पर बात करते रहे, लेकिन काजल ने कुछ मिनट बाद फ़ोन काट दिया। स्थानीय लोगों ने माँ और छोटे बेटे को बचाया, एक लापता शाम करीब 7 बजे, किस्मतभाई ने अपनी पत्नी के मोबाइल पर फिर से फ़ोन किया और किसी अनजान आदमी ने फ़ोन उठाया और कहा कि फ़ोन वाला आदमी अपना मोबाइल शेरीसा नहर के किनारे छोड़कर अपने दो बेटों के साथ नर्मदा नहर की तेज़ धारा में कूद गया है। स्थानीय लोगों ने तुरंत नहर में कूदी बेबस माँ काजल और उसके 8 महीने के बेटे यक्षित को बचा लिया। लेकिन 6 साल का बड़ा बेटा सात्विक पानी के बहाव में गायब हो गया। घटना की खबर मिलते ही किस्मतभाई तुरंत शेरीसा नहर की ओर दौड़े। बेहोश काजल और मासूम यक्षित को 108 एम्बुलेंस से इलाज के लिए गांधीनगर सिविल हॉस्पिटल ले जाया गया। जहां दोनों का अभी इलाज चल रहा है। इस बीच, 11 जून को शाम करीब 6 बजे लापता बड़े बेटे सात्विक की लाश रामनगर के पास नर्मदा मेन कैनाल में मिली। अपने प्यारे 6 साल के बेटे सात्विक की लाश के पोस्टमॉर्टम के बाद किस्मतभाई अपने बेटे के अंतिम संस्कार के लिए अपने पैतृक गांव ताजपुर कुई में रुके थे, जिससे पुलिस में शिकायत दर्ज कराने में देरी हुई। अंतिम संस्कार पूरा करने के बाद किस्मतभाई ने अपनी पत्नी काजलबेन किस्मतभाई राठौड़ के खिलाफ अपने दो मासूम बेटों को जान से मारने के इरादे से नहर में फेंकने का मामला सांतेज पुलिस स्टेशन में दर्ज कराया है।

अहमदाबादः जोधपुर, सैटेलाइट में दो युवकों ने 3,75,000 रुपये की ज्वेलरी चुराई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। घरों की सफाई करने वालों या स्वीपर द्वारा चोरी के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। शहर के पॉश इलाके माने जाने वाले जोधपुर, सैटेलाइट में घर की सफाई के लिए बुलाई गई क्लीनिंग सर्विस के दो अनजान युवकों ने एक बुजुर्ग महिला के घर से 3,75,000 रुपये की सोने की ज्वेलरी चुरा ली और भाग गए। भरोसे पर काम सौंपने के बाद हुई इस चोरी के बारे में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है।

घर की सफाई करवाने का फैसला किया और..

जोधपुर। गांव के तापसी अपार्टमेंट में रहने वाली 69 साल की रश्मिबेन जयंतीलाल शाह ने इस बारे में शिकायत दर्ज कराई है। वह विधवा हैं और घर में अकेली रहती हैं और जोधपुर गांव में ही क्र क्र PG में केयरटेकर का काम करती हैं। चूंकि मुंबई में रहने वाली उनकी बेटी छुट्टियों में घर आई थी, इसलिए उन्होंने अपने घर की सफाई करवाने का फैसला किया। इस दौरान क्लीनिंग सर्विस के दो लोगों ने 3,75,000 रुपये की सोने की ज्वेलरी चुरा ली। यह घटना 11 मई की है। रश्मिबेन के भतीजे के कहने पर, वस्त्रापुर में 'चामुंडा क्लीनिंग सर्विस' से करीब 25 से 30 साल के दो लड़के सफाई के लिए आए थे। उस समय रश्मिबेन काम पर गई थीं और उनकी बेटी मोहिनी घर पर थी। दोनों लड़कों में से एक हॉल की सफाई कर रहा था, जबकि दूसरा अकेले बेडरूम में सफाई कर रहा था। इस मौके का फायदा उठाकर उस आदमी ने बेडरूम में लकड़ी की अलमारी के लॉकर पर पड़ी चाबी से लॉकर खोला और अंदर से कुल 3.75 लाख रुपये के गहने चुरा लिए, जिसमें सोने की दो पेंडेंट चेन और सोने की टोपी वाला एक रुद्राक्ष ब्रेसलेट शामिल था। सफाई का काम पूरा होने के बाद, बेटी ने उसे ऑनलाइन 3,700 रुपये का पेमेंट भी कर दिया। अगली शाम, रश्मि ने जब झुमके बदलने के लिए अलमारी खोली तो उसे गहने गायब मिले। इस मामले में दो अनजान सफाई कर्मचारियों के खिलाफ पुलिस में केस दर्ज किया गया है।

पति ने पत्नी से पूछा 'तुमने AC क्यों चालू किया?', साथ ही आरोप लगाया कि वह उसे अपने साथ सेक्स करने के लिए मजबूर कर रहा है

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

गांधीनगर. कलोल की शेरिसा नर्मदा नहर में मां ने दो बेटों के साथ नहर में छलांग लगाईः बड़े बेटे की दर्दनाक मौत गांधीनगर। एक साफ-सुथरे इलाके के एक पॉश फ्लैट में घरेलू हिंसा की एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। पति ने कमरे में एयर कंडीशनर चालू करने जैसी मामूली बात पर भड़ककर अपनी 46 साल की पत्नी को बेरहमी से पीटा। इतना ही नहीं, पीड़ित पत्नी ने अपने पति पर यह भी गंभीर आरोप लगाया है कि वह उसकी मर्ज़ी के खिलाफ उसे अमानवीय सेक्सुअल इंटरकोर्स के लिए मजबूर कर रहा है। पत्नी ने इस मामले में अडालज पुलिस स्टेशन में केस दर्ज कराया है और पुलिस आगे की जांच में जुट गई है। पुलिस में दी गई शिकायत के मुताबिक, सुघड़ अगोरा मॉल के बगल में पार्श्वनाथ अटलांटिस पार्क के ऑर्किड फ्लैट (रु204) में रहने वाली अरुणाबेन पांचाल (उम्र 46) की पहली शादी साल 2005 में हुई थी, लेकिन साल 202& में उनके पहले पति की मौत हो गई। उसके बाद 4 जुलाई 2025 को उन्होंने हिंदू रीति-रिवाजों से 56 साल के मुकेशभाई हीरालाल पांचाल से आर्य समाज में दूसरी शादी की। शादी के बाद अरुणाबेन अपनी 20 साल की बेटी खुशी के साथ मुकेशभाई के घर रहने आ गईं। शादी के कुछ ही समय में उनके पति मुकेश पांचाल ने अपना असली रूप दिखाना शुरू कर दिया।

अंडरपास और ओवरब्रिज ऑपरेशन के निर्देशों समेत कई मुद्दों पर ज़रूरी चर्चा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। वेस्टर्न रेलवे का अहमदाबाद डिवीज़न अहमदाबाद के कालूपुर रेलवे स्टेशन के रीडेवलपमेंट समेत कई प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहा है। रेलवे की तरफ से ओवरब्रिज और अंडरब्रिज भी बनाए जा रहे हैं। साथ ही, बाकी कामों को तेज़ी से पूरा करने और रेलवे स्टेशन के ऑपरेशन में हुई प्रोग्रेस का रिव्यू करने के लिए, नए बने मेयर हितेश बारोट, स्टैंडिंग चेयरमैन कमलेश पटेल, अहमदाबाद वेस्ट लोकसभा MP दिनेश मकवाना और MLA कौशिक जैन ने अहमदाबाद MLA (डिवीज़नल रेलवे मैनेजर) और बड़े अधिकारियों के साथ मीटिंग की। मेयर समेत अधिकारियों की DRM के साथ मीटिंग शहर के अलग-अलग इलाकों में ओवरब्रिज और अंडरब्रिज बनाए जा रहे हैं। जिसमें म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और दूसरे डिपार्टमेंट भी शामिल हैं। मीटिंग में काम में तेज़ी लाने की ज़रूरत पर चर्चा हुई क्योंकि रेलवे और दूसरे डिपार्टमेंट के बीच तालमेल ठीक से नहीं हो पा रहा था और काम धीमी रफ़्तार से हो रहा था। मेयर हितेश बारोट, स्टैंडिंग कमेटी चेयरमैन कमलेश पटेल और MP दिनेश मकवाना के साथ-साथ MLA कौशिक जैन ने रेलवे DRM वेद प्रकाश के साथ अलग-अलग मुद्दों पर मीटिंग की और उनसे काम के लिए नेताओं से कोऑर्डिनेट करने को कहा। असरवा ओम नगर रेलवे अंडरपास के काम में तेज़ी लाने के निर्देश सूत्रों के मुताबिक, अहमदाबाद डिवीज़न के DRM के साथ मीटिंग में अलग-अलग मुद्दों पर भी चर्चा हुई। जिसमें असरवा ओम नगर रेलवे अंडरपास बन रहा है, जिसका काम पिछले दो साल से पेंडिंग है। लेकिन, रेलवे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और टोरंट के बीच सही कोऑर्डिनेशन न होने की वजह से टोरंट पावर केबल हटाने के काम में देरी हो रही है,री है।

अहमदाबादः नरोदा पाटिया के पास 2 युवकों ने SRPF की PCR वैन पर धौंस जमाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। पुलिस नागरिकों की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दिन-रात काम करती है, लेकिन अहमदाबाद शहर में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां पुलिस का कोई डर नहीं है। शहर के पूर्वी इलाके नरोदा पाटिया के पास दो युवकों द्वारा एक PCR वैन को रोककर ड्राइवर और उसमें मौजूद कर्मचारियों को धमकाने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

PCR वैन कर्मचारियों के साथ बदमाशी

इस वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि एक युवक चलती हुई PCR वैन के सामने आकर खड़ा हो जाता है। इसके बाद वह गाड़ी के ड्राइवर के पास जाता है और उससे जमकर मारपीट करता है और उसे धमकाता है। जब ड्राइवर गाड़ी की स्पीड बढ़ाता है, तब भी युवक गाड़ी के साथ-साथ चलता हुआ और बदमाशी करता हुआ दिखाई देता है। इस वीडियो के सामने आने के बाद आम लोगों में ऐसे असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग उठी है।

सूत्रों के मुताबिक, वैन SRP के सैजपुर-बोघा ग्रुप की है।

क्योंकि नरोदा पाटिया इलाके की सीमा कृष्णानगर, सरदारनगर और नरोदा नाम के तीन पुलिस स्टेशनों से लगती है, इसलिए शुरू में इस बात को लेकर कन्फ्यूजन था कि यह वैन किस पुलिस स्टेशन की है। हालांकि, पुलिस के मुताबिक, इस वायरल वीडियो में दिख रही PCR वैन अहमदाबाद सिटी पुलिस की नहीं, बल्कि SRPF ग्रुप गोधरा की है। साथ ही, नरोदा पुलिस स्टेशन CCTV फुटेज, ह्यूमन इंटेलिजेंस और टेक्निकल एनालिसिस के आधार पर वीडियो में दिख रहे असामाजिक तत्वों की तलाश कर रहा है। ऐसे तत्वों के खिलाफ नियमों के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी। नरोदा पुलिस स्टेशन के PI सी.वी. नायक ने कहा कि वीडियो में दिख रही PCR वैन नरोदा पुलिस स्टेशन की नहीं है। इस मामले में गहन जांच शुरू कर दी गई है।

सार समाचार...

अहमदाबादः वासना में रिटायर्ड फार्मा एडवाइजर से 1.21 करोड़ रुपये की ठगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। वासना इलाके में रहने वाले और एक फार्मास्युटिकल कंपनी से एडवाइजर के पद से रिटायर्ड 71 साल के बुजुर्ग ऑनलाइन साइबर फ्रॉड का शिकार हो गए हैं। स्टॉक मार्केट और IPO में इन्वेस्ट करके ज़्यादा रिटर्न का वादा करके, जालसाजों ने बुजुर्ग से 1.21 करोड़ रुपये ठग लिए। जालसाजों ने खुद को जानी-मानी फाइनेंशियल कंपनी IIFL का कर्मचारी बताकर इस बड़े स्कैम को अंजाम दिया। उन्हें स्टॉक मार्केट टिप्स देने वाले एक WhatsApp ग्रुप में जोड़ा गया। जालसाजों ने इस ग्रुप में दूसरे लोगों द्वारा शेयर खरीदकर कमाए गए मुनाफे के नकली स्क्रीनशॉट शेयर करना शुरू कर दिया, ताकि बुजुर्ग उन पर पूरी तरह से भरोसा कर लें। यह भरोसा जीतने के बाद, जालसाजों ने इन्वेस्ट करने के बहाने बुजुर्ग से एक खास तौर पर संदिग्ध एप्लीकेशन डाउनलोड करवाया। इस नकली एप्लीकेशन के ज़रिए, बुजुर्ग ने पिछले तीन महीनों में अलग-अलग IPO और शेयरों में कुल 1.21 करोड़ रुपये इन्वेस्ट किए थे।

अहमदाबादः धोलका के बाद अब बावला में अवैध माइनिंग पकड़ी गई, 1 करोड़ का माल ज़ब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। सरकारी सिस्टम और कानून को ठेंगा दिखाने वाले मिनरल माफियाओं पर आखिरकार सरकार ने सख्ती शुरू कर दी है। धोलका के वीरपुर गांव में अवैध माइनिंग का पर्दाफाश करने के बाद, अहमदाबाद माइंस एंड मिनरल्स डिपार्टमेंट की टीम ने अब बावला तालुका के शियाल गांव में छापा मारा है। यहां बिना किसी परमिशन के सादी मिट्टी से अवैध माइनिंग और हेराफेरी की जा रही थी। मिनरल्स डिपार्टमेंट की फील्ड इन्वेस्टिगेशन टीम ने अचानक छापा मारकर मौके से एक हिताची (एक्सकेवेटर) मशीन और दो डंपर (नंबरः GJvxAT0767 और GJvxAT1183) ज़ब्त किए हैं। इन सभी ज़ब्त गाड़ियों की अनुमानित कीमत करीब 1 करोड़ रुपये बताई जा रही है। लेकिन, जैसे-जैसे यह पूरा घोटाला सामने आ रहा है, लोकल एडमिनिस्ट्रेशन और सरकारी अधिकारियों की मिलीभगत पर कई गंभीर सवाल उठ रहे हैं। यह कैसे हो सकता है कि मिनरल माफिया रातों-रात हिताची और डंपर लाकर इतने बड़े पैमाने पर ज़मीन खोद सकते हैं, जबकि लोकल एडमिनिस्ट्रेशन और पुलिस सो रही है? क्या इन माफियाओं को कोई पॉलिटिकल ब्लेसिंग है? या यह काला धंधा लोकल अधिकारियों की सरपरस्ती में फल-फूल रहा था? मिनरल माफियाओं पर एडमिनिस्ट्रेशन की कार्रवाईः धोलका के बाद अब बावला में गैर-कानूनी माइनिंग पकड़ी गई, 1 करोड़ रुपये की प्रॉपर्टी ज़ब्त 2 - इमेज जागरूक नागरिक दावा कर रहे हैं कि माइंस एंड मिनरल्स डिपार्टमेंट ने सिर्फ़ एक जगह रेड मारी है, लेकिन ऐसी कई जगहों पर मिट्टी चोरी हो रही है, इसके लिए कौन ज़िम्मेदार है? कई बार फाइन भरने के बाद मिनरल चोर नया इलाका ढूंढ लेते हैं!

सोमवती अमावस्या : श्रद्धा, विश्वास और लोकजीवन की आस्था का महापर्व

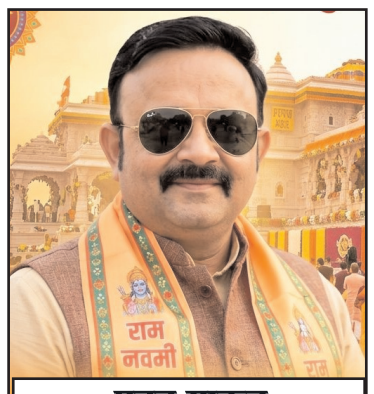

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

सनातन धर्म में अमावस्या तिथि को पितरों के स्मरण और तर्पण का दिन माना गया है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन किए गए तर्पण, श्राद्ध और दान से पितृ प्रसन्न होते हैं तथा अपने वंशजों को सुख, समृद्धि और उन्नति का आशीर्वाद प्रदान करते हैं। जब यही अमावस्या सोमवार को आती है, तब इसका महत्व कई गुना बढ़ जाता है, क्योंकि सोमवार भगवान शिव की उपासना का विशेष दिन माना गया है। इस प्रकार सोमवती अमावस्या पितृ पूजा और शिव भक्ति का अनूठा संगम बन जाती है।

भारतीय संस्कृति में तिथि, पर्व और उत्सव केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं होते, बल्कि वे समाज की आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक चेतना के जीवंत प्रतीक भी होते हैं। इन्हीं महत्वपूर्ण पर्वों में सोमवती अमावस्या का विशेष स्थान है। जब अमावस्या तिथि सोमवार के दिन पड़ती है, तब उसे सोमवती अमावस्या कहा जाता है। वर्ष 2026 में यह पावन अवसर 15 जून को मनाया जा रहा है। इस दिन अमावस्या, सोमवार, पितृ स्मरण, शिव आराधना तथा दान-पुण्य य का अद्भुत संगम देखने को मिलता है।

सोमवती अमावस्या का लोकजीवन में बहुत बड़ी अहमियत है। श्रद्धा और विश्वास के साथ जुड़ी यह तिथि लोगों के उल्लास, आस्था और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक है। देश के विभिन्न क्षेत्रों में इस दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पवित्र नदियों में स्नान करते हैं, मंदिरों में पूजा-अर्चना करते हैं तथा दान-पुण्य के माध्यम से समाज और धर्म के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त करते हैं।

सनातन धर्म में अमावस्या तिथि को पितरों के स्मरण और तर्पण का दिन माना गया है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन किए गए तर्पण, श्राद्ध और दान से पितृ प्रसन्न होते हैं तथा अपने वंशजों को सुख, समृद्धि और उन्नति का आशीर्वाद प्रदान करते हैं। जब यही अमावस्या सोमवार को आती है, तब इसका महत्व कई गुना बढ़ जाता है, क्योंकि सोमवार भगवान शिव की उपासना का विशेष दिन माना गया है। इस प्रकार सोमवती अमावस्या पितृ पूजा और शिव भक्ति का अनूठा संगम बन जाती है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन प्रातःकाल ब्रह्ममुहूर्त में उठकर स्नान करने का विशेष महत्व है। यदि गंगा या किसी पवित्र नदी में स्नान का अवसर प्राप्त हो जाए तो इसे अत्यंत पुण्यदायी माना जाता है। जो लोग तीर्थस्थलों तक नहीं पहुंच पाते, वे घर पर स्नान के जल में गंगाजल मिलाकर स्नान करते हैं। स्नान के पश्चात भगवान शिव और माता पार्वती की विधिपूर्वक पूजा की जाती है। शिवलिंग पर जल, दूध और बेलपत्र अर्पित किए जाते हैं तथा सुख-समृद्धि और परिवार की मंगलकामना की जाती है।

सोमवती अमावस्या पर पीपल वृक्ष की पूजा का भी विशेष

महत्व है। भारतीय परंपरा में पीपल को देववृक्ष माना गया है। मान्यता है कि इसमें देवताओं का वास होता है। महिलाएं और पुरुष पीपल के वृक्ष की पूजा कर उसकी परिक्रमा करते हैं तथा परिवार के सुख, स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करते हैं। यह परंपरा केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि प्रकृति संरक्षण का भी संदेश देती है। भारतीय संस्कृति ने वृक्षों को पूजनीय बनाकर पर्यावरण संरक्षण की भावना को भी बढ़ावा दिया है। लोकजीवन में सोमवती अमावस्या केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है। यह सामाजिक समरसता और मानवीय संवेदनाओं का भी पर्व है। इस दिन दान-पुण्य करने की परंपरा लोगों को जरूरतमंदों की सहायता के लिए प्रेरित करती है। अन्न, वस्त्र, फल, मिठाई, अनाज और अन्य आवश्यक वस्तुओं का दान करके लोग समाज के कमजोर वर्गों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं। इससे सामाजिक सद्भाव और सहयोग की भावना मजबूत होती है।

भारत के विभिन्न राज्यों में सोमवती अमावस्या को अलग-अलग परंपराओं और रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाता है। कहीं विशाल मेले लगते हैं तो कहीं धार्मिक यात्राएं निकाली जाती हैं। मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन होता है और भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय बन जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी इस पर्व को लेकर विशेष उत्साह देखा जाता है। परिवार के सदस्य एक साथ पूजा करते हैं और धार्मिक आयोजनों में भाग लेते हैं। इससे पारिवारिक एकता और सामाजिक जुड़ाव को भी बल मिलता है।

महिलाओं के लिए भी सोमवती अमावस्या का विशेष महत्व माना गया है। अनेक महिलाएं इस दिन व्रत रखती हैं और अपने परिवार की सुख-समृद्धि तथा पति की दीर्घायु के लिए भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना करती हैं। धार्मिक विश्वास है कि श्रद्धा और भक्ति से किया गया व्रत जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और मंगलकारी फल प्रदान करता है।

वर्ष 2026 की सोमवती अमावस्या को विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि इस दिन कई शुभ संयोग एक साथ बन रहे हैं। सोमवार के दिन पड़ने वाली अमावस्या, ज्येष्ठ अधिक मास का समापन और मिथुन संक्रांति जैसे योग इस दिन के धार्मिक महत्व को और अधिक बढ़ा रहे हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से भी इसे पुण्यकारी अवसर माना जा रहा है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन किए गए जप, तप, दान और पूजा का फल सामान्य दिनों की अपेक्षा अधिक प्राप्त होता है। सोमवती अमावस्या हमें अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर भी प्रदान करती है। आधुनिक जीवन की भागदौड़ में जहां लोग अपनी परंपराओं और मूल्यों से दूर होते जा रहे हैं, वहीं ऐसे पर्व हमें अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का कार्य करते हैं। पितरों का स्मरण केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि अपनी विरासत, परिवार और संस्कारों के प्रति सम्मान प्रकट करने का माध्यम है।

आज के समय में जब भौतिकता और प्रतिस्पर्धा जीवन का प्रमुख हिस्सा बनती जा रही है, तब सोमवती अमावस्या जैसे पर्व हमें आध्यात्मिकता, सेवा, दया और परोपकार का संदेश देते हैं। यह दिन हमें याद दिलाता है कि जीवन केवल व्यक्तिगत सफलता तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज, परिवार और प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारियां भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं।

अंततः कहा जा सकता है कि सोमवती अमावस्या भारतीय संस्कृति की जीवंत परंपराओं का एक महत्वपूर्ण पर्व है। यह श्रद्धा, विश्वास, भक्ति, दान और पितृ सम्मान का अनुपम संगम है। लोकजीवन में इसकी गहरी पैठ है और करोड़ों लोगों की आस्था इससे जुड़ी हुई है। यह पर्व न केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि सामाजिक एकता, पारिवारिक सौहार्द, प्रकृति संरक्षण और मानवीय मूल्यों को भी सुदृढ़ करता है। श्रद्धा और विश्वास से परिपूर्ण सोमवती अमावस्या वास्तव में भारतीय लोकजीवन के उल्लास, आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक है।

संपादकीय

भारत में सूखे के आसार

भारत सरकार को उर्वरक, खाद सबसिडी 3.42 लाख करोड़ रुपए करनी पड़ सकती है। यह सबसिडी कंपनियों को दी जाएगी, ताकि वे खाद का पर्याप्त बंदोबस्त कर सकें। बजट में इस सबसिडी का करीब 1.71 लाख करोड़ रुपए का अनुमान रखा गया था। खाद के संकट के साथ देश की खाद्य-सुरक्षा भी जुड़ी है। यदि कमजोर मॉनसून और अल नीनो के कारण, खाद के अभाव में, उपज कम हुई, तो खाद्यान्न की कमी के कारण देश में खाद्य-संकट के हालात भी बन सकते हैं। कृषि विशेषज्ञ गेहूं, चावल, दलहन की उपज कम आंक रहे हैं, लिहाजा उनके आकलन हैं कि दक्षिण एशिया में सूखे के गंभीर आसार बन रहे हैं। उन देशों में भारत भी शामिल है। फिलहाल सरकार दावा कर रही है कि खाद्यान्न के भंडार भरे हैं, लेकिन बुनियादी समस्या उर्वरक और एलएनजी की है। हमें दोनों का आयात करना पड़ता है। करीब 59 फीसदी एलएनजी खाड़ी देशों से आयात होती रही है, जिसमें करीब 43 फीसदी एलएनजी अकेला कतर हमें सप्लाई करता था। ईरान युद्ध के दौरान मिसाइल हमलों से कतर की रिफाइनरी, एलएनजी के ढांचे, तेल के अन्य ठिकाने नष्ट हुए हैं, लिहाजा कतर को उत्पादन बहुत कम करना पड़ा है, नतीजतन आपूर्ति बाधित है। भारत में अब खरीफ की फसलों की बुवाई का समय है। धान, ईख, मक्का आदि मुख्य फसलें हैं। खाद का भारत का आयात बिल करीब 74 लाख करोड़ रुपए है। सरकार के प्रतिनिधि किसानों को सलाह दे रहे हैं कि यूरिया, डीएपी खाद का इस्तेमाल कम करें। जैविक, प्राकृतिक खेती पर फोकस है, लेकिन सरकारी अधिकारी यह नहीं जानते कि प्राकृतिक खेती के लिए औसत खेत तीन साल में तैयार होता है। यह खेती छोटे भू-भाग पर भी नहीं की जा सकती। किसान जिस खाद का इस्तेमाल करते हैं, उसका एक मोटा हिस्सा जमीन के भीतर रिस कर और भूमिगत जल के साथ मिल कर आसपास के खेतों में चला जाता है। उससे जैविक खेती प्रभावित, खादयुक्त हो जाती है। फिर वह प्राकृतिक खेती रहती ही नहीं। भारत में करीब 6.01 करोड़ टन खाद की सालाना खपत होती है। बेशक 90 फीसदी एनपीके का उत्पादन देश में ही किया जाता है और 87 फीसदी यूरिया का उत्पादन भी हम करने में सक्षम हैं, लेकिन उर्वरक संयंत्रों को चलाने के लिए भी एलएनजी चाहिए।

ज़िंदगी की मुश्किल ग्रामर: ज़िंदगी जब चाहे साइन बदल देती है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ज़िंदगी की ग्रामर किसी स्कूल या कॉलेज की टेक्स्टबुक जितनी आसान नहीं होती। भाषा की ग्रामर में नियम होते हैं कि कहाँ रुकना है और कहाँ सवाल पूछने हैं, लेकिन कुदरत ज़िंदगी की ग्रामर के नियम अपने हाथों से लिखती है। किसी ने बहुत खूबसूरती से लिखा है: 'ज़िंदगी जब चाहे फुल स्टॉप, कॉमा, एक्सक्लेमेशन मार्क लगा देती है... तुम्हारी ग्रामर बहुत मुश्किल है...' ये लाइनें सिर्फ़ शब्द नहीं हैं, बल्कि धरती पर रहने वाले हर इंसान के संघर्ष, उम्मीदों और अचानक आए हालात की जीती-जागती तस्वीर हैं।जब हम कामयाबी की दौड़ में आँख बंद करके दौड़ रहे होते हैं, भविष्य के लिए बड़े-बड़े प्लान बना रहे होते हैं, तो अचानक ज़िंदगी 'कॉमा' लगा देती है। पैसे का झटका, रिश्ते में खटास, या अचानक तबीयत खराब होना—ये सब ज़िंदगी के ठहराव हैं। यह इशारा हमें पूरी तरह से नहीं रोकता, लेकिन यह हमें 'रुकने, सांस लेने और फिर से शुरू करने' का इशारा देता है। ज़िंदगी के ये ठहराव हमें अपनी गलतियाँ सुधारने और नई दिशा में सोचने का मौका देते हैं। एक्सक्लेमेशन मार्क (!): अचानक आने वाले झटके और शानदार

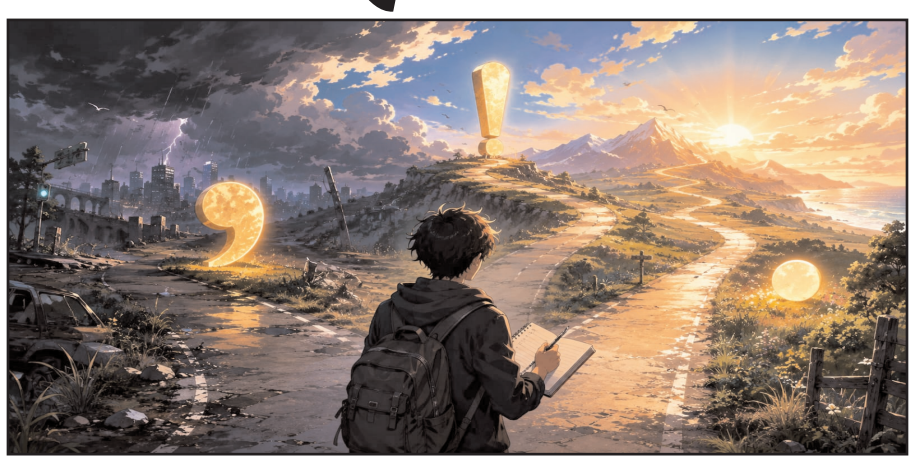

सरप्राइज़ज़िंदगी कभी सीधी लाइन में नहीं चलती। कभी-कभी हमें इसमें इतनी खुशी मिल जाती है कि हमारी आँखें खुशी से भर जाती हैं, और कभी-कभी हमें ऐसा झटका लगता है कि इंसान हैरान रह जाता है। जब सब कुछ ठीक चल रहा होता है और अचानक कोई मोड़ आता है, तो ज़िंदगी एक 'एक्सक्लेमेशन मार्क' बन जाती है। किसी अपने का अचानक चला जाना या अचानक कोई बड़ी कामयाबी, ये सब ज़िंदगी के वो पन्ने हैं जिन पर कुदरत ने एक्सक्लेमेशन मार्क बना दिया है। यह निशान हमें एहसास दिलाता है कि प्लान कितना भी अच्छा क्यों न हो, आखिरी फैसला समय पर ही होगा। फुल स्टॉप (.): खत्म नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत का निशान सबसे मुश्किल निशान है 'फुल स्टॉप'। जब कोई लंबा रिश्ता टूट जाता है, कोई सपना अधूरा रह जाता है या कोई बड़ा बिज़नेस रुक जाता है, तो हमें लगता है कि सब कुछ खत्म हो गया। ज़िंदगी उस जगह पर फुल स्टॉप लगा देती है। इंसान हारकर बैठ जाता है। लेकिन, ज़िंदगी के ग्रामर की यही खासियत है—एक वाक्य का फुल स्टॉप ही दूसरे नए और खूबसूरत वाक्य की शुरुआत की ऑफिशियल शुरुआत है। जहाँ एक रास्ता बंद होता है, वहाँ एक नया रास्ता शुरू होता है। आखिर में... ग्रामर मुश्किल है, लेकिन जीना शानदार है। ज़िंदगी की इस मुश्किल ग्रामर से डरने की ज़रूरत नहीं है। भले ही कभी भी सिंबल बदल जाएं, पेन (हमारी हिम्मत) हमारे हाथ में होनी चाहिए। अगर ज़िंदगी कॉमा लगाए, तो थक जाओ, अगर एक्सक्लेमेशन मार्क लगाए, तो हालात को मान लो और अगर फुल स्टॉप लगा दे, तो एक नया चैप्टर लिखने के लिए तैयार हो जाओ। ज़िंदगी की इस ग्रामर को समझने वाले ही सच्चे सिकंदर बनते हैं।

सोच की बात: ज़िंदगी कभी आपके प्लान के हिसाब से नहीं चलती, यह अपने नियम खुद बनाती है। मैसेज: हर ब्रेक या रुकावट को अंत मत समझो, इसे ज़िंदगी की किताब का बस एक नया पन्ना समझो।

कलम की खनक फाउंडेशन

विश्व रक्तदाता दिवस विशेष

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रक्तदान करने वाले उस निस्वार्थ वीर का करते हैं सम्मान ना दिन देखते ना रात रक्तदाता है वो करते रहते रक्तदान बिना जान पहचान के अपनो सा फर्ज निभाकर करते रक्तदान, आज उस महादानी रक्तदानी वीर का करते हैंआभार, दुनिया के लिए वो अनजाना हैं चुपके से वो जीवन दे जाता, यही वो सच्चा रक्तदाता करता नहीं कभी भी वो अभिमान

ना जात देखे ना नाम पूछते बस देखते है केसे बचाए इंसान
सारे काम छोड़ देते,भूख प्यास की भी नहीं है कोई फ़िक्र
ना गाँव ना दूरी देखे बस चल दे आए जब एक फोन कॉल
जिंदगी उनकी इससे जुड़ी बचा ली जिन्होंने अनगिनत जान
उनके हाथो से निकली खून की एक एक बूँद देती जीवनदान
किसी माँ की आँखों का नूर बचाती,किसी का बचाती सुहाग
किसी बच्चे की जिंदगी बचाती किसी बच्चे के सिर पिता का हाथ
बहन के भाई की कलाई बचाती रक्तदाता के रक्त की बूँदों की ये सौगात, कोई मेडल नहीं कोई शोर नहीं ना कोई दिखावे की झूठी शान
दूसरे के सीने में धड़कन भर दे एसा हैं वो चलता-फिरता भगवान
है रक्तदाता,है जीवन के दूत वो,कर देते दूसरों के जीवन मे उजियारा
देकर अपने खून का कतरा कतरा बचाते मरती हुई उम्मीद का दिया
तुम बदले में नहीं करते कभी कोई आशा मिटा देते किसी की निराशा ,करते हैं तुम्हारी सराहना करते हैं तुम्हें सलाम,सीखाते दुनिया को रक्तदान है महादान, इंसान के काम जो इंसान ना आए तो फिर वो कैसा इंसान बात ये सिखाई, कहते हैं मित्रों करो तुम भी रक्तदान आगे बड़ो अपना फर्ज निभाओ इससे बड़ा ना कोई दान, रहता इससे शरीर स्वस्थ बीमारीया नहीं होती ना इससे कोई नुकसान, ना होती कमजोरी,कुछ घण्टों मे फिर से बन जाएगा बचा लोगे तुम भी किसी की जान, तुम्हारे खून की कुछ बूँदों से सोचो जरा एक माँ फिर मुस्कुरायेगी किसी का टूटता घर फिर से जुड़ जाएगा, बिगड़ती हुई कहानी से किसी की कहानी नयी बन जाएगी, आओ एक प्रयास करे रक्तदान कर जीवन बचाए ले ये संकल्प आज

– काजल मनीष जैन, राजस्थान

विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस: सम्मान और सुरक्षा का संकल्प

सुनील कुमार महला

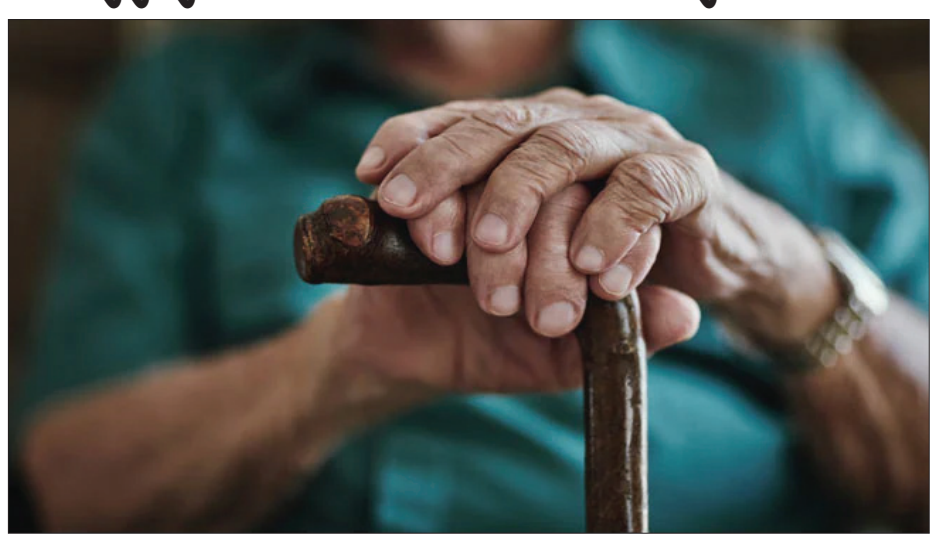

बुजुर्ग हमारे अनुभव, संस्कार और जीवन मूल्यों की अमूल्य धरोहर हैं। कहना गलत नहीं होगा कि वे अनुभव और मार्गदर्शन का ऐसा खजाना होते हैं, जिसकी तुलना किसी भी भौतिक संपत्ति से नहीं की जा सकती। सच तो यह है कि बुजुर्ग केवल हमारे अतीत का ही हिस्सा नहीं हैं, बल्कि वे हमारे वर्तमान की नींव और भविष्य के पथप्रदर्शक भी हैं। किसी भी सभ्य समाज की पहचान इस बात से होती है कि वह अपने बच्चों और बुजुर्गों के साथ कैसा व्यवहार करता है। बुजुर्ग परिवार को एकजुट रखने वाले घने छायादार व बड़े वृक्ष के समान होते हैं। अपने अनुभवों और मूल्यों के माध्यम से वे नई पीढ़ी को सही दिशा प्रदान करते हैं तथा जीवन में सफलता और ऊंचाइयों की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।सच तो यह है कि बुजुर्ग हमारी संस्कृति और परंपराओं के संवाहक हैं तथा बच्चों के लिए आदर्श की भूमिका निभाते हैं। परिवार में उनकी उपस्थिति सुरक्षा, विश्वास और भावनात्मक संबल का एहसास कराती है। वे परिवार के सदस्यों के बीच उत्पन्न होने वाले मतभेदों और विवादों को सुलझाने में मध्यस्थ की भूमिका निभाते हैं तथा घर में एकता और सामंजस्य बनाए रखते हैं। इसलिए बुजुर्गों का सम्मान, सुरक्षा और उचित देखभाल करना हम सभी का नैतिक और सामाजिक कर्तव्य है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए प्रतिवर्ष 15 जून को विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस मनाया जाता है। यह दिवस बुजुर्गों के प्रति होने वाले शोषण, उपेक्षा, हिंसा और आर्थिक दुर्व्यवहार के प्रति समाज को जागरूक करने के लिए समर्पित है।

यहां पाठकों को बताता चलूं कि विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस की शुरूआत पहली बार 15 जून 2006 को इंटरनेशनल नेटवर्क फॉर द प्रिवेंशन ऑफ एल्डर एब्यूज और विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से की गई थी। इसके बाद दिसंबर 2011 में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) ने अपने प्रस्ताव ए/आरईएस/66/127 के माध्यम से 15 जून को आधिकारिक रूप से विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस के रूप में मान्यता प्रदान की। तब से यह दिवस पूरी दुनिया में संयुक्त राष्ट्र के आधिकारिक दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। आज के समय में बदलती जीवनशैली और पारिवारिक संरचनाओं के कारण अनेक बुजुर्गों को उपेक्षा, अकेलेपन और दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ रहा है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि एक दिन हम भी वृद्धावस्था में प्रवेश करेंगे। इसलिए हमें यह समझना चाहिए कि जिस व्यवहार की अपेक्षा हम अपने लिए करते हैं, वही सम्मान हमें आज अपने बुजुर्गों को देना चाहिए। यह दिवस हमें बुजुर्गों के साथ होने वाले शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और वित्तीय दुर्व्यवहार के प्रति सचेत करता है। अनेक बुजुर्ग डर, शर्म, सामाजिक दबाव अथवा जानकारी के अभाव में अपने साथ हो रहे अत्याचार की शिकायत नहीं कर पाते। इसलिए उन्हें अपनी आवाज उठाने के लिए प्रोत्साहित करना तथा उन्हें प्रभावी सुरक्षा तंत्र उपलब्ध कराना इस दिवस का प्रमुख उद्देश्य है।

यदि हम यहां पर आंकड़ों की बात करें तो विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनिया में हर छह में से एक बुजुर्ग, अर्थात लगभग 15.7 प्रतिशत, किसी न किसी प्रकार के दुर्व्यवहार का शिकार होता है। इससे भी अधिक चिंताजनक तथ्य यह है कि बुजुर्गों के साथ होने वाले 24 मामलों में से केवल एक मामला ही अधिकारियों तक पहुंच पाता है। अधिकांश मामले बदनामी, पारिवारिक संबंधों के टूटने या अपनों को खोने के डर से घर की चारदीवारी के भीतर ही दबकर रह जाते हैं। दुर्व्यवहार के मामलों में सबसे बड़ा हिस्सा मानसिक या भावनात्मक प्रताड़ना का होता है, जो लगभग 11.6 प्रतिशत है। इसमें ताने देना, अपमान करना, बात न करना या अकेला छोड़ देना जैसी स्थितियां शामिल हैं। दुखद तथ्य यह भी है कि अधिकांश मामलों में दुर्व्यवहार करने वाले बाहरी व्यक्ति नहीं, बल्कि स्वयं परिवार के सदस्य–जैसे बच्चे, जीवनसाथी या करीबी रिश्तेदार होते हैं। इसके बाद वित्तीय धोखाधड़ी और आर्थिक शोषण के मामले सामने आते हैं। अनुमान है कि वर्ष 2050 तक दुनिया में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या लगभग दोगुनी होकर 2 अरब तक पहुंच जाएगी। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो बुजुर्ग दुर्व्यवहार के शिकार लोगों की संख्या बढ़कर 32 करोड़ से अधिक हो सकती है, जो पूरे विश्व के लिए एक गंभीर सामाजिक चुनौती होगी।

भारत में बुजुर्गों के अधिकारों और सुरक्षा के लिए माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम, 2007 लागू है। इसके अतिरिक्त सरकार द्वारा अटल वयो अभ्युदय योजना तथा वरिष्ठ नागरिकों के लिए राष्ट्रीय हेल्पलाइन एल्डर लाइन जैसी सुविधाएं संचालित की जा रही हैं, ताकि बुजुर्गों को आवश्यक सहायता और संरक्षण मिल सके। वर्ष 2025 की थीम थी-दीर्घकालिक देखभाल केंद्रों में बुजुर्गों के दुर्व्यवहार को संबोधित करना: डेटा और कार्रवाई के माध्यम से, जबकि वर्ष 2026 की आधिकारिक थीम है-जागरूकता से परे: बुजुर्ग दुर्व्यवहार रोकथाम को व्यावहारिक बनाना। यह थीम स्पष्ट रूप से संकेत देती है कि अब केवल जागरूकता फैलाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि ऐसे मजबूत और व्यावहारिक तंत्र विकसित करने की आवश्यकता है जो जमीनी स्तर पर बुजुर्गों के खिलाफ होने वाले अपराधों और दुर्व्यवहार को रोक सकें। इस अंतरराष्ट्रीय दिवस का आधिकारिक प्रतीक बैंगनी रंग है। गौरतलब है कि 15 जून के दिन दुनिया भर में लोग बैंगनी रंग के कपड़े पहनकर या पर्पल रिबन लगाकर बुजुर्गों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हैं तथा उनके विरुद्ध होने वाली हिंसा और दुर्व्यवहार के खिलाफ एकजुटता प्रदर्शित करते हैं।

अंततः यह समझना आवश्यक है कि बुजुर्गों को केवल भोजन, दवा और भौतिक सुविधाएं उपलब्ध कराना ही पर्याप्त नहीं है। उन्हें सम्मान, प्रेम, मानसिक शांति, आत्मनिर्भरता और गरिमापूर्ण जीवन प्रदान करना भी उतना ही आवश्यक है। कानून अपनी भूमिका निभा सकते हैं, लेकिन जब तक परिवार और समाज में संवेदनशीलता, सम्मान और मानवीय मूल्यों का विकास नहीं होगा, तब तक बुजुर्गों के प्रति होने वाले दुर्व्यवहार को पूरी तरह समाप्त नहीं किया जा सकता। बुजुर्ग हमारे परिवार और समाज की जड़ें हैं। यदि हम उनकी सुरक्षा, सम्मान और खुशहाली सुनिश्चित करेंगे, तभी एक संवेदनशील, सभ्य और संस्कारित समाज का निर्माण संभव होगा।

यूपी विधानसभा चुनाव 2027: सीट बंटवारे के लिए बेकरार होने लगे NDA के छोटे दल, BJP से लगाई गुहार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव फरवरी-मार्च 2027 में होने की संभावना है। चुनाव में फिलहाल कम से कम 8 महीने बाकी हैं लेकिन गठबंधनों में सीटों के बंटवार को लेकर खलबली होने लगी है। विपक्ष के इंडिया गठबंधन, जिसमें मुख्य रूप से समाजवादी पार्टी और कांग्रेस शामिल है, में सीटों के लिए रस्साकशी के संकेत कई दिन पहले से मिलने लगे थे। अब सत्ता पक्ष एनडीए में भी सीटों के लिए खास तौर पर छोटे दल व्याकुल नजर आने लगे हैं। वे एनडीए का नेतृत्व करने वाली बीजेपी की ओर से सीटों के बंटवारे का फैसला जल्दी चाहते हैं।

इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारे की रणनीति तय

नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस का नेतृत्व करने वाली बीजेपी ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे को लेकर अब तक कोई संकेत नहीं दिए हैं। दूसरी तरफ यूपी में इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करने वाली समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष ने यह तय कर दिया है कि वे सहयोगी दलों को सिर्फ वे सीटें देंगे जिन पर उनका उम्मीदवार मजबूत हो और जीत का दावा पक्का हो। बीजेपी सीटों के बंटवारे में क्या रणनीति अपनाने वाली है, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है। एनडीए में शामिल दो छोटे दलों निषाद पार्टी और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी ने अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले बीजेपी से गठबंधन की पार्टियों के बीच सीटों के बंटवारे पर जल्द समझौता करने की मांग की है। दिल्ली में भारत मंडपम में हाल ही में हुई एनडीए की बैठक में निषाद पार्टी के प्रमुख संजय निषाद बीजेपी नेतृत्व ने उन्हें भरोसा दिलाया है.

कैंसर पीड़ित 3 साल के बच्चे को दवा की जगह लगाया 'फॉर्मेलिन' केमिकल का इंजेक्शन; मासूम की तड़पकर मौत, दो नर्सों पर FIR

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। लापरवाही का एक बेहद गंभीर मामला सामने आया है. ब्लड कैंसर से जूझ रहे 3 साल के बच्चे की मौत कथित तौर पर निर्धारित दवा की जगह फॉर्मेलिन इंजेक्ट किए जाने के बाद हो गई. मामले में दो नर्सिंग अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है. घटना दिसंबर 2025 की है. तीन साल का सार्थक यादव मध्य प्रदेश के सागर जिले की बीना तहसील के कौरजा गांव का निवासी था. ल्यूकेमिया से पीड़ित सार्थक की तबीयत बिगड़ने पर उसे 15 दिसंबर 2025 को एम्स भोपाल के पीडियाट्रिक वार्ड में भर्ती कराया गया था. भर्ती के दो दिन बाद, 17 दिसंबर की सुबह उपचार के दौरान हुई एक कथित चूक उसके लिए जानलेवा साबित हुई. अस्पताल की आंतरिक जांच के अनुसार, बच्चे की आईवी लाइन ब्लॉक हो गई थी. इसी दौरान ड्यूटी पर मौजूद एक नर्सिंग अधिकारी मधुबाला शर्मा ने बिना उचित पहचान और सत्यापन किए एक सिरिंज जिसपर F लिखा हुआ था उसमें मौजूद पदार्थ बच्चे की नस में इंजेक्ट कर दिया. परिजनों का आरोप है कि बच्चे के पिता ने कई बार स्टाफ को आगाह किया था कि सिरिंज में निर्धारित दवा नहीं है, लेकिन उनकी चेतावनी पर ध्यान नहीं दिया गया उल्टा उसे डांटकर चुप करा दिया. इंजेक्शन लगाए जाने के कुछ ही क्षणों बाद बच्चे की हालत तेजी से बिगड़ने लगी. वह अचेत हो गया, जिसके बाद उसे तत्काल पीडियाट्रिक इंटेंसिव केयर यूनिट में शिफ्ट किया गया.डॉक्टरों ने उसे बचाने के लिए लंबे समय तक प्रयास किए, लेकिन सुबह 8:45 बजे उसे मृत घोषित कर दिया गया. क्या होता है फॉर्मेलिन? जांच रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि जिस सिरिंज का इस्तेमाल किया गया, उसमें फॉर्मेलिन भरा हुआ था. फॉर्मेलिन एक रासायनिक पदार्थ है, जिसका उपयोग अस्पतालों और प्रयोगशालाओं में बायोप्सी सैंपल समेत मानव ऊतकों को सुरक्षित रखने के लिए किया जाता है. जांच में यह भी सामने आया कि एक अन्य नर्सिंग स्टाफ अनुका गुजराती ने लैब के उपयोग के लिए फॉर्मेलिन को सिरिंज में भरकर रखा था और अस्पताल प्रोटोकॉल का पालन करने के बजाय उसे सुरक्षित स्थान पर रखने के बजाय मरीज के बेड के पास छोड़ दिया था आंतरिक जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से कहा है कि फॉर्मेलिन का नसों के माध्यम से शरीर में पहुंचना बच्चे की मौत का प्रत्यक्ष कारण बना. समिति ने इस घटना के लिए नर्सिंग स्टाफ की गंभीर लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया है. ंच रिपोर्ट के आधार पर बागसेवनिया थाना पुलिस ने 11 जून को दो नर्सिंग अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया SHO अमित सोनी ने 'आजतक' से बात करते हुए बताया कि मधुबाला शर्मा पर BNS की धारा 106(1) के तहत लापरवाही से मृत्यु कारित करने का केस दर्ज किया गया है.

खरगोन में फूटी मुख्य पानी की पाइपलाइन, 40 फीट ऊंचा उठा फव्वारा, 15 हजार लोग परेशान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागौद। सतना जिले में स्थित नागौद राजघराने की परसमनिया गढ़ी में 11 जून को हुए सनसनीखेज गोलीकांड में एक नया और चौंकाने वाला मोड़ आ गया है। घटना के बाद से सुर्खियों में रहे रूपेंद्र सिंह उर्फ बाबा राजा ने चार दिनों के बाद पहली बार मीडिया के सामने आकर अपना पक्ष रखा है। उन्होंने उन तमाम चर्चाओं और दावों को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें घायल महिला सुनीता सिंह को उनकी दूसरी पत्नी या प्रेमिका बताया जा रहा था। रूपेंद्र सिंह ने स्पष्ट किया कि सुनीता केवल उनकी बिजनेस पार्टनर और पेट्रोल पंप की मैनेजर हैं।

'डिफेंस में चली गोली, दीवार से टकराकर पत्नी को लगी'

बाबा राजा ने घटना के वक्त का ब्योरा देते हुए आरोप लगाया कि उनकी पत्नी योगिता सिंह, साले नागेंद्र सिंह राठौर और अन्य ससुराल वालों ने उनके साथ बेरहमी से मारपीट की थी। दोपहर करीब 3:30 बजे हुए इस विवाद में उन्हें धक्का देकर गिराया गया, जिससे उनका चश्मा टूट गया और वे

घायल हो गए। उन्होंने दावा किया कि जब हमलावर उन पर हावी हो रहे थे, तब सुनीता सिंह ने अपनी आत्मरक्षा में दीवार की तरफ हवाई फायरिंग की थी। वह गोली दीवार से टकराकर सीधे योगिता सिंह को जा लगी। उनका इरादा किसी को जान से मारने का नहीं था।

संपत्ति विवाद और क्रॉस एफआईआर

इस पूरे मामले के पीछे वैवाहिक और संपत्ति विवाद को मुख्य वजह बताया जा रहा है। रूपेंद्र सिंह के अनुसार, उन्होंने अपने रिश्ते को बचाने के लिए पहले ही कोर्ट में धारा 9 तहत केस दायर कर रखा था, लेकिन ससुराल पक्ष की नजर उनकी पैतृक संपत्ति पर है। फिलहाल, उचेहरा थाना पुलिस ने बाबा राजा की शिकायत पर साले नागेंद्र सिंह सहित तीन लोगों के खिलाफ मारपीट और धमकी की धाराओं में क्रॉस एफआईआर दर्ज कर ली है। फायरिंग करने वाली आरोपी सुनीता परिहार पहले ही पुलिस की गिरफ्त में है और अब मामले की असल सच्चाई फोरेंसिक रिपोर्ट के बाद ही साफ होगी। कानूनी जानकारों के अनुसार, जब पति या पत्नी में से कोई भी बिना किसी वाजिब कारण के एक-दूसरे से अलग रहने लगता है, तो पीड़ित पक्ष अदालत में 'दांपत्य अधिकारों की पुनर्स्थापना' के लिए धारा 9 के तहत याचिका लगा सकता है। अदालत दोनों पक्षों को सुनकर साथ रहने का आदेश दे सकती है। इस मामले में बाबा राजा इसी आधार पर खुद को बेकसूर बता रहे हैं।

'ये चूड़ियां वही लाए थे, कैसे उतारूं...' पति की लाश से आखिरी बार मांग में भरवाया सिंदूर, फफक पड़े लोग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

प्रयागराज। शुक्रवार को घर से निकलते वक्त किसी ने नहीं सोचा था कि यह सफर आखिरी साबित होगा. चार दोस्त गर्मी से राहत पाने के लिए शिमला घूमने जा रहे थे. परिवार वालों से हंसते हुए विदा ली थी. किसी ने कहा था जल्दी लौट आना, किसी ने रास्ते में फोन करने को कहा था. लेकिन कुछ घंटों बाद एक फोन कॉल ने चार परिवारों की दुनिया हमेशा के लिए बदल दी. प्रयागराज के फाफामऊ इलाके के रहने वाले अनुपम गुप्ता, उदय सिंह, विजय और अमन कश्यप शिमला घूमने निकले थे. गंगा एक्सप्रेसवे पर उनकी कार तेज रफ्तार से आगे बढ़ रही थी. सफर, दोस्ती और पहाड़ों की बातें चल रही थीं. लेकिन उन्नाव के पास एक खड़े ट्रक से कार की भीषण टक्कर हो गई. हादसा इतना भयावह था कि चारों दोस्तों की मौके पर ही मौत हो गई. शनिवार को जब चारों के शव प्रयागराज पहुंचे तो पूरा इलाका मातम में डूब गया. जिन घरों से कुछ घंटे पहले हंसी की आवाजें आ रही थीं, वहां अब चीखें और सिसकियां सुनाई दे रही थीं. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था. हर कोई बस एक ही सवाल पूछ रहा था- ऐसा क्यों हुआ? लेकिन इस पूरे दर्दनाक घटनाक्रम के बीच एक ऐसा दृश्य सामने आया, जिसने वहां मौजूद हर शख्स की आंखें नम कर दीं. यह दृश्य था अनुपम गुप्ता के घर का. घर के आंगन में अनुपम का शव रखा हुआ था. रिश्तेदार, पड़ोसी और परिचित अंतिम दर्शन के लिए पहुंच रहे थे. इसी बीच उनकी पत्नी प्रिया अपने पति के शव के पास बैठी रो रही थीं. बार-बार पति का चेहरा देखतीं और फिर फूट-फूटकर रो पड़तीं. हिंदू परंपराओं के अनुसार, पति की मृत्यु के बाद पत्नी के सुहाग के प्रतीक चिन्ह उतारे जाते हैं. मांग का सिंदूर पोंछा जाता है और चूड़ियां तोड़ी जाती हैं. लेकिन यह रस्म निभाना प्रिया के लिए किसी पहाड़ से कम नहीं था.

किसान की बिजली काटी वन विभाग ने, पर झेलना पड़ा विद्युत कंपनी को; उपभोक्ता आयोग ने नहीं सुनी कोई दलील

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने बिजली आपूर्ति में रुकावट के एक मामले में विद्युत वितरण कंपनी के ढुलमुल रवैये पर कड़ी नाराजगी जताई है। आयोग ने एक किसान के पक्ष में फैसला सुनाते हुए बिजली कंपनी को ?20,000 का मुआवजा और अदालती खर्च देने का निर्देश दिया है। जस्टिस सुनीता यादव (अध्यक्ष) और मोनिका मलिक (सदस्य) की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया कि उपभोक्ता के परिसर में बिजली आपूर्ति को बहाल करना पूरी तरह से यूटिलिटी कंपनी की ही जिम्मेदारी है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब पीड़ित किसान ने अपनी कृषि भूमि पर बिजली कनेक्शन और DP लगाने के लिए 'नई पंप कनेक्शन सब्सिडी योजना' के तहत आवेदन किया था। बिजली कंपनी के निर्देशों का पालन करते हुए किसान ने ?2.04 लाख की राशि भी जमा कर दी

थी। किसान का आरोप था कि कंपनी ने उसके खेत में बिजली के खंभे तो खड़े कर दिए, लेकिन न तो बिजली चालू की और न ही डीपी लगाई। इस लापरवाही के कारण किसान को खेती के काम में भारी नुकसान उठाना पड़ा, जिसके बाद उसने जिला उपभोक्ता आयोग का दरवाजा खटखटाया। वन विभाग का पेंच और कंपनी के खोखले दावे MP मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने जिला आयोग के 2016 के आदेश को चुनौती देते हुए दलील दी थी कि उन्होंने खंभे गाड़कर और तार जोड़कर अपना काम पूरी तरह से किया था।हालांकि, कोर्ट ने पाया कि बिजली कंपनी ने जनवरी 2015 में ही इस संबंध में वन विभाग को पत्र लिखा था, जिससे साबित होता है कि कंपनी इस व्यवधान से पूरी तरह वाकिफ थी। इसके बावजूद उन्होंने अदालत के सामने यह दावा किया कि उन्हें इस बात की जानकारी जिला आयोग का नोटिस मिलने के बाद हुई, जो उनकी अज्ञानता और लापरवाही को दर्शाता है। राज्य उपभोक्ता आयोग ने जिला मंच के उस फैसले को सही ठहराया जिसमें बिजली कंपनी को 15 दिनों के भीतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने और अन्य सरकारी विभागों से समन्वय कर बाधाओं को दूर करने का निर्देश दिया गया था। हालांकि, राज्य निकाय ने जिला आयोग के उस पिछले आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें बिजली कंपनी को किसान द्वारा जमा किए गए 2.04 लाख के कनेक्शन शुल्क को वापस करने के लिए कहा गया था, क्योंकि अब कंपनी को कनेक्शन सुचारू रूप से चालू करने की जिम्मेदारी सौंप दी गई है।

पहली उड़ान जमीन देने वालों के नाम... जेवर एयरपोर्ट से कल लखनऊ जाएंगे 172 किसान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नोएडा। जेवर क्षेत्र में बने जेवर एयरपोर्ट से 15 जून को पहली व्यावसायिक उड़ान का संचालन किया जाएगा. यह उड़ान परियोजना के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर मानी जा रही है, क्योंकि इससे क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के नए युग की शुरुआत होगी. पहली उड़ान में कुल 172 किसान सफर करेंगे, जो इस परियोजना से प्रत्यक्ष रूप से जुड़े रहे हैं. साथ ही इन्हीं किसानों ने अपनी जमीन भी दी थी.

लखनऊ पहुंचकर CM योगी से करेंगे मुलाकात

जानकारी के मुताबिक कल की पहली विशेष उड़ान लखनऊ के लिए संचालित की जाएगी. इस दौरान किसानों के साथ जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह भी मौजूद रहेंगे. सभी यात्री लखनऊ पहुंचकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करेंगे और जेवर एयरपोर्ट परियोजना के लिए अपनी भूमि देने के बदले उन्हें औपचारिक रूप से धन्यवाद ज्ञापित करेंगे. जेवर एयरपोर्ट परियोजना के लिए स्थानीय किसानों ने अपनी हजारों एकड़ भूमि का योगदान दिया था, जिसके कारण यह विशाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा परियोजना आकार ले सकी. सरकार और प्रशासन का मानना है कि बिना किसानों के सहयोग के यह परियोजना संभव नहीं थी. इसी योगदान को सम्मान देने के उद्देश्य से यह विशेष उड़ान आयोजित की जा रही है. इस ऐतिहासिक अवसर को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है. किसानों का कहना है कि उनकी भूमि देश और राज्य के विकास में उपयोग हो रही है, यह उनके लिए गर्व की बात है. वहीं प्रशासन ने भी इस आयोजन को सफल बनाने के लिए विशेष तैयारियां की हैं. जेवर एयरपोर्ट से पहली उड़ान का संचालन न केवल विमानन क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह किसानों और विकास परियोजनाओं के बीच साझेदारी का प्रतीक भी है. दावा किया जा रहा है.

6 किलोमीटर पैदल चलकर थाने पहुंची महिला, पति ने 24 घंटे बनाया बंधक, गले में लटका ताला देख कांप उठी पुलिस

मध्य प्रदेश के राजगढ़ में एक शराबी पति ने क्रूरता की सारी हदें पार करते हुए खाना परोसने में देरी होने पर अपनी पत्नी को जंजीर से बांधकर ताला लगा दिया और गर्म सरिए से दागा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजगढ़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के खिलचीपुर अंतर्गत छीपीपुरा गांव से रूह कपां देने वाली घरेलू हिंसा का मामला सामने आया है। यहां एक सनकी पति ने खाना परोसने में थोड़ी सी देरी होने पर अपनी पत्नी पर इस कदर जुल्म ढाए कि सुनने वालों के रोंगटे खड़े हो जाएं। आरोपी ने न सिर्फ अपनी पत्नी को डंडों से पीटा, बल्कि उसके गले में लोहे की भारी जंजीर डालकर ताला लगा दिया और आंगन के खंभे से बांध दिया।

24 घंटे बंधक, गर्म सरिए से दागा

पीड़िता मांगी बाई तंवर के मुताबिक, 10 जून की दोपहर उसका पति सरदार सिंह तंवर शराब के नशे में धुत होकर घर आया था। विवाद बढ़ने पर उसने पीड़िता को 24 घंटे तक बंधक बनाए रखा। इस दौरान आरोपी ने क्रूरता की हदें पार करते हुए गैस चूल्हे पर लोहे का सरिया गर्म किया और महिला के पैर, कमर सहित शरीर के कई हिस्सों को बेरहमी से दाग दिया। जब महिला दर्द से चिल्लाई, तो आरोपी ने उसका मुंह दबा दिया ताकि आवाज बाहर न जा सके। आरोपी ने धमकी दी कि अब देखता हूं तुम

पुलिस के पास कैसे जाती हो।

जंजीर लटकाए 6 किमी पैदल चली पीड़िता

इस खौफनाक कैद से किसी तरह मौका पाकर महिला ने ताला तोड़ा और गले में जंजीर लटके हुए ही जंगल के रास्ते करीब 6 किलोमीटर का सफर तय किया। रात 10 बजे जब वह बदहवास हालत में खिलचीपुर थाने पहुंची, तो उसके गले में जंजीर और ताला देखकर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी भी सन्न रह गए। 10 साल पहले शादी के बंधन में बंधी मांगी बाई का एक बच्चा था, जिसकी 3 महीने की उम्र में मौत हो गई थी, जिसके बाद से पति अक्सर विवाद करता था। महिला बेहद डरी हुई और दर्द में थी, उसके गले में जंजीर और ताला लगा हुआ था। हमने तुरंत उसे सुरक्षा दी और उसका मेडिकल कराया। कानून हाथ में लेने वाले और इस तरह की अमानवीय क्रूरता करने वाले आरोपी पति को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया गया है। मामले की गहन जांच जारी है। खिलचीपुर थाना प्रभारी कमल सिंह गहलोत ने बताया कि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सबसे पहले पीड़िता का मेडिकल कराया। महिला की शिकायत के आधार पर विभिन्न गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपी पति सरदार सिंह तंवर को गिरफ्तार कर लिया गया है।

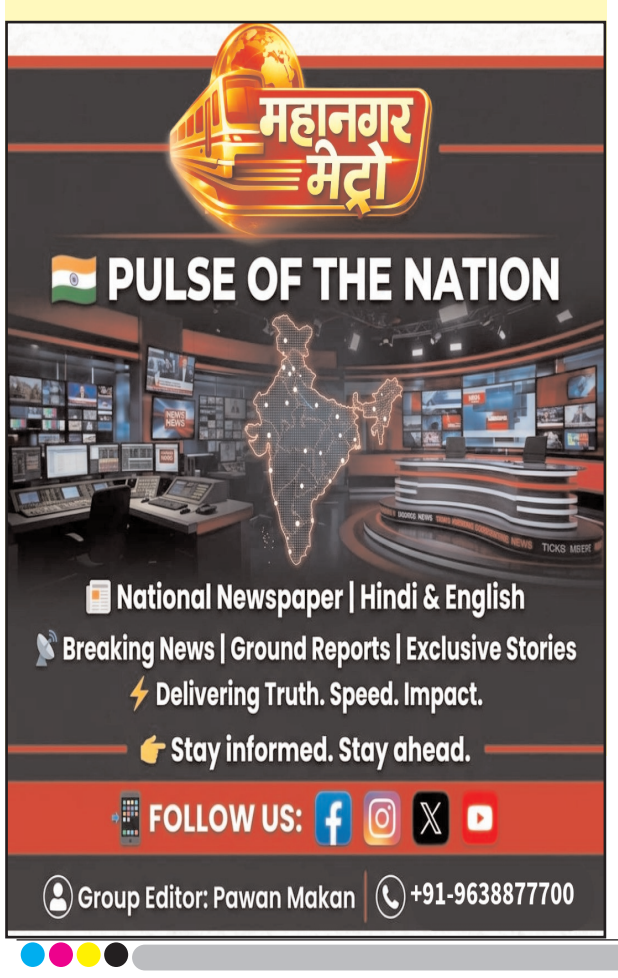

बेटा IPS, पिता से 2.27 करोड़ रुपये की ठगी, बाराबंकी में 5 पर FIR,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बाराबंकी। यूपी के बाराबंकी में 2.27 करोड़ रुपये के जमीन सौदे को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। मध्य प्रदेश कैडर के एक आईपीएस अधिकारी के पिता राधाकांत शुक्ला ने नगर कोतवाली में होटल एवं रियल एस्टेट कारोबारी समेत कई लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया है। उनका आरोप है कि जमीन खरीदने के नाम पर उनसे करोड़ों रुपये लिए गए, लेकिन जमीन किसी और को बेच दी गई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बाराबंकी नगर क्षेत्र के मयूर विहार कॉलोनी निवासी आईपीएस आदर्शकांत शुक्ला के पिता राधाकांत शुक्ला ने वर्ष 2018 से 2024 के बीच उन्होंने करीब 13,150 वर्गफीट भूमि खरीदने के लिए कुल 2.27 करोड़ रुपये दिए थे। उनका दावा है कि यह धनराशि परिवार का सोना बेचकर जुटाई गई थी। आरोप है कि रियल स्टेट कारोबारी विवेक गुप्ता, निवेद

प्रताप सिंह उर्फ गोलू , शुभी सिंह, भावना रानी और विशाल ने जमीन दिलाने का आश्वासन देकर रकम ली, लेकिन बाद में उसी जमीन को अन्य लोगों को बेच दिया।

दुबई में कारोबार शिफ्ट करने के आरोप

राधाकांत शुक्ला के मुताबिक, उनके द्वारा रकम वापस मांगने पर उन्हें केवल 1.05 करोड़ रुपये लौटाए गए। इस दौरान सोने की कीमतों में भारी वृद्धि होने से उन्हें बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ। उन्होंने आरोप लगाया है कि शेष धनराशि अब तक वापस नहीं की गई और भुगतान के नाम पर लगातार टालमटोल की जाती रही। पुलिस को दी तहरीर में दुबई कनेक्शन का भी जिक्र करते हुए आरोपियों के विदेश में कारोबार स्थापित करने और वहां शिफ्ट होने की तैयारी का दावा किया गया है।

पुलिस मामले की जांच में जुटी

वहीं आरोपी कारोबारी निवेद प्रताप सिंह ने सभी आरोपों को निराधार बताया है। उनका कहना है कि शुक्ला द्वारा करीब 1.27 करोड़ रुपये दिए गए थे, जिनमें से 1.05 करोड़ रुपये वापस किए जा चुके हैं और केवल 22 लाख रुपये बकाया हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि शिकायतकर्ता अतिरिक्त ब्याज की मांग कर रहे हैं। कारोबारी ने चेक में ओवरराइटिंग किए जाने का भी दावा किया है। नगर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

नोएडा में सड़क हादसा: दिल्ली जा रही बस महामाया फ्लाईओवर के पास पलट गई, एक दर्जन यात्री घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नोएडा। महामाया फ्लाईओवर के पास रविवार को एक तेज रफ्तार बस डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे के वक्त बस फर्रुखाबाद से दिल्ली जा रही थी और उसमें सवार करीब एक दर्जन यात्री घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया, जबकि क्षतिग्रस्त बस को हटाकर यातायात सामान्य कराया गया. दिल्ली की ओर जा रही एक तेज रफ्तार बस रविवार को नोएडा के महामाया फ्लाईओवर के पास हादसे का शिकार हो गई. बस पहले डिवाइडर से टकराई और फिर कंट्रोल से बाहर होकर सड़क पर पलट गई. इस हादसे में बस में सवार करीब एक दर्जन यात्री घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है. जानकारी के मुताबिक, बस फर्रुखाबाद से दिल्ली जा रही थी. जब बस नोएडा के महामाया फ्लाईओवर के पास पहुंची, तभी चालक का कंट्रोल बस पर नहीं रहा. तेज रफ्तार बस डिवाइडर से जाकर

टकरा गई. टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस पलट गई. हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई. आसपास मौजूद राहगीर तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत व बचाव कार्य शुरू किया. इसी के साथ पुलिस को घटना की जानकारी दी गई. सूचना मिलते ही नोएडा पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और जायजा लिया. पुलिस ने लोगों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया. लोगों की मदद से बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला गया और घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया.

इस हादसे के बाद कुछ समय के लिए दिल्ली जाने वाले मार्ग पर ट्रैफिक प्रभावित रहा. सड़क पर बस पलट जाने से वाहनों की कतार लग गई. बाद में पुलिस और क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त बस को सड़क से हटाया गया, जिसके बाद यातायात सामान्य हो सका. पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह हादसा नोएडा के फेज-1 थाना क्षेत्र में महामाया फ्लाईओवर के पास हुआ. शुरुआती जांच में माना जा रहा है कि तेज रफ्तार में बस होने की वजह से हादसा हुआ. हालांकि पुलिस मामले की जांच कर रही है .

पहले स्कूटी ने मारी टक्कर, फिर गुड्स कैरियर ने कुचला... दिल्ली पुलिस के जवान की दर्दनाक मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। राजधानी दिल्ली में ड्यूटी के दौरान एक दर्दनाक सड़क हादसे में ट्रैफिक पुलिस के हेड कॉन्स्टेबल की मौत हो गई. हादसा कश्मीरी गेट स्थित रिंग रोड पर उस समय हुआ, जब वह यातायात व्यवस्था संभाल रहे थे. जानकारी के मुताबिक दिल्ली ट्रैफिक पुलिस में तैनात हेड कॉन्स्टेबल अनिल (39) शांति वन से चांदनी राम अखाड़ा की ओर जाने वाले मार्ग पर ड्यूटी कर रहे थे. इसी दौरान हनुमान मंदिर की तरफ से आ रही एक स्कूटी, जिस पर तीन लोग सवार थे, ने उन्हें टक्कर मार दी. टक्कर लगने से अनिल सड़क पर गिर गए. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सड़क पर गिरते ही पीछे से आ रही एक मालवाहक गाड़ी (गुड्स कैरियर) ने उन्हें कुचल दिया. हादसे के तुरंत बाद मौके पर मौजूद लोगों और पुलिसकर्मियों ने उन्हें सिविल लाइंस स्थित सुश्रुत ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.

हादसे पर पुलिस विभाग ने जताया दुख

पुलिस के अनुसार हादसे के बाद स्कूटी चालक मौके से फरार हो गया, जबकि मालवाहक वाहन को मौके पर ही पकड़ लिया गया. मामले की जांच शुरू कर दी गई है और फरार स्कूटी चालक की तलाश की जा रही है. आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है ताकि आरोपी की पहचान की जा सके. पुलिस ने मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी है. हेड कॉन्स्टेबल अनिल दिल्ली के छतरपुर इलाके में किराये के मकान में रहते थे, जबकि उनका परिवार राजस्थान के कोटपूतली जिले की बहरोड़ तहसील के जटगनवारा गांव (पोस्ट जखराना) में रहता है. इस हादसे के बाद पुलिस विभाग में शोक की लहर है. सहकर्मियों ने अनिल को कर्तव्यनिष्ठ और मेहनती अधिकारी बताते हुए उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है.

ममता बनर्जी के खिलाफ FIR दर्ज किए जाने पर भड़के संजय राउत, बोले- अनुराग ठाकुर ने भी दिया था भड़काऊ भाषण

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। शिवसेना सांसद संजय राउत ने पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ FIR दर्ज किए जाने पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यदि इस प्रकार से भड़काऊ भाषण के खिलाफ एफआईआर दर्ज किए जा रहे हैं तो दिल्ली चुनाव के दौरान अनुराग ठाकुर जैसे लोगों ने जिस प्रकार से भड़काऊ भाषण दिए, उनके खिलाफ क्यों नहीं FIR दर्ज हुआ? उत्तर प्रदेश में तो बीजेपी के हर नेता इस प्रकार के भाषण देते हैं। उनके खिलाफ क्यों FIR दर्ज नहीं हुआ? ममता बनर्जी एक लड़ने वाली राजनेत्री हैं। उन्हें चारों ओर से घेरकर बीजेपी खत्म करना चाहते हैं, लेकिन हम सब उनके साथ हैं। वे एफआईआर से डरने वाली महिला नहीं हैं।

संजय राउत ने किया यह दावा

संजय राउत ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी चुनाव हार ही नहीं सकती हैं। भवानीपुर में उनका हारना कई सवाल खड़े करता है। जरूर कुछ न कुछ गड़बड़ हुई है। उन्होंने कहा कि जिस तरह ममता बनर्जी हारी हैं, उसमें कहीं न कहीं साजिश की बू आती है। जिस तरह से पश्चिम बंगाल में एक साथ 4 हजार ईवीएम जलकर खाक हो गए। उससे कई तरह के सवाल खड़े होते हैं। वहीं TMC सांसद कीर्ति आजाद ने भी इस मुद्दे पर बीजेपी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि झूठे और मनगढ़ंत केस दर्ज करने की बात है तो ऐसा होता रहेगा। इसमें कुछ नई बात नहीं है। बीजेपी शुरू से ही ऐसा करती आ रही है। उन्होंने अपने राजनीतिक विरोधियों को बुरी तरह निशाना बनाया है। ठीक वैसे ही जैसे अंग्रेज़ों के शासन में होता था। अगर आप बीजेपी के साथ जुड़ते हैं, तो आपको फ़ंडिंग मिलती है और आपके केस भी खत्म हो जाएंगे। अगर आप बीजेपी के साथ नहीं जुड़ते हैं.

ऑपरेशन टाइगर का डर! उद्धव ने अपने सभी सांसदों को बुलाया 'मातोश्री', जानें? कितने पहुंचे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रविवार को मुंबई स्थित अपने आवास 'मातोश्री' पर पार्टी सांसदों की बैठक बुलाई. यह बैठक ऐसे समय में बुलाई गई, जब महाराष्ट्र के राजनीतिक गलियारों में 'ऑपरेशन टाइगर' की चर्चा है. ऐसी अटकलें लग रही हैं कि शिवसेना (यूबीटी) के कुछ सांसद महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो सकते हैं. वहीं, शिवसेना (यूबीटी) से जुड़े सूत्रों ने कहा कि इस बैठक का उद्देश्य संगठनात्मक मुद्दों की समीक्षा करना और मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों पर चर्चा करना है. कुछ सांसदों के प्रतिद्वंद्वी शिवसेना गुट के संपर्क में होने की खबरों के बाद पार्टी नेतृत्व ने सभी सांसदों को एक साथ बुलाकर स्थिति का आकलन करने का फैसला किया है. उद्धव ठाकरे द्वारा बुलाई गई इस बैठक में पार्टी के 9 में से 8 सांसद शामिल हुए, जबकि परभणी सांसद संजय जाधव अनुपस्थित रहे. मातोश्री में हुई इस बैठक में शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत भी मौजूद रहे. बैठक में चार सांसदों ने शारीरिक रूप से हिस्सा लिया, जबकि 4सांसद ऑनलाइन माध्यम से जुड़े. बैठक में जो सांसद फिजिकली मौजूद रहे उनमें- अरविंद सावंत (दक्षिण मुंबई), अनिल देसाई (मुंबई दक्षिण मध्य), राजाभाऊ वाजे (नासिक) और संजय दीना पाटिल (मुंबई उत्तर-पूर्व) शामिल हैं. वहीं संजय देशमुख (यवतमाल-वाशिम), भाऊसाहेब वाकचौरे (शिरडी) और ओमराजे निंबालकर (धाराशिव) और नागेश पाटिल अष्टीकर (हिंगोली) ऑनलाइन जुड़े. वहीं, संजय जाधव की अनुपस्थिति ने राजनीतिक अटकलों को और हवा दे दी है, क्योंकि वह हाल के कुछ पार्टी कार्यक्रमों में भी शामिल नहीं हुए थे. शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने बैठक के बाद प्रेस ब्रीफिंग में कुछ पार्टी सांसदों के फिजिकली नहीं मौजूद रहने और संजय जाधव की अनुपस्थिति को पार्टी में आंतरिक संकट से जोड़ने की अटकलों को खारिज किया. उन्होंने कहा कि संजय जाधव की पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे से फोन पर बात हुई है. ओमराजे निंबालकर ने पहले ही पार्टी को सूचित कर दिया था कि उनका बेटा अस्पताल में भर्ती है, इस कारण वह बैठक में फिजिकली शामिल नहीं हो सकेंगे. भाऊसाहेब वाकचौरे की पत्नी बीमार थीं, इसलिए वह बैठक से ऑनलाइन जुड़े. संजय देशमुख अपनी बेटी की शादी के कारण बैठक में ऑनलाइन शामिल हुए. उन्होंने कहा कि यह एक नियमित संगठनात्मक बैठक है.

'कांग्रेस में विलय छोड़िए, NDA में आइए...' शरद पवार को रामदास आठवले का ऑफर

संभावित विलय की चर्चाओं के बीच केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने शरद पवार को एक ऑफर दिया है. उनके इस बयान के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में इसे लेकर चर्चा तेज हो गई है.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। राजनीति में शरद पवार की पार्टी NCP के कांग्रेस में संभावित विलय की चर्चाओं के बीच केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने नया ऑफर दिया है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस में जाने के बजाय शरद पवार को ह्ष्ठ में शामिल होना चाहिए. आठवले ने यह भी कहा कि अगर पवार को BJP से कोई दिक्कत है तो वे उनकी पार्टी RPI में भी आ सकते हैं. न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, मुंबई में शनिवार को मीडिया से बातचीत के दौरान रामदास आठवले ने कहा कि पहले वह खुद शरद पवार को कांग्रेस के साथ जाने की सलाह दे चुके हैं, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं. उनके मुताबिक कांग्रेस पहले जितनी मजबूत नहीं रही, इसलिए पवार के लिए NDA एक बेहतर विकल्प हो सकता है. दरअसल, पिछले कुछ दिनों से महाराष्ट्र की राजनीति में यह चर्चा तेज है कि शरद पवार की अगुवाई वाली NCP का कांग्रेस में विलय हो सकता है. इस चर्चा को उस समय और बल मिला जब शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा कि कांग्रेस से निकली पार्टियों को फिर उसके साथ आ जाना चाहिए, ताकि PTI के खिलाफ मजबूत विपक्ष तैयार किया जा सके. इसी प्रतिक्रिया का जवाब देते हुए आठवले ने कहा कि'कांग्रेस में जाने के बजाय पवार को NDA में आना चाहिए. अगर BJP से कोई दिक्कत है तो वह RPI में शामिल हो सकते हैं'. उनके इस बयान के बाद शरद पवार की सियासी रणनीति को लेकर चर्चाएं बढ़ गई हैं. हालांकि, शरद पवार या उनकी पार्टी की ओर से कांग्रेस में विलय को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है. लेकिन आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर पवार खेमे का रुख क्या रहता है, इस पर सबकी नजर बनी हुई है.

15 जून से नेरल-अमन लॉज के बीच नहीं चलेगी टॉय ट्रेन, सेंट्रल रेलवे ने क्यों उठाया ये कदम?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मध्य रेल ने मॉनसून के दौरान नेरल-माथेरान नैरोगेज लाइन के नेरल-अमन लॉज खंड पर नियमित यात्री सेवाओं को 15 जून 2026 से 15 अक्टूबर 2026 तक स्थगित करने का निर्णय लिया है। हालांकि, इस अवधि में पर्यटकों और यात्रियों की सुविधा के लिए माथेरान-अमन लॉज के बीच शटल सेवाएं संचालित की जाएगी। ये सेवाएं प्रतिदिन उपलब्ध रहेंगी, जबकि शनिवार और रविवार को अतिरिक्त विशेष फेरे भी चलाए जाएंगे। सभी शटल सेवाएं 3 द्वितीय श्रेणी डिब्बों, 1 प्रथम श्रेणी डिब्बे तथा 2 द्वितीय श्रेणी सह सामान यान (लगेज वैन) के साथ संचालित की जाएंगी। प्रतिदिन माथेरान से अमन लॉज के लिए छह शटल सेवाएं सुबह 8:20 बजे से शाम 5:20 बजे तक चलेंगी। वहीं अमन लॉज से माथेरान के लिए भी छह नियमित सेवा

माथेरान-अमन लॉज-माथेरान शटल सेवाएं

52154 माथेरान प्रस्थान 08.20 बजे; अमन लॉज आगमन 08.38 बजे 52156 माथेरान प्रस्थान 09.10 बजे; अमन लॉज आगमन 09.28 बजे 52158 माथेरान प्रस्थान 11.35 बजे; अमन लॉज आगमन 11.53 बजे 52160 माथेरान प्रस्थान 14.00 बजे; अमन लॉज आगमन 14.18 बजे 52162 माथेरान प्रस्थान 15.15 बजे; अमन लॉज आगमन 15.33 बजे 52164 माथेरान प्रस्थान 17.20 बजे; अमन लॉज आगमन 17.38 बजे (शनिवार/रविवार को) स्पेशल-2 माथेरान प्रस्थान 10.05 बजे; अमन लॉज आगमन 10.23 बजे स्पेशल-4 माथेरान प्रस्थान 13.10 बजे; अमन लॉज आगमन 13.28 बजे अमन लॉज-माथेरान शटल सेवाएं (प्रतिदिन) 52153 अमन लॉज प्रस्थान 08.45 बजे; माथेरान आगमन 09.03 बजे 52155 अमन लॉज प्रस्थान 09.35 बजे; माथेरान आगमन 09.53 बजे 52157 अमन लॉज प्रस्थान 12.00 बजे; माथेरान आगमन 12.18 बजे 52159 अमन लॉज प्रस्थान 14.25 बजे; माथेरान आगमन 14.43 बजे 52161 अमन लॉज प्रस्थान 15.40 बजे; माथेरान आगमन 15.58 बजे 52163 अमन लॉज प्रस्थान 17.45 बजे; माथेरान आगमन 18.03 बजे (शनिवार/रविवार को) स्पेशल-1 अमन लॉज प्रस्थान 10.30 बजे; माथेरान आगमन 10.48 बजे स्पेशल-3 अमन लॉज प्रस्थान 13.35 बजे; माथेरान आगमन 13.53 बजे 15 जून से नेरल - अमन लॉज के बीच नहीं चले टॉय ट्रेन

दिल्ली, नोएडा से लेकर महाराष्ट्र तक 25 महिलाओं से शादी करनेवाला गिरफ्तार, मुंबई पुलिस ने बताई फ्रॉड की कहानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। बॉलीवुड की एक फिल्म आई थी 'लेडीज़ वर्सेस रिकी बहल'। इस फिल्म की तरह ही एक ठग ने एक दो या 5-10 नहीं, बल्कि 25 लड़कियों को शादी के नाम पर लूटा। शख्स ने कई से शादी का वादा करके कई सालों तक महिलाओं का भरोसा जीता और फिर उनसे रुपये ऐंठे। इतना ही नहीं, 25 ऐसी महिलाएं सामने आई हैं, जिनसे उसने शादी तक की। पुलिस ने बताया कि अनुजकुमार चंद्रप्रकाश त्रिवेदी ने मैट्रिमोनियल साइट्स पर खुद को एक आदर्श दूल्हे के तौर पर पेश किया और कई राज्यों में 25 से ज्यादा महिलाओं से शादी करके करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी की। जांचकर्ताओं का कहना है कि अनुज कुमार ने खास तौर पर तलाकशुदा और कमजोर स्थिति वाली महिलाओं को निशाना बनाया। उसने नकली पहचान और इमोशनल मैनिपुलेशन (भावनात्मक हेरफेर) का इस्तेमाल करके देश के सबसे चौंकाने वाले मैट्रिमोनियल स्कैम में से एक को अंजाम दिया। सालों तक फ़रार रहने के बाद ग्रेटर नोएडा से गिरफ़्तार मीरा भायंदर-वसई विरार के डिप्टी कमिश्नर ऑफ़ पुलिस संदीप डोइफोडे ने बताया कि आरोपी का पता उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में चला। पुलिस ने 24 मई को उसे गिरफ़्तार किया, जब उन्हें पता चला कि वह नकली पहचान के साथ रह रहा था। जांचकर्ताओं को पता चला कि वह कई नकली नामों का इस्तेमाल करता था, जिनमें अजय अग्रवाल, अजय संतोष सिंह और जयप्रकाश रमेशचंद गुप्ता शामिल हैं। कैसे हुआ यह कथित मैट्रिमोनियल स्कैम यह मामला तब सामने आया जब मार्च 2022 में एक 75 वर्षीय महिला नयानगर पुलिस के पास पहुंची। शिकायत के अनुसार, आरोपी ने महिला की 45 वर्षीय बेटी के लिए जीवनसाथी की तलाश वाले एक मैट्रिमोनियल विज्ञापन का जवाब दिया था। खुद को अजय अग्रवाल बताकर, उसने कथित तौर पर मार्च 2019 में उस महिला से शादी कर ली। पुलिस ने बताया कि परिवार का भरोसा जीतने के बाद, उसने शिकायतकर्ता को मीरा रोड स्थित अपना फ्लैट बेचने के लिए मना लिया। उसने कथित तौर पर कहीं और नई प्रॉपर्टी खरीदने और दो मंज़िला घर बनाने का वादा किया था। समय के साथ, परिवार ने कथित तौर पर उसे 82 लाख रुपये नकद दे दिए। जांचकर्ताओं ने बताया कि बाद में आरोपी पीड़िता को एक रिश्तेदार की शादी में शामिल होने के बहाने दिल्ली ले गया।

आग लगी नहीं थी, लगाई गई थी... दिल्ली के तुगलकाबाद अग्निकांड में बड़ा खुलासा, जिंदा जल गए थे 3 लोग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। तुगलकाबाद एक्सटेंशन में 12 जून की रात लगी भीषण आग को शुरुआत में एक हादसा माना गया था. आधी रात के बाद अचानक आग भड़की, कुछ ही मिनटों में पूरी इमारत आग की लपटों में घिर गई, लोग जान बचाने के लिए खिड़कियों और बालकनियों की तरफ भागे, कई लोग झुलस गए और तीन लोगों की मौत हो गई. लेकिन अब पुलिस जांच में जो कहानी सामने आई है, उसने इस पूरे मामले को हादसे से सीधे आपराधिक साजिश में बदल दिया है. दक्षिण दिल्ली पुलिस का दावा है कि यह आग किसी शॉर्ट सर्किट या दुर्घटना की वजह से नहीं लगी थी. इसे जानबूझकर लगाया गया था. एक पुरानी रंजिश, पैसों का विवाद और बदला लेने की भावना ने तीन लोगों की जान ले ली. घटना 12 जून की रात करीब 2 बजकर 24 मिनट की है. दक्षिण दिल्ली के गोविंदपुरी थाना क्षेत्र स्थित टीकेडी एक्सटेंशन की एक बहुमंजिला इमारत में अचानक आग लग गई. आग इतनी तेजी से फैली कि ग्राउंड फ्लोर से लेकर पांचवीं मंजिल तक पूरा भवन उसकी चपेट में आ गया. स्थानीय लोगों ने जब धुआं और आग की लपटें देखीं तो पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी. मौके पर पहुंची दमकल की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक कई लोग झुलस चुके थे. हादसे में आठ लोग घायल हुए थे, जिन्हें तत्काल एम्स ट्रॉमा सेंटर और सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया. इलाज के दौरान पंकज पांडे, सुशीला देवी और सोनिया कुमारी की मौत हो गई. इस घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया. पहले हादसा समझा गया, फिर CCTV ने बदल दी कहानी शुरुआत में पुलिस ने इसे आग लगने की सामान्य घटना मानते हुए लापरवाही से मौत और आगजनी से संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया था. लेकिन जांच के दौरान पुलिस को कुछ ऐसे CCTV फुटेज मिले, जिन्होंने पूरी कहानी बदल दी. फुटेज में एक महिला आग लगने से ठीक पहले बिल्डिंग की ओर जाती दिखाई दी. यह फुटेज पुलिस के लिए पहला बड़ा सुराग साबित हुआ. इसके बाद जांच टीम ने फुटेज, कॉल डिटेल्स और स्थानीय पूछताछ के आधार पर मामले की तह तक पहुंचना शुरू किया. जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, पुलिस को पता चला कि आग किसी तकनीकी खराबी की वजह से नहीं लगी थी, बल्कि इसे साजिश के तहत अंजाम दिया गया था.

नाबालिग लड़की ने खोला राज

जांच के दौरान पुलिस एक 17 साल की लड़की तक पहुंची. पूछताछ में लड़की ने कई अहम खुलासे किए. उसने बताया कि उसे आग लगाने के लिए उकसाया गया था. पुलिस के मुताबिक, लड़की ने बताया कि सरिता नाम की महिला ने उसे पेट्रोल और माचिस दी थी. प्लानिंग थी कि पांचवीं मंजिल पर रहने वाले दीपक की स्कूटी को आग लगाई जाए.रोपकूटी तक सीमित नहीं रही. देखते ही देखते उसने पूरी इमारत को अपनी चपेट में ले लिया. इस आग ने तीन लोगों की जान ले ली और कई परिवारों की जिंदगी बदल दी. पुलिस जांच में सामने आया कि इस पूरी साजिश का केंद्र दीपक नाम का युवक था. दीपक और निरंजन के बीच पैसों को लेकर पुराना विवाद चल रहा था. चौंकाने वाली बात यह है .

दिल्ली में यमुना को स्वच्छ बनाने का संकल्प, CM रेखा गुप्ता ने संभाली सफाई अभियान की कमान,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को गीता कॉलोनी स्थित दशमेश घाट पर आयोजित 'मां यमुना रिवरबैंक क्लीनलिनेस ड्राइव' में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने यमुना को स्वच्छ और प्रदूषणमुक्त बनाने के लिए जनभागीदारी का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यमुना में पूजा सामग्री और अन्य कचरा डालकर हम अपनी आस्था को ही नुकसान पहुंचा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार और नागरिकों के संयुक्त प्रयासों से ही यमुना को उसका पुराना स्वरूप लौटाया जा सकता है।

सुबह 6 बजे से चला सफाई अभियान

मुख्यमंत्री ने बताया कि विभिन्न सामाजिक संगठनों के स्वयंसेवकों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुबह 6 बजे से ही सफाई अभियान में हिस्सा लिया। इस दौरान यमुना तट और नदी से सैकड़ों टन कचरा हटाया गया। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य केवल सफाई करना नहीं, बल्कि लोगों को जागरूक करना भी है।

लगातार जारी रहेगा अभियान

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि यह कोई एक दिवसीय कार्यक्रम नहीं है, बल्कि एक सतत अभियान है। उन्होंने कहा कि समय-समय पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और नागरिकों को इससे जोड़ा जाएगा, ताकि यमुना को स्वच्छ, निर्मल और अविरल बनाया जा सके।

दिल्ली में टेंपल टूरिज्म सर्किट की तैयारी, अक्षरधाम से योगमाया मंदिर तक चलेंगी स्पेशल बसें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सरकार राजधानी में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक शानदार स्पिरिचुअल टूरिज्म सर्किट योजना पर काम कर रही है. इसके तहत विशेष पर्यटन बसें चलाई जाएंगी जो श्रद्धालुओं को अक्षरधाम से लेकर सदियों पुराने योगमाया मंदिर समेत दिल्ली के कई प्रमुख मंदिरों के दर्शन एक ही यात्रा में कराएंगी. प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिल्ली टूरिज्म एंड ट्रांसपोर्ट डेवलपमेंट कॉरपोरेशन इस पहल के तहत दो खास बसें शुरू करने की योजना बना रहा है. ये प्रोजेक्ट अभी टेंडरिंग के चरण में है और सीटें सरकार के 'देखो मेरी दिल्ली' प्लेटफॉर्म के जरिए बुक की जा सकेंगी, जहां लॉन्च के बाद इस नए सर्किट को जोड़ने की उम्मीद है. अधिकारियों के अनुसार, इस प्रस्तावित रूट के तहत प्रमुख धार्मिक स्थलों जैसे अक्षरधाम, बिड़ला मंदिर, लॉर्ड वेंकटेश्वर (बालाजी) मंदिर, सीआर पार्क की काली बाड़ी और योगमाया मंदिर को आपस में जोड़ा जाएगा, ताकि लोग एक ही टूर में कई पवित्र स्थानों के दर्शन सुगमता से कर सकें. जैसे-जैसे सर्किट का विस्तार होगा, इसमें और मंदिर जोड़े जा सकते हैं. अधिकारियों का कहना है कि इस पहल की शुरुआत में दो बसों से सेवा शुरू की जाएगी. यात्रियों की प्रतिक्रिया देखने के बाद सेवा का विस्तार किया जाएगा. रूट और ऊंचाई संबंधी पाबंदियों को ध्यान में रखते हुए छोटी बसों का इस्तेमाल संभावित है. दिल्ली सरकार की इस योजना का मुख्य उद्देश्य दिल्ली के पर्यटन आकर्षण को केवल मुगलकालीन स्मारकों और ऐतिहासिक स्थलों की स्थापित सीमाओं से आगे ले जाना है. अधिकारियों के मुताबिक, दिल्ली को अक्सर सिर्फ पुराने किलों के लिए जाना जाता है, जबकि यहां कई महत्वपूर्ण और भव्य पूजा स्थल भी है.

दिल्ली में बिजली बिल पर बढ़ेगा बोझ या मिलेगी राहत? PPAC बढ़ोतरी पर सरकार का आया जवाब

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। बिजली के बिलों में पावर परचेज एडजस्टमेंट कॉस्ट की बढ़ोतरी के फैसले पर सरकार ने दावा किया है कि बिजली सब्सिडी वाले उपभोक्ताओं पर इसका असर नहीं पड़ेगा। दिल्ली के ऊर्जा मंत्री आशीष ने कहा कि वैश्विक स्तर पर ईंधन की बढ़ती कीमतों के बावजूद दिल्ली सरकार ने राजधानी के बिजली उपभोक्ताओं को राहत दी है। बिजली सब्सिडी का लाभ लेने वाले उपभोक्ताओं पर PPAC में हुई बढ़ोतरी का कोई अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा। आशीष सूद ने साफ किया कि PPAC कोई नई व्यवस्था नहीं है, बल्कि बिजली कानूनों के तहत पहले से लागू एक नियामक प्रावधान है। इसके जरिए विजली वितरण कंपनियां ईंधन और बिजली खरीद की बढ़ी हुई लागत का एडजस्टमेंट करती है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संकट और अन्य अंतरराष्ट्रीय कारणों से पिछले एक महीने में बिजली खरीद की लागत में करीब 31 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

उपभोक्ताओं पर इसका असर सिमित

ऊर्जा मंत्री के अनुसार, इतनी बड़ी लागत वृद्धि के बावजूद दिल्ली सरकार के प्रयासों से उपभोक्ताओं पर इसका असर सीमित रखा गया है। दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग ने औसतन केवल 2.4 प्रतिशत PPAC बढ़ोतरी को मंजूरी दी है। उन्होंने बताया कि पहले PPAC की सीमा 31 मार्च तक 14.5 प्रतिशत थी, जिसे बढ़ाकर अब लगभग 17.5 से 17.9 प्रतिशत किया गया है। उन्होंने कहा कि DERC के आदेश में बिजली वितरण कंपनियों को लागत की वसूली चरणबद्ध तरीके से करने का प्रावधान किया गया है, ताकि उपभोक्ताओं पर तत्काल प्रभाव न्यूनतम रहे।

कन्नूर एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी निकली अफवाह

कन्नूर(एजेंसी)। केरल के कन्नू इंटरनेशनल एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां और पुलिस अलर्ट मोड पर आ गईं। हालांकि, हवाई अड्डे और संबंधित विमानों की व्यापक जांच के बाद यह धमकी पूरी तरह झूठी साबित हुई। मामले में मट्टनूर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार शनिवार दोपहर एयरपोर्ट प्रशासन और दो विमानन कंपनियों की कई आधिकारिक ईमेल आईडी पर एक धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ। ईमेल में दावा किया गया था कि हवाई अड्डे पर विस्फोटक लगाए गए हैं और जल्द ही बम विस्फोट किया जाएगा। धमकी मिलने के बाद एयरपोर्ट सुरक्षा एजेंसियों, बम निरोधक दस्ते और पुलिस ने तत्काल सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू किया। पूरे हवाई अड्डे परिसर, टर्मिनल भवनों और संबंधित विमानों की गहन तलाशी ली गई। कई घंटों तक चली जांच के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली, जिसके बाद अधिकारियों ने धमकी को फर्जी घोषित कर दिया। एयरपोर्ट के सहायक प्रबंधक की शिकायत पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और केरला पुलिस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि धमकी भरा ईमेल एक जीमेल अकाउंट से भेजा गया था। ईमेल भेजने वाले अज्ञात व्यक्ति की पहचान करने के लिए साइबर जांच शुरू कर दी गई है।

कक्षा 6 से 9 तक संस्कृत अनिवार्य, तीसरी भाषा का विकल्प

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई शिक्षा व्यवस्था के तहत कक्षा 6 से 9 तक संस्कृत को अनिवार्य विषय के रूप में शामिल किए जाने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही विद्यार्थियों को संस्कृत को तीसरी भाषा के रूप में चुनने का विकल्प भी दिया जाएगा। शिक्षा विभाग का कहना है, इस निर्णय का उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृति और भाषाई विरासत से छात्रों को जोड़ना है। संस्कृत के अध्ययन से भाषा कौशल, व्याकरण की समझ और प्राचीन साहित्य के प्रति रुचि विकसित होगी। इस निर्णय का विभिन्न शिक्षाविदों ने स्वागत किया है. जबकि कुछ विशेषज्ञों ने विद्यालयों में पर्याप्त संस्कृत शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने पर जोर दिया है। देश के विद्यालयों में संस्कृत के शिक्षकों की भारी कमी है.ऐसी स्थिति में संस्कृत की पढ़ाई कैसे हो सकेगी

वीआईपी दर्शन व्यवस्था पर बवाल केदारनाथ में श्रद्धालुओं की संख्या 50 फ़ीसदी से ज्यादा घटी

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के प्रसिद्ध केदारनाथ मंदिर में इस वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, पिछले वर्षों की तुलना में यात्रियों की संख्या 50 प्रतिशत से अधिक कम रही है। पर्यटन और तीर्थाटन से जुड़े कारोबारियों का कहना है, कम संख्या का असर स्थानीय अर्थ व्यवस्था पर पड़ रहा है। मंदिर में वीआईपी दर्शन व्यवस्था को लेकर भी विवाद समय-समय पर देखने को मिला है। कई श्रद्धालुओं और सामाजिक संगठनों ने आरोप लगाया है, सामान्य दर्शनार्थियों को लंबी प्रतीक्षा करनी पड़ती है. जबकि वीआईपी आगंतुकों को विशेष सुविधा दी जाती है। इस व्यवस्था को लेकर सोशल मीडिया पर भी बहस तेज हो गई है। मंदिर प्रशासन और राज्य सरकार का कहना है, श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखकर व्यवस्थाएं संचालित की जा रही हैं. तीर्थयात्रियों की घटती संख्या और वीआईपी दर्शन को लेकर उठ रहे सवालों ने केदारनाथ यात्रा प्रबंधन पर नई चर्चा शुरू कर दी है।

अमरनाथ यात्रा के लिए बस किराया 18 फीसदी बढ़ा , प्रदेश परिवहन निगम चलाएगा 200 बसें

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर में 3 जुलाई से शुरू हो रही श्री अमरनाथ यात्रा के लिए भक्तों को इस बार जेकेआरटीसी की बस सेवा के लिए 18 प्रतिशत अधिक किराया चुकाना होगा। केंद्र शासित प्रदेश परिवहन निगम (जेकेआरटीसी) ने श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु लगभग 200 बसें चलाने की घोषणा की है। ये बसें जम्मू, भगवती नगर, पहलगाम और बालटाल जैसे प्रमुख रूटों पर संचालित होंगी, जिनका मुख्य लक्ष्य शिवभक्तों को सुरक्षित और सुगम यात्रा अनुभव प्रदान करना है। जेकेआरटीसी अधिकारियों के अनुसार, यात्रियों की सुविधा के लिए आधुनिक बसों की व्यवस्था की जा रही है, जिनमें बेहतर बैठने की सुविधा और पुख्ता सुरक्षा इंतजाम शामिल हैं। हालांकि कारपोरेशन के एक अ?धिकारी ने इस बार बस किराए में हुई 18 फीसदी बढ़ोतरी की पुष्टि की है, जिससे यह धार्मिक यात्रा श्रद्धालुओं के लिए थोड़ी महंगी साबित होगी। प्रशासन द्वारा भी यात्रा मार्गों पर सुरक्षा और अन्य आवश्यक यात्री सुविधाओं को लेकर विशेष तैयारियां की जा रही हैं।

एलपीजी धमाकों से दहला रेस्टोरेंट, डीएफएस ने बुजुर्ग महिला की जान बचाई

- दमकल की तत्परता से टला बड़ा हादसा, तीन व्यावसायिक सिलेंडर फटे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण दिल्ली के कालकाजी इलाके में रविवार सुबह पंजाबी तड़का रेस्टोरेंट में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग इतनी भयानक थी कि तीन बड़े व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर धमाके के साथ फट गए, जिससे आग ने विकराल रूप ले लिया। हालांकि, दिल्ली फायर सर्विस (डीएफएस) की तत्परता से न केवल आग पर काबू पाया गया, बल्कि एक बहुमंजिला इमारत की दूसरी मंजिल पर फंसी एक बुजुर्ग महिला को भी मौत के मुंह से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। डीएफएस के अनुसार र?विवार सुबह करीब 4-45 बजे कालकाजी-गोविंद पुरी फ्लाईओवर के पास स्थित पंजाबी तड़का रेस्टोरेंट में आग की सूचना मिली। आग की भयावहता को देखते हुए दमकल विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छह इकाइयों को भेजा, जिसे बाद में बढ़ाकर कुल नौ कर दिया गया। असिस्टेंट डिविजनल ऑफिसर यशवंत और सरबजीत के नेतृत्व में दमकल कर्मियों ने करीब 5-40 बजे तक आग पर पूरी तरह काबू पा लिया और सुबह 5-45 बजे स्टॉप मैसेज जारी किया। बेसमेंट से लेकर तीसरी मंजिल तक फैली इस आग ने इमारत को खासा नुकसान पहुंचाया। ऑपरेशन के दौरान तीन व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर फटने से आग और विकराल हो गई थी, जिससे चुनौतियां बढ़ गईं। आग पर काबू पाने के बाद दोबारा भड़कने से रोकने के लिए घंटों कूलिंग ऑपरेशन चलाया गया। फिलहाल, आग लगने के सटीक कारणों का पता नहीं चल पाया है और पुलिस व दमकल विभाग शॉर्ट सर्किट या गैस लीकेज के एंगल से मामले की जांच कर रहे हैं।

हम हिटलर जैसे नहीं, बातचीत के रास्ते खुले रहने चाहिए

-दत्तात्रेय होसबाले के पाकिस्तान से संवाद बयान पर बोले मोहन भागवत

नई दिल्ली(एजेंसी)। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने पाकिस्तान के साथ संवाद बनाए रखने को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले के बयान का बचाव किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि होसबाले की टिप्पणी पाकिस्तान सरकार नहीं, बल्कि वहां के लोगों के संदर्भ में थी। साथ ही उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के संबंध में संघ केंद्र सरकार की विदेश नीति का ही अनुसरण करता है।

आरएसएस के शताब्दी वर्ष समारोह के तहत आयोजित एक संवाद कार्यक्रम में भागवत ने कहा कि पाकिस्तान में आज भी ऐसे अनेक लोग हैं जो मानते हैं कि भारत का विभाजन एक ऐतिहासिक भूल थी। उन्होंने दावा किया कि वहां कुछ पत्रकार और बुद्धिजीवी भी हैं जो आरएसएस के कार्यों की सराहना करते हैं तथा दो-राष्ट्र सिद्धांत का विरोध करते हैं। भागवत ने कहा कि पाकिस्तान में ऐसे लोगों की संख्या कम नहीं है जो मानते हैं कि दोनों देशों का साथ रहना अधिक बेहतर होता। ऐसे लोगों के साथ संवाद और संपर्क के रास्ते पूरी तरह बंद नहीं किए जाने चाहिए।

युद्ध के बाद भी समाधान के लिए संवाद जरूरी

संघ प्रमुख ने कहा कि यदि भविष्य में किसी युद्ध की स्थिति में भारत पाकिस्तान पर निर्णायक बढ़त हासिल करता है, तब भी वहां के लोगों के भविष्य को लेकर कोई न कोई समाधान तलाशना होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे में या तो उन्हें भारत के साथ जोड़ना होगा अथवा उन्हें शांतिपूर्ण जीवन जीने योग्य परिस्थितियां उपलब्ध करानी होंगी। इसी संदर्भ में उन्होंने कहा, 'हम हिटलर जैसे नहीं हैं। यह हमारा स्वभाव नहीं है। इसलिए बातचीत और समाधान का कोई रास्ता खुला रहना चाहिए। अन्याय और अत्याचार का अंत होना चाहिए, लेकिन जो सकारात्मक है, उसे भी संरक्षित रखना आवश्यक है।'

होसबाले के बयान पर हुआ था विवाद

दरअसल, हाल ही में दत्तात्रेय होसबाले ने एक साक्षात्कार में कहा था कि भारत को पाकिस्तान के साथ बातचीत के सभी विकल्प पूरी तरह बंद नहीं करने चाहिए। उनके इस बयान को लेकर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर बहस छिड़ गई थी। अब मोहन भागवत ने इस विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि होसबाले के बयान को गलत संदर्भ में देखा गया। उनके अनुसार, टिप्पणी का आशय पाकिस्तान की जनता और वहां मौजूद सकारात्मक सोच रखने वाले लोगों से था, न कि पाकिस्तान की राज्य व्यवस्था या सरकार से।

आरएसएस की अलग विदेश नीति नहीं

भागवत ने यह भी स्पष्ट किया कि आरएसएस की किसी भी देश के संबंध में स्वतंत्र विदेश नीति नहीं है। उन्होंने कहा कि विदेश नीति तय करना सरकार का अधिकार और दायित्व है तथा संघ पड़ोसी देशों के मामलों में केंद्र सरकार के दृष्टिकोण का सम्मान करता है और उसी का पालन करता है।

अभिषेक मेरे बेटे जैसा, पिता का काम होता है गलतियों को माफ करना : कल्याण बनर्जी

कोलकाता (एजेंसी)। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा है कि अभिषेक बनर्जी मेरे बेटे जैसा है और बेटे की सभी गलतियों को माफ करना पिता का काम होता है। इससे पहले उन्होंने 11 जून को कहा था कि ममता बनर्जी को मुझे या अभिषेक में से किसी एक को चुनना होगा। बता दें गुरुवार को अभिषेक ने फर्जी साइन मामले में अपना वकील बदल लिया था। पहले कल्याण इस मामले में अभिषेक के वकील थे। इसके बाद कल्याण ने कहा था कि अभिषेक को सीनियर नेताओं का सम्मान करना नहीं आता। वे बहुत अहंकारी हैं। इसी वजह से पार्टी बर्बाद हुई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शुक्रवार को अभिषेक बनर्जी ने कहा कि कल्याण बनर्जी मुझसे बड़े हैं। उन्हें अपने विचार व्यक्त करने का पूरा अधिकार है। उन्होंने मुझे बचपन से देखा है, इसलिए मैं उनके खिलाफ कुछ नहीं बोलूंगा। कल्याण ने टीएमसी में हो रही टूट पर कहा कि बागियों बीजेपी की शरण में ही जाना होगा। उन्होंने कहा कि यह सब एक चाल है। ये लोग अपने क्षेत्रों के विकास का बहाना बनाते हैं, लेकिन जो लोग अपने क्षेत्र में जा तक नहीं सकते, वे क्या काम करेंगे। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र खत्म हो चुका है। सीएम शुभेंदु अधिकारी से बातचीत के बाद भी पिछले एक महीने में क्या विकास हुआ है? बीजेपी और पुलिस हमें परेशान कर रही है। पश्चिम बंगाल में किसी भी विपक्ष ने कभी ऐसी स्थिति का सामना नहीं किया है, जैसी हम कर रहे हैं। कल्याण बनर्जी ने टीएमसी और कांग्रेस के आपस में विलय की खबरों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने साफ कहा कि हम कांग्रेस के साथ कोई विलय नहीं कर रहे हैं।

एआईएडीएमके को झटका, अभिनेत्री गौतमी तडिमल्ला ने पार्टी से दिया इस्तीफा

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की प्रमुख विपक्षी पार्टी ऑल इंडिया अन्ना द्रविण मुनेत्र कजगम को एक और राजनीतिक झटका लगा है। पार्टी की डिप्टी प्रोपेगैंडा सेक्रेटरी और अभिनेत्री गौतमी तडिमल्ला ने रविवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

गौतमी ने एआईएडीएमके महासचिव एडप्पडी के पलानिस्वामी को भेजे अपने इस्तीफा पत्र में कहा कि वह 14 जून से पार्टी के सभी दायित्वों से मुक्त हो रही हैं। उन्होंने मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों का हवाला देते हुए कहा कि वह समाज सेवा के क्षेत्र में अधिक प्रभावी ढंग से योगदान देना चाहती हैं और इसी उद्देश्य से यह निर्णय लिया है।

2024 में एआईएडीएमके में हुई थीं शामिल

गौरतलब है कि गौतमी तडिमल्ला ने अक्टूबर 2023 में भाजपा से इस्तीफा देने के बाद 14 फरवरी 2024 को एआईएडीएमके का दामन थामा था। पार्टी में शामिल होने के बाद उन्होंने 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में राजापालयम सीट से चुनाव लड़ने की इच्छा जताई थी और टिकट की मांग भी की थी। हालांकि पार्टी नेतृत्व ने उन्हें उम्मीदवार नहीं बनाया।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि टिकट नहीं मिलने से उनकी नाराजगी बढ़ी और यह भी उनके इस्तीफे के पीछे एक प्रमुख कारण हो सकता है।

एआईएडीएमके के लिए बढ़ती चुनौती

गौतमी का इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब एआईएडीएमके के कई नेता और पदाधिकारी अन्य राजनीतिक दलों, विशेषकर सत्तारूढ़ दलों की ओर रुख कर रहे हैं। ऐसे में एक लोकप्रिय अभिनेत्री और प्रमुख महिला नेता का पार्टी छोड़ना संगठन के लिए राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बिजली विभाग की लापरवाही से लोगों की जान जोखिम में!

बार-बार शॉर्ट सर्किट और आगजनी से दहशत

शिकायतों के बावजूद नहीं हुई सुनवाई, राजस्थान संपर्क पोर्टल से लेकर विभागीय दफ्तर तक दौड़े लोग; अब जिला कलेक्टर से कार्रवाई की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

टोंक, (पीयूष गौत्तम)। शहर के छावनी अस्तला रोड स्थित महावीर नगर क्षेत्र में बिजली विभाग की कथित लापरवाही से स्थानीय लोगों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि लगातार कम और ज्यादा वोल्टेज की समस्या के कारण आए दिन भयंकर शॉर्ट सर्किट हो रहे हैं, जिससे कई बार आग लगने जैसी घटनाएं भी हो चुकी हैं। इसके बावजूद बिजली विभाग समस्या के स्थायी समाधान की ओर कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा। महावीर नगर निवासी जितेंद्र महावर ने बताया कि उनके घर के आसपास लंबे समय से बिजली वोल्टेज में भारी उतार-चढ़ाव बना हुआ है। इसके चलते घरेलू उपकरण खराब होने के साथ-साथ कई बार गंभीर शॉर्ट सर्किट और आग लगने की घटनाएं भी हो चुकी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि क्षेत्र के लोगों ने कई बार बिजली विभाग में शिकायत दर्ज करवाई, लेकिन हर बार केवल आश्वासन देकर मामले को टाल दिया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि वे विभागीय कार्यालयों के चक्कर लगा चुके हैं। कई बार अधिकारियों से मिलने तक नहीं दिया गया और जब मुलाकात हुई तो समस्या के समाधान के बजाय केवल खानापूर्ति की गई। राजस्थान संपर्क पोर्टल और बिजली विभाग के ऑनलाइन शिकायत पोर्टल पर भी शिकायतें दर्ज करवाई गई, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि एक तरफ बार-बार बिजली कटौती की जा रही है, वहीं दूसरी ओर उपभोक्ताओं से नियमित रूप से भारी-भरकम बिजली बिल वसूले जा रहे हैं। लोगों का कहना है कि समय पर बिल जमा कराने के बावजूद उन्हें गुणवत्तापूर्ण बिजली सेवा नहीं मिल रही, जिससे विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

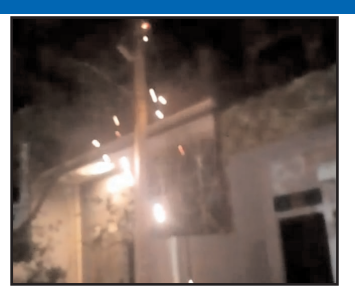

जिला कलेक्टर टीना डाबी से लोगों की गुजारिश...

स्थानीय नागरिकों ने जिला कलेक्टर टीना डाबी से मामले का संज्ञान लेकर क्षेत्र में बिजली व्यवस्था की जांच करवाने तथा जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं हुआ तो कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

महानगर मेट्रो के प्रमुख सवाल

बार-बार हो रहे शॉर्ट सर्किट का जिम्मेदार कौन? शिकायतों के बावजूद कार्रवाई क्यों नहीं? बिजली बिल पूरा, लेकिन सेवा अधूरी क्यों? क्या किसी बड़े हादसे के बाद ही जागेगा विभाग? 'जब हर महीने पूरा बिल वसूला जा रहा है, तो सुरक्षित और स्थिर बिजली आपूर्ति देने की जिम्मेदारी कौन निभाएगा? '

उद्धव ठाकरे की बुलाई बैठक को लेकर चर्चाएं तेज, क्या ऑपरेशन टाइगर का है डर!

-राउत बोले- चर्चाएं गलत, बैठक में मानसून सत्र में उठाए जाने वाले मुद्दों पर होगी चर्चा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज है। ऑपरेशन टाइगर की चर्चाओं के बीच शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने आनन-फानन में रविवार को पार्टी के सभी सांसदों की इमरजेंसी बैठक बुलाई। यह बैठक मातोश्री में होगी। पार्टी का कहना है कि यह सामान्य समीक्षा बैठक है, लेकिन सियासी गलियारों में इसे लेकर कई तरह की चर्चाएं हैं।

सूत्रों के मुताबिक राजनीतिक गलियारों में पिछले कुछ समय से ऑपरेशन टाइगर का जिक्र हो रहा है। माना जा रहा है कि शिवसेना के कुछ नेताओं और सांसदों के शिंदे गुट के नेताओं के संपर्क में होने की खबरों ने इस चर्चा को हवा दी है। हालांकि जिन सांसदों के नाम सामने आए हैं, उन्होंने पार्टी छोड़ने या पाला बदलने की बात से साफ इनकार किया है। मातोश्री में होने वाली यह बैठक ऐसे समय में हो रही है, जब विपक्षी दलों के भीतर अंदरूनी खींचतान की खबरें सामने आ रही हैं। हाल के दिनों में पश्चिम बंगाल की टीएमसी में कुछ सांसदों की नाराजगी की चर्चा रही। इससे पहले आम आदमी पार्टी में भी सांसदों के पाला बदलने की खबरों ने विपक्षी खेमे की चिंता बढ़ाई थी। ऐसे में उद्धव ठाकरे की यह बैठक संगठन की एकजुटता के लिहाज से अहम मानी जा रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक यूबीटी के राज्यसभा सांसद और पार्टी प्रवक्ता संजय राउत ने बैठक की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे समय-समय पर सांसदों, विधायकों, पार्षदों और दूसरे पदाधिकारियों के साथ बैठक करते रहते हैं। संसद का मानसून सत्र आने वाला है, इसलिए महाराष्ट्र से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। वहीं, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले गुट ने ऑपरेशन टाइगर जैसी किसी भी चर्चा को गलत बताते हुए पूरी तरह खारिज कर दिया है।

शिवसेना प्रवक्ता राजू वाघमारे ने कहा कि ऐसा कोई अभियान नहीं चल रहा है और न ही उनकी पार्टी को किसी को तोड़ने में दिलचस्पी है। उन्होंने कहा कि अभी चुनाव नहीं हैं और सरकार के पास पूरा बहुमत है। लोकसभा में इस समय यूबीटी के 9 सांसद हैं, जबकि शिंदे गुट के पास 7 सांसद हैं। ऐसे में मातोश्री में होने वाली यह बैठक महाराष्ट्र की सियासत में नई चर्चाओं को जरूर हवा दे रही है।

मिजोरम बन रहा नशे का गढ़, म्यांमार से हो रही सिंथेटिक ड्रग्स 'आइस' की होम डिलीवरी

-पिछले साल 118 तो इस साल 21 लोगों की जा चुकी है जान, हजारों किलो ड्रग्स जब्त

आइजोल (एजेंसी)। मिजोरम की राजधानी आइजोल में रात के अंधेरे और सन्नाटे में युवक हाथों में टॉर्च और डंडे लिए घूम रहे हैं। ये पुलिस नहीं, बल्कि 'यंग मिजो एसोसिएशन' (वाईएमए) के वॉलेंटियर्स हैं, जो सूबे की रगों में घोले जा रहे म्यांमार के सिंथेटिक ड्रग्स 'आइस' से अगली पीढ़ी को बचाने पहरा दे रहे हैं। मिजोरम इस समय नशा संकट से जूझ रहा है। म्यांमार की 500 किमी लंबी खुली सीमा से आने वाले खतरनाक सिंथेटिक ड्रग्स ने राज्य के सामाजिक ताने-बाने को बिखेर दिया है। पिछले साल इस ड्रग्स ने 118 तो इस साल अब तक 21 लोगों की जानें ली हैं। म्यांमार सीमा से सटा चंफाई जिला इसका मुख्य कॉरिडोर है। बीते तीन साल में यहां से करीब चार हजार किलो ड्रग्स जब्त हुई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चौंकाने वाली बात यह है कि पूरा कारोबार डिजिटली हो रहा है। ड्रग्स सप्लायर वॉट्सएप, टेलीग्राम, फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर सीक्रेट ग्रुप्स बनाकर नेटवर्क चला रहे हैं। सिर्फ चैट ग्रुप का स्क्रीन शॉट दिखाकर आसानी से ड्रग्स मिल जाती है। जब वाईएमए के मेंबर से कुछ स्क्रीन शॉट मांगे तो उन्होंने सुरक्षा की दृष्टि से इन्हें देने से मना कर दिया। मिजोरम एक्साइज एंड नारकोटिक्स विभाग के संयुक्त आयुक्त ने बताया कि स्थानीय नेटवर्क में 'आइस' और 'कैंडी' जैसे कोड वर्ड्स से ड्रग्स बेची जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले महीनों में ड्रग्स की होम डिलीवरी भी हो रही है। आइजोल स्थित सामाजिक कार्यकर्ता ने बताया कि वह इस साल 10 अप्रैल से 28 मई के बीच केवल आइजोल में 239 मरीज मिले हैं। इतने कम समय में इतने मरीज मिलना स्थिति की भयावहता को दिखाता है। इनमें से ज्यादातर लोग पहले शराब और गांजा पीते थे, लेकिन अब ड्रग्स ले रहे हैं। वाईएमए की सेंट्रल कमेटी के महासचिव ने बताया कि सीमा के पार म्यांमार का रिहखावदार इलाका है, जहां दोनों ओर के लोगों के पारिवारिक संबंध हैं। इसी आवाजाही की आड़ में रात के अंधेरे में छोटे पेडलर्स घने जंगलों और पहाड़ी पगडंडियों से ड्रग्स की खेप भारत लाते हैं। यहां से ड्रग्स देश के अन्य हिस्सों के साथ-साथ बांग्लादेश और अरब देशों तक भेजी जा रही है।

परमाणु युद्ध का भयावह परिणाम: ओजोन परत नष्ट, 1 अरब लोग भूखे मर सकते

नई दिल्ली(एजेंसी)। बीते साल भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य तनाव ने पूरी दुनिया को परमाणु युद्ध की आशंका से भयभीत किया था। अब एक नई स्टडी ने चेतावनी दी है कि दोनों परमाणु शक्तियों के बीच एक अपेक्षाकृत छोटा संघर्ष भी वैश्विक तबाही ला सकता है, इससे ओजोन परत को भारी नुकसान होगा और एक अरब से अधिक लोगों को भुखमरी के कारण अपनी जान गंवा सकते है।

एक शोधकर्ता के अनुसार, छोटे पैमाने का परमाणु युद्ध भी दुनिया भर में दूरगामी प्रभाव डालेगा। परमाणु विस्फोटों से उत्पन्न तीव्र गर्मी और रेडिएशन लाखों लोगों को तत्काल मार देगा, लेकिन इससे भी बड़ा खतरा न्यूक्लियर विंटर का है। धमाकों और आग से भारी मात्रा में धुआँ वायुमंडल में फैल जाएगा, जिससे सूरज की रोशनी पृथ्वी तक पहुँचने से रुक जाएगी और वैश्विक तापमान में तेज़ी से गिरावट आएगी। शोधकर्ता ने वियना में यूरोपियन जियोसाइंसेज यूनियन की बैठक में अपनी स्टडी के नतीजे पेश किए थे। साल 2007 की एक पूर्व स्टडी ने अनुमान लगाया था कि इस न्यूक्लियर विंटर के कारण भुखमरी से 1 अरब से अधिक लोगों की मौत हो सकती है। इसके अलावा, परमाणु विस्फोट ओजोन परत को भी गंभीर नुकसान पहुँचाएँगे। यह नुकसान अमेरिका और रूस के बीच बड़े परमाणु युद्ध के बराबर होगा। इससे हानिकारक अल्ट्रावायलेट (यूवी) किरणें सीधे पृथ्वी तक पहुँचेंगी, जो पौधों और जानवरों दोनों के लिए घातक होंगी। इसका मतलब है कि तापमान सामान्य होने के बाद भी कृषि पैदावार बुरी तरह प्रभावित होगी। शोधकर्ता और उनकी टीम ने पिछली स्टडीज के अनुमानों के आधार पर भारत-पाकिस्तान परमाणु युद्ध का एक विस्तृत मॉडल तैयार किया है। इस मॉडल से पता चलता है कि उष्णकटिबंधीय (ट्रॉपिकल) इलाकों में हवा के घूमने के विशेष पैटर्न के कारण, भारत-पाकिस्तान परमाणु युद्ध का कचरा वायुमंडल में ज़्यादा ऊँचाई तक जा सकता है और लंबे समय तक टिका रह सकता है। यह कचरा दुनिया के दूसरे हिस्सों में भी फैलकर वैश्विक स्तर पर गंभीर परिणाम पैदा करेगा, जो मानवता के लिए एक गंभीर चेतावनी है।

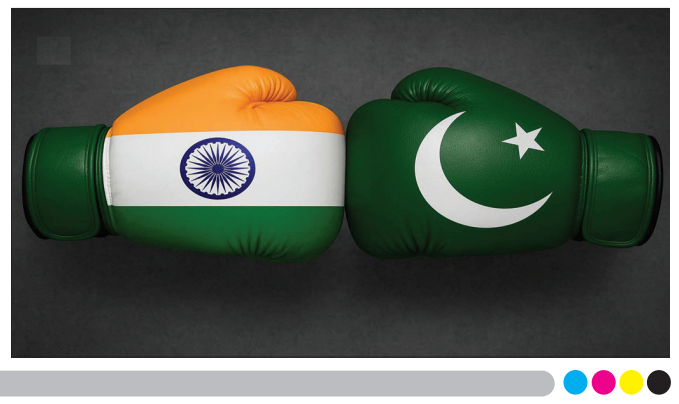

सरकार ने प्याज खरीद मूल्य बढ़ाकर 16.50 रुपए किलो किया

नई दिल्ली ।

सरकार ने प्याज किसानों को राहत देते हुए बफर स्टॉक कार्यक्रम के तहत प्याज की खरीद दर में बढ़ोतरी की घोषणा की है। अब यह 16.50 रुपए प्रति किलोग्राम (1650 रुपए प्रति क्विंटल) की दर से खरीदी जाएगी, जो पहले 15.80 रुपए प्रति किलोग्राम थी। यह संशोधित मूल्य शनिवार से प्रभावी हो गया है, जो किसानों की आय सुनिश्चित करने और बाजार में कीमतों को स्थिर रखने में सहायक होगा। यह कदम मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) के तहत बफर स्टॉक कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसके माध्यम से सरकार बाजार में संतुलन बनाए रखती है। केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बताया कि मौजूदा मंडी कीमतों और भंडारण योग्य प्याज की गुणवत्ता के मद्देनजर यह फैसला हुआ। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि खरीद प्रक्रिया को बाजार की स्थितियों के हिसाब से बेहतर बनाने के लिए कीमत निर्धारण के तरीके में भी सुधार किया गया है। हालांकि, देश के सबसे बड़े प्याज उत्पादक महाराष्ट्र के किसान खेती की बढ़ती लागत का हवाला देते हुए 30 रुपए प्रति किलो की न्यूनतम खरीद कीमत की मांग कर रहे थे। इस साल सरकार का लक्ष्य दो लाख टन प्याज खरीद का है, जो पिछले वर्ष से कम है। केंद्र पहले भी दरें 12.70 रुपए से बढ़ाकर 15.80 रुपए प्रति किलो कर चुका है। मौजूदा सत्र की प्याज खरीद 15 मई को शुरू हुई थी।

एआई निवेश में नरमी के संकेत, वैश्विक बाजारों में इंफ्रास्ट्रक्चर से घटा रुझान

- ग्लोबल इमर्जिंग मार्केट फंड्स से 10 अरब डॉलर की निकासी

मुंबई ।

दुनियाभर के बाजारों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) निवेश थीम की चमक अब थोड़ी फीकी पड़ती दिख रही है, खासकर एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और सप्लाई-चेन से जुड़ी कंपनियों में। ब्रोकरेज फर्म इलारा कैपिटल की एक हालिया रिपोर्ट के मुताबिक एआई आधारित निवेश के बड़े उछाल के बाद पहली बार निवेशक इन क्षेत्रों से अपनी हिस्सेदारी कम कर रहे हैं। इसका सीधा असर ग्लोबल इमर्जिंग मार्केट (जेएम) फंड्स पर पड़ा है, जिनसे बीते छह हफ्तों में रिकॉर्ड 10 अरब डॉलर की निकासी दर्ज की गई। इस वैश्विक बदलाव की आंच भारत पर भी पड़ रही है, जहां से विदेशी निवेशक लगातार पूंजी निकाल रहे हैं। एक रिपोर्ट बताती है कि एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और कमोडिटी इकोसिस्टम में बड़े पैमाने पर हो रहे निवेश को लेकर निवेशकों का उत्साह धीमा पड़ा है। पिछले एक साल से अधिक समय में यह पहली बार है जब इस थीम की रफ्तार कमजोर पड़ी है। इस रुझान के चलते, उन ग्लोबल इमर्जिंग मार्केट फंड्स से 10 अरब डॉलर की निकासी हुई है, जो ताइवान और दक्षिण कोरिया जैसे बाजारों के जरिए एआई थीम में निवेश के लिए पसंदीदा बन गए थे। कमोडिटी इक्विटी और कीमती धातुओं वाले फंड्स से भी बड़ी मात्रा में पैसा बाहर निकला है। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी रेखांकित किया गया है कि एआई तकनीक से सीधे लाभ कमाने वाली प्रमुख कंपनियों में निवेशकों का भरोसा अब भी मजबूत बना हुआ है। हालिया बाजार सुधार के दौरान अमेरिकी टेक-फोकस्ड फंड्स में रिकॉर्ड 9 अरब डॉलर का निवेश आया, जबकि अमेरिकी शेयर बाजार में विदेशी निवेश लगातार 11वें सप्ताह भी सकारात्मक रहा और 10 अरब डॉलर के उच्च स्तर पर पहुंचा। यह दर्शाता है कि निवेशक अब अधिक चुनिंदा हो गए हैं और सीधे एआई से लाभान्वित होने वाली कोर कंपनियों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। भारत के लिए यह ग्लोबल एआई निवेश थीम से जुड़ा बदलाव चुनौती भरा साबित हो रहा है। भारत और चीन उन प्रमुख बाजारों में शामिल हैं जहां से निवेशक पैसा निकालकर एआई से जुड़े वैश्विक अवसरों की ओर मोड़ रहे हैं। हालिया सप्ताह में भारत-केंद्रित फंड्स से लगभग 77 करोड़ डॉलर (770 मिलियन डॉलर) की निकासी हुई, जिसमें से 46 करोड़ डॉलर केवल फोकस्ड फंड्स से निकले। जेम फंड्स की तुलना में भारत का प्रदर्शन पिछले एक और तीन साल दोनों अवधियों में रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया है, जिसकी मुख्य वजह वैश्विक पूंजी का AI अवसरों की ओर शिफ्ट होना है।

भारतीय शेयर बाजार से एफपीआई का पलायन जारी, 2026 में 2.87 लाख करोड़ निकाले

- भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक आर्थिक चिंताएं और रुपये की कमजोरी बनी मुख्य वजह

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जून के पहले पखवाड़े में भारतीय शेयर बाजार से 62,853 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की है। वर्ष 2026 में अब तक भारतीय इक्विटी बाजार से एफपीआई ने लगभग 2.87 लाख करोड़ रुपये निकाल लिए हैं, जो पूरे वर्ष 2025 की कुल निकासी से कहीं अधिक है। भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक आर्थिक वृद्धि की चिंताएं और रुपये की लगातार कमजोरी इस पलायन की मुख्य वजह है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार 2026 में फरवरी को छोड़कर हर महीने एफपीआई शुद्ध विक्रेता रहे हैं। मार्च में रिकॉर्ड 1.17 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई थी, जो किसी भी एक महीने की सबसे बड़ी निकासी थी। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार भू-राजनीतिक तनाव, प्रमुख केंद्रीय बैंकों के नीतिगत निर्णय और वैश्विक वृद्धि की चिंताएं निवेशकों में अनिश्चितता पैदा कर रही हैं। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि निवेशक जोखिम कम करने के लिए उभरते बाजारों से पूंजी निकालकर विकसित बाजारों या अपेक्षाकृत सुरक्षित परिसंपत्तियों में लगा रहे हैं। अन्य उभरते बाजारों की तुलना में भारतीय शेयरों का ऊंचा मूल्यांकन और रुपये की लगातार कमजोरी (इस साल लगभग छह प्रतिशत) भी विदेशी निवेशकों के सतर्क रुख का कारण है। हालांकि, शेयरों के विपरीत एफपीआई ने जून के पहले पखवाड़े में बॉन्ड प्रतिभूतियों में 13,200 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। इस साल अब तक बॉन्ड में कुल निवेश 28,000 करोड़ रुपये पहुंच गया है।

एफटीए से भारतीय फर्नीचर उद्योग में निर्यात व विनिर्माण को मिलेगी नई रफ्तार

- शुल्क रियायतों से विदेशी बाजारों में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिलेगी

नई दिल्ली ।

भारत द्वारा हाल के वर्षों में किए गए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) से देश के फर्नीचर उद्योग को निर्यात और घरेलू विनिर्माण दोनों में बड़ा प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि इन समझौतों के तहत मिलने वाली शुल्क रियायतें भारतीय कंपनियों को वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त देंगी, जिससे देश में निवेश और उत्पादन क्षमता विस्तार को भी बढ़ावा मिलेगा। भारत ने मॉरीशस, यूएई, ऑस्ट्रेलिया सहित कई देशों से एफटीए लागू किए हैं, जबकि ब्रिटेन और यूरोपीय संघ जैसे प्रमुख बाजारों से वार्ता पूरी हो चुकी है। गुजरात स्थित निप्पॉनप्लाई इंडस्ट्रीज के एक प्रमुख अ धिकारी के अनुसार इन समझौतों से भारतीय फर्नीचर के लिए बड़े निर्यात अवसर खुलेंगे और आयात प्रतिस्थापन की भी व्यापक संभावनाएं हैं। भारतीय उत्पाद अपनी गुणवत्ता और नवीनता के कारण वैश्विक मानकों पर खरे उतरते हैं; निप्पॉनप्लाई जैसी कंपनियाँ अब उन्नत तकनीक वाले खरोंच-रहित और अग्निरोधी फर्नीचर का निर्माण कर रही हैं।

अमेजन भारत में बढ़ाएगी रोबोटिक्स और ऑटोमेशन का उपयोग

- कंपनी 2030 तक 35 अरब डॉलर के अतिरिक्त निवेश को प्रतिबद्ध

नई दिल्ली ।

ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन भारत में अपने परिचालन को और अधिक स्वचालित करने की तैयारी में है। कंपनी ने घोषणा की है कि वह देश के फुलफिलमेंट केंद्रों में उन्नत रोबोटिक्स और स्वचालन प्रौद्योगिकियों का विस्तार करेगी। अमेजन रोबोटिक्स के एक मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी ने बताया कि भारत के फुलफिलमेंट नेटवर्क में पहले से ही एसएलएएम (स्कैन, लेबल, अप्लाई, मैनिफेस्ट) लेबलर जैसी कई स्वचालित प्रणालियां मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी इनमें निवेश जारी रखेगी और भारतीय बाजार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। अमेजन ने अब तक भारत में 40 अरब डॉलर का निवेश किया है और 2030 तक अतिरिक्त 35 अरब डॉलर का निवेश करने की योजना बनाई है। उन्होंने लंदन में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि यूरोप में अगली पीढ़ी के 'प्रोटियस' रोबोट की तैनाती की जा रही है, जो कर्मचारियों को शारीरिक रूप से कठिन कार्यों में सहायता करेगा। उन्होंने संकेत दिया कि समय के साथ कंपनी अपनी रोबोटिक्स प्रौद्योगिकी का दायरा बढ़ाएगी और भविष्य में इसे अन्य क्षेत्रों में भी ले जाया जाएगा, जिससे भारत में भी इनकी तैनाती की उम्मीद है। कृत्रिम मेधा (एआई) और आपूर्ति श्रृंखला प्रौद्योगिकियों में निवेश पर ब्रैडी ने जिम्मेदार एआई विकास की आवश्यकता पर जोर दिया। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि एआई के तेजी से विकसित होने के इस प्रारंभिक दौर में अत्यधिक नियमन नवोन्मेषण और प्रौद्योगिकी प्रगति को बाधित कर सकता है। उन्होंने कहा कि मैं नहीं चाहूंगा कि इस शुरुआती दौर में अत्यधिक नियामकीय वातावरण के कारण नवोन्मेषण प्रभावित हो।

वैश्विक संकेतों, फेड निर्णय और कच्चे तेल के रुख से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

- विश्लेषकों की निगाहें महंगाई आंकड़ों, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की घोषणा और भू-राजनीतिक घटनाक्रम पर

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह मुख्य रूप से वैश्विक संकेतों, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर संबंधी निर्णय और कच्चे तेल की कीमतों के रुख से निर्धारित होगी। विश्लेषकों का कहना है कि मई के महंगाई आंकड़े और अमेरिका-ईरान के बीच संभावित समझौते जैसे भू-राजनीतिक घटनाक्रम भी बाजार की धारणा को प्रभावित करेंगे। स्थानीय शेयर बाजार के लिए यह सप्ताह कई महत्वपूर्ण घटनाक्रमों से भरा रहने वाला है, जिनकी बदौलत बाजार की दिशा तय होगी। विश्लेषकों ने राय जताई है कि घरेलू स्तर पर मई माह के थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े महत्वपूर्ण रहेंगे। वैश्विक स्तर पर 16-17 जून को होने वाली अमेरिकी फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक और उसके निर्णय पर निवेशकों की करीबी नजर रहेगी। बाजार भागीदार फेडरल रिजर्व की टिप्पणियां, महंगाई के दृष्टिकोण, आर्थिक वृद्धि के अनुमान और भविष्य में ब्याज दरों में कटौती के संकेतों का विश्लेषण करेंगे। इसके अतिरिक्त अमेरिका और ईरान के बीच रविवार को संभावित शांति समझौता बाजार के लिए एक अहम भू-राजनीतिक घटनाक्रम होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने समझौते पर हस्ताक्षर और रणनीतिक महत्व वाले होर्मुज जलडमरूमध्य को सभी के लिए तुरंत खोलने की बात कही है, हालांकि असफल होने पर नए हमलों की संभावना का संकेत भी दिया है। इस समझौते की उम्मीदों से ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में

पहले ही गिरावट आई है, जो भारत जैसे बड़े तेल आयातक देश के लिए एक अत्यंत सकारात्मक संकेत है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियां भी बाजार की दिशा तय करेंगी। जून के पहले पखवाड़े में एफपीआई भारतीय शेयरों से 62,853 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी कर चुके हैं। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार 2026 में अब तक एफपीआई भारतीय शेयर बाजार से कुल 2.87 लाख करोड़ रुपये निकाल चुके हैं, जो पूरे 2025 में निकाले गए 1.66 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक है। घरेलू मोर्चे पर मानसून की प्रगति भी निवेशकों की निगाहों में रहेगी।

रीबॉक की भारत में बिक्री दोगुनी, हर साल 50 नए स्टोर खोलने की तैयारी

- पिछले तीन साल में 210 से अधिक हुए स्टोर, छोटे शहरों और नए उत्पादों पर है कंपनी का फोकस

नई दिल्ली ।

खेलों के लिए जूते और परिधान बनाने वाले प्रतिष्ठित ब्रांड रीबॉक ने भारत में शानदार वापसी की है। आदित्य बिड़ला लाइफस्टाइल ब्रांड्स लिमिटेड (एबीएलबीएल) के तहत इसकी बिक्री पिछले तीन साल में दोगुना से अधिक हो गई है। कंपनी अब इस सफलता को आगे बढ़ाते हुए देश भर में अपनी उपस्थिति और मजबूत करने की तैयारी में है। एबीएलबीएल के मुताबिक इस अवधि में रीबॉक के स्टोर की संख्या 210 से अधिक हो गई है। भारत में विस्तार की अभी भी व्यापक संभावनाएं हैं, जिसे देखते हुए कंपनी अगले कुछ सालों तक हर वर्ष 40 से 50 नए स्टोर खोलने की महत्वाकांक्षी योजना पर काम कर रही है। उप प्रबंध निदेशक ने बताया कि नए उत्पादों की मांग बिक्री को गति दे रही है और रीबॉक की वृद्धि दर मजबूत बनी हुई है। हाल ही में लॉन्च की गई मल्टी-कोर्ट शूज की श्रृंखला को बाजार से सकारात्मक

प्रतिक्रिया मिली है। रीबॉक छोटे शहरों और उभरते खुदरा केंद्रों में अपनी उपस्थिति बढ़ाने पर विशेष ध्यान दे रहा है, जहां बड़े अवसर मौजूद हैं। उल्लेखनीय है कि 2021 में आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड (एबीएफआरएल) ने ऑथेंटिक ब्रांड्स ग्रुप से रीबॉक के भारत और आसियान देशों के लिए लाइसेंसिंग अधिकार प्राप्त किए थे, जिसे बाद में एबीएलबीएल के अंतर्गत शामिल किया गया।

उत्पाद नवाचार, श्रेणी विस्तार और नए बाजारों में पहुंच बढ़ाने की रणनीति पर चलते हुए कंपनी रीबॉक की सतत वृद्धि को लेकर आश्वस्त है।

जून में धड़ाम हुए सोने-चांदी के दाम, निवेशकों को खरीदारी का मौका

एक महीने में सोना 9,434 रुपये तो चांदी 20,971 रुपये प्रति किलोग्राम तक हुई सस्ती

नई दिल्ली ।

जून का महीना सोने और चांदी के निवेशकों के लिए खुशखबरी लेकर आया है। इस दौरान दोनों कीमती धातुओं की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई, जहां सोना प्रति 10 ग्राम 9,434 रुपये तक सस्ता हुआ, वहीं चांदी के दाम में भी प्रति किलोग्राम 20,971 रुपये की जोरदार कमी आई। इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के आंकड़ों के अनुसार 29 मई को 24 कैरेट सोना 1,57,043 रुपये प्रति 10 ग्राम था, जो 12 जून तक घटकर 1,47,609 रुपये पर आ गया। इस तरह सोने में 9,434 रुपये की गिरावट दर्ज की गई। इसी तरह, चांदी भी इसी अवधि में 2,63,966 रुपये प्रति किलोग्राम से घटकर 2,42,295 रुपये पर पहुंच गई, जिसमें 20,971 रुपये की बड़ी कमी आई। हालांकि, गिरावट के इस दौर पर शुक्रवार को कुछ समय के लिए ब्रेक लगा। गुरुवार को 24 कैरेट सोना 1,44,782 रुपये प्रति 10 ग्राम था, लेकिन शुक्रवार को यह बढ़कर 1,47,800 रुपये तक पहुंच गया। इस मामूली रिकवरी का कारण वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव में कमी और ईरान-अमेरिका के बीच बातचीत में सुधार के संकेत बताए जा रहे हैं, जिसने निवेशकों की धारणा को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया।

एनएसई अगले सप्ताह दाखिल करेगा आईपीओ दस्तावेज

5 लाख करोड़ से अधिक मूल्यांकन का अनुमान, केवल बिक्री पेशकश होगी

नई दिल्ली ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का बहुप्रतीक्षित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) अगले सप्ताह भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष शुरुआती दस्तावेज दाखिल करने की तैयारी में है। मामले से जुड़े सूत्रों के अनुसार एनएसई 15 या 16 जून को यह महत्वपूर्ण कदम उठा सकता है, जिससे भारत के सबसे बड़े पूंजी बाजार आयोजनों में से एक की राह साफ होगी। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक के अनुमानित मूल्यांकन वाला यह आईपीओ ऐतिहासिक हो सकता है। एनएसई का यह आईपीओ पूरी तरह से बिक्री पेशकश पर आधारित होगा, जिसका अर्थ है कि एक्सचेंज कोई नया शेयर जारी नहीं करेगा। इसके बजाय, मौजूदा शेयरधारक अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे, जिन्हें एनएसई बोर्ड ने 6 फरवरी को मंजूरी दी थी। प्रमुख शेयरधारकों में भारतीय जीवन बीमा निगम 10.72 फीसदी के साथ सबसे बड़ा, भारतीय स्टेट बैंक समूह लगभग 7.5 फीसदी के साथ और विदेशी निवेशक जैसे

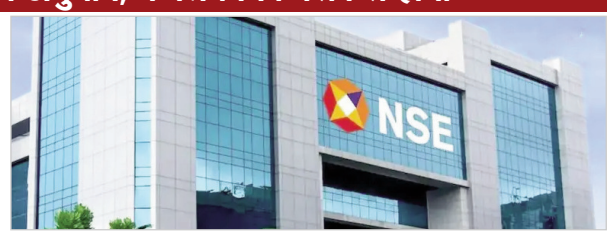

टेमासेक की अरांदा इन्वेस्टमेंट्स व कनाडा पेंशन योजना निवेश बोर्ड शामिल हैं। एनएसई की सूचीबद्धता की योजना लगभग एक दशक से 'को-लोकेशन' विवाद सहित विभिन्न नियामक कारणों से अटकी हुई थी। इस विवाद के निपटारे और जनवरी में सेबी से अनापत्ति प्रमाणपत्र मिलने के बाद आईपीओ प्रक्रिया को गति मिली है।

विश्लेषकों का मानना है कि दस्तावेज दाखिल होने के बाद आईपीओ की समयसीमा और अंतिम आकार पर अधिक स्पष्टता आएगी। एक्सचेंज ने इस प्रक्रिया के लिए 20 मर्चेंट बैंकरों सहित कई सलाहकारों की नियुक्ति की है।

भ्रामक दावों पर एफएसएसएआई का शिकंजा 8 खाद्य कंपनियों को नोटिस

'हेल्दी' और 'वीगन' जैसे प्रचार पर नियामक ने जताई आपत्ति

नई दिल्ली ।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के उल्लंघन के आरोप में आठ खाद्य कंपनियों को नोटिस जारी किया है। इन कंपनियों पर भ्रामक ब्रांड नाम, ट्रेड नाम और उत्पाद दावों का इस्तेमाल कर उपभोक्ताओं को गुमराह करने का आरोप है। नोटिस पाने वाली कंपनियों में इमामी हेल्दी एंड टेस्टी, हेल्थ एड, टूवी, द हेल्दी फैक्टरी, हेल्दी मास्टर, हेल्दी चॉइस, प्लान बी और न्यूहब्स शामिल हैं। नियामक ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया मंच के माध्यम से इस कार्रवाई की जानकारी दी है। एफएसएसएआई के अनुसार इमामी हेल्दी एंड टेस्टी का 'ट्रेड' नाम और प्लान बी का बिना आवश्यक स्वीकृति के 'प्लांट बेस्ड वीगन' उत्पादों का प्रचार उपभोक्ताओं को गुमराह करने वाला पाया गया है। एफएसएसएआई ने द हेल्दी फैक्टरी के 'जीरो मैदा होल व्हीट ब्रेड' जैसे दावों, न्यूहब्स की 'टू विटामिन' श्रृंखला के व्यापारिक नाम और टूवी के 'हेल्दी मिक्स

वेजी चिप्स' जैसे स्नैक उत्पादों पर 'हेल्दी' होने के दावे को लेकर सवाल उठाए हैं। नियामक का कहना है कि इन उत्पादों में अन्य सामग्री भी शामिल होने से 'हेल्दी' बताना भ्रामक हो सकता है। इसी तरह हेल्दी मास्टर की टैगलाइन ''विजन टू सर्व हेल्दी'', हेल्दी चॉइस के ''हेल्दी फूड फॉर हेल्दी लाइफ पोहा'' और हेल्थ एड के ब्रांड नाम पर भी आपत्ति जताई गई है। प्राधिकरण का मानना है कि ये नाम और दावे उत्पादों की प्रकृति को लेकर उपभोक्ताओं को भ्रमित कर सकते हैं, जिसका उल्लंघन खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत दंडनीय है। इस कार्रवाई का उद्देश्य उपभोक्ताओं को भ्रामक जानकारी से बचाना और बाजार में उत्पादों की सही जानकारी उपलब्ध करवाना है।

तेल-तिलहन बाजार में मिला-जुला रुख, सोयाबीन-पाम में गिरावट, सरसों में सुधार

अमेरिका-ईरान तनाव टलने से स्थानीय मांग प्रभावित; सोयाबीन, पाम और मूंगफली में नरमी, सरसों-बिनौला में सुधार

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह तेल-तिलहन बाजारों में मिला-जुला रुख रहा। अमेरिका-ईरान के बीच युद्ध की आशंका टलने से स्थानीय मांग कमजोर पड़ी, जिससे सोयाबीन तेल, कच्चा पामतेल और पामोलीन के साथ-साथ मूंगफली तेल के दाम में गिरावट दर्ज की गई।

वहीं सरसों और बिनौला तेल में मामूली सुधार देखा गया। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, कमजोर मांग और आयातकों की लागत से नीचे बिकवाली के कारण सोयाबीन तेल व पाम-पामोलीन तेल के दाम घटे। मूंगफली की गर्मी की फसल की आवक बढ़ने से भी इसकी कीमतों पर भारी दबाव रहा, जिससे मूंगफली तेल-तिलहन में नरमी आई।

हालांकि, सरसों की कमजोर आवक के कारण इसके दाम में मामूली सुधार हुआ, जबकि नगण्य उपलब्धता के चलते बिनौला तेल में हल्की मजबूती दर्ज की गई। सोयाबीन तिलहन के दाम तेल रहित खल (डीओसी) की सामान्य मांग के कारण स्थिर बने रहे। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 25 रुपये के सुधार के साथ 7,675-7,700 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 100 रुपये के सुधार के साथ 15,650 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 5-5 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,585-2,685 रुपये और 2,585-2,730 रुपये टिन (15 किलो) पर मजबूत बंद हुआ।

समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 6,975-7,025 रुपये और 6,825-6,900 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर रुख के साथ बंद हुए।

दूसरी ओर दिल्ली में सोयाबीन तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 15,600 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 15,550 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 50 रुपये की गिरावट के साथ 12,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।गर्मी की फसल आने के बीच बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 25 रुपये की गिरावट के साथ 6,575-7,150 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 220 रुपये की गिरावट के साथ 15,480 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 30 रुपये की गिरावट के साथ 2,460-2,760 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ।

टॉप 8 कंपनियों का मार्केट कैप 1.90 लाख करोड़ बढ़ा

- रिलायंस, एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल भी फायदे में, टीसीएस और एलआईसी को नुकसान

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह शेयर बाजार में तेजी से शीर्ष 10 में से आठ मूल्यवान कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल 1.90 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस दौरान आईसीआईसीआई बैंक को सबसे अधिक लाभ हुआ, जबकि सेंसेक्स 1.73 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। एनएसई निफ्टी भी एक प्रतिशत मजबूत हुआ। लाभ में रहने वाली कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो और हिंदुस्तान यूनिलीवर शामिल हैं। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 56,223 करोड़ रुपये बढ़कर 9.61 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 38,571 करोड़ रुपये बढ़कर 11.89 लाख करोड़ रुपये रहा, वहीं भारतीय स्टेट बैंक का मूल्यांकन भी 36,137 करोड़ रुपये बढ़कर 9.38 लाख करोड़ रुपये हो गया। इसके विपरीत, टाटा

कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार पूंजीकरण 13,296 करोड़ रुपये घटकर 7.82 लाख करोड़ रुपये रह गया, और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का 822 करोड़ रुपये घटकर 5.05 लाख करोड़ रुपये पर आ गया।

शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही, जिसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल और आईसीआईसीआई बैंक जैसे दिग्गज शामिल रहे।

हमारे अच्छे कर्मों से
खुश होते हैं भगवान

भगवान माला और माल से राजी नहीं होते, बल्कि हमारे कर्मों से प्रसन्न होते हैं। गीता निष्काम कर्मों के द्वारा मोक्ष प्राप्ति का मार्ग बताती है। श्रेष्ठ कर्मों को ही सच्ची भक्ति समझो। इसीलिए अपने कर्मों को ही पूजा बना लो। जिस प्रकार कमल के पत्ते पानी में रहते हुए भी जल को अपने ऊपर नहीं आने देते। ऐसे ही निष्काम कर्मयोगी संसार में रहते हुए भी कर्मों के बंधन तथा मोह में आसक्त नहीं होते है। गीता संसार को कर्मशील व पुरुषार्थी होने का संदेश देती है। वह हमारे मन में स्वार्थ, लोभ, अहंकार से ऊपर उठकर निष्काम व परोपकार के कर्मों की भावना जागृत करती है। वह श्रेष्ठ कर्म करते हुए इहलोक तथा परलोक दोनों के लिए उन्नति करने के लिए प्रेरणा देती है। हे मनुष्यों, वर्तमान जीवन और जगत को कर्मों की सुगंध से भरते चलो। कर्त्तव्य व दायित्व को ईमानदारी व कुशलता से निभाओ। गीता कह रही है– योगः कर्मसु कौशलम् अर्थात जो भी कर्म करो, उसको पूर्णता, निपुणता, सुन्दरता और कुशलता से करो। जो इस तरह से जीवन को जीता है, गीता के अनुसार वह इस जीवन व जगत को सफल कर लेता है और उसका अगला जन्म भी सुधर जाता है।

तन के श्रृंगार में ही जो समय गंवा देते हैं वह इस नाशवान संसार में भटक कर रह जाते हैं लेकिन जो मन का श्रृंगार कर उसमें बैठे परमात्मा की आराधना करते है वह संसार की मलिनता से बच जाते हैं, वस्तुतः दुर्गुणों से ही जीवन में मलिनता आती है। इनसे बचने का एकमात्र उपाय वेद शास्त्र और पुराणों का मंथन करना तथा सज्जनों की संगति है। अतः हमें अपने कर्मों पर ध्यान देते हुए जीवन जीना चाहिए।

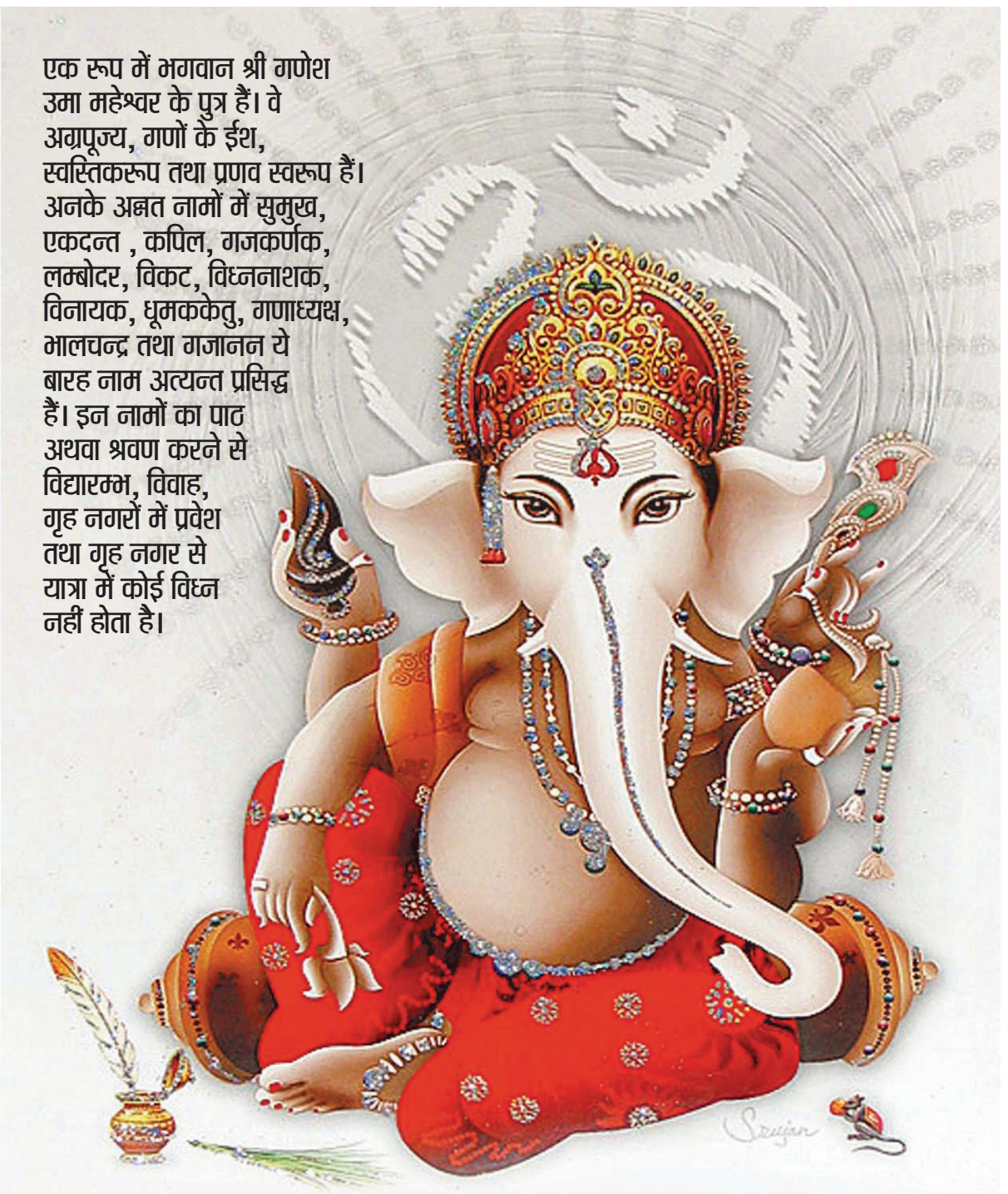

एक रूप में भगवान श्री गणेश उमा महेश्वर के पुत्र हैं। वे अग्रपूज्य, गणों के ईश, स्वस्तिकरूप तथा प्रणव स्वरूप हैं। अनके अन्नत नामों में सुमुख, एकदन्त , कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विघ्ननाशक, विनायक, धूमककेतु, गणाध्यक्ष, भालचन्द्र तथा गजानन ये बारह नाम अत्यन्त प्रसिद्ध हैं। इन नामों का पाठ अथवा श्रवण करने से विद्यारम्भ, विवाह, गृह नगरों में प्रवेश तथा गृह नगर से यात्रा में कोई विघ्न नहीं होता है।

मनुष्य पांच तत्त्वों से बना है। इन तत्त्वों में से अग्नि विशेष है। जहां एक ओर अन्य सभी तत्त्व प्रदूषित हो सकते है, वहीं अग्नि को दूषित नहीं किया जा सकता।

पूजा पाठ के अंत में
हवन करने का क्या कारण है?

सृष्टि के सभी तत्व पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु व आकाश के विभिन्न संयोजनों से बने हैं। जगत का ही एक अंश होने के कारण मनुष्य भी इन्हीं पांच तत्त्वों से बना है। इन तत्त्वों में से अग्नि विशेष है। जहां एक ओर अन्य सभी तत्त्व प्रदूषित हो सकते है, वहीं अग्नि को दूषित नहीं किया जा सकता।

हमारे ऋषि अग्नि की इस विशेषता से भली भांति परिचित थे और इसीलिए हवन और दूसरे सभी वैदिक कर्मों में अग्नि का विशेष महत्त्व होता है। हवन मात्र एक कर्मकांड नहीं बल्कि एक योगी के लिए उन दिव्य शक्तियों से वार्तालाप का माध्यम है जो इस सृष्टि को चलाती हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि वे तत्त्व शुद्ध नहीं हैं जिनसे मनुष्य बना है। जिस प्रकार इस संसार में पृथ्वी, जल, वायु व आकाश प्रदूषित हो जाते हैं, उसी प्रकार से मानव शरीर में भी इन तत्त्वों का प्रदूषित होना संभव है। यह प्रदूषण मनुष्य को पतन अथवा विकृति की ओर धकेलता है। मनुष्य में इन तत्त्वों के प्रदूषण का पता लगाना अति सरल है। पृथ्वी तत्त्व के दूषित होने से व्यक्ति को समाज में प्रतिष्ठित पद और भव्य जीवन शैली जैसी सुविधाएं पाने की इच्छाएं बेलगाम होने लगती हैं।

जब जल तत्त्व दूषित होता है तो अप्राकृतिक काम इच्छा जागृत होने लगती है। वैदिक शास्त्र अपनी स्वाभाविक इच्छाओं का दमन करने के लिए नहीं कहता। अग्नि तत्त्व को दूषित नहीं किया जा सकता। योग और सनातन क्रिया की साधना से साधक अग्नि तत्त्व के अनुकूल स्तर बनाए रख सकता है। वायु तत्त्व यह निश्चित करता है कि हृदय व फ़ेफड़े ठीक से कार्य करें। इस तरह रक्त संचार प्रणाली और श्वास प्रणाली भी सही काम करती रहती है। अंत में दूषित आकाश तत्त्व के कारण थायरायड व पैराथायरायड ग्रंथियों के रोग और श्रवण शक्ति का क्षीण होना पाया जाता है। मात्र एक हवन में ही यह क्षमता होती है कि मनुष्य के सभी दोष समाप्त हो सकें।

ऐसे पाइए रिद्धि सिद्धि के दाता
गणपति का आशीर्वाद...

भगवान गणेश का स्वरूप अत्यन्त ही मनोहर एवं मंगलदायक है। वे एकदन्त और चतुर्बाह हैं। अपने चारों हाथों में वे क्रमश पाश, अंकुश, मोदक पात्र तथा वर मुद्रा धारण करते हैं। वे रक्तवर्ण, लम्बोदर, शूर्पकर्ण तथा पीत वस्त्र धारी हैं। वे रक्त चंदन धारण करते हैं तथा उन्हें रक्त वर्ण के पुष्प विशेष प्रिय हैं। वे अपने उपासकों पर शीघ्र प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।

एक रूप में भगवान श्री गणेश उमा महेश्वर के पुत्र हैं। वे अग्रपूज्य, गणों के ईश, स्वस्तिकरूप तथा प्रणव स्वरूप हैं। अनके अन्नत नामों में सुमुख, एकदन्त , कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विघ्ननाशक, विनायक, धूमककेतु, गणाध्यक्ष, भालचन्द्र तथा गजानन ये बारह नाम अत्यन्त प्रसिद्ध हैं। इन नामों का पाठ अथवा श्रवण करने से विद्यारम्भ, विवाह, गृह नगरों में प्रवेश तथा गृह नगर से यात्रा में कोई विघ्न नहीं होता है।

भगवान गणपति के अनेक अवतार हुए हैं। उनके सभी चरित्र अनन्त हैं। पदम पुराण के अनुसार एक बार पार्वती जी ने अपने शरीर के मैल से एक पुरूषाकृति बनाई जिसका मुख हाथी के समान था। फिर उस आकृति को उन्होंने गंगा जल में डाल दिया। गंगा जल में पड़ते ही वह आकृति विशालकाय हो गई। पार्वती जी ने उसे पुत्र कहकर पुकारा देव समुदाय ने उन्हें गंगये कहकर सम्मान दिया और ब्रहमाजी ने उन्हें गणों का अधिपत्य प्रदान करके गणेश नाम दिया।

लिंग पुराण के अनुसार एक बार देवताओं ने भगवान शिव की उपासना करके उनसे सुरद्रोही दानवों के दुष्कर्म में विघ्न उपस्थित करने के लिए वर मांगा। आशुतोष शिव ने तथास्तु कहकर देवताओं को संतुष्ट कर दिया। समय आने पर गणेश जी का प्राकट्य हुआ। उनका मुख हाथी के समान था और उनके एक हाथ में त्रिशुल तथा दूसरे में पाश था। देवताओं ने सुमन वृष्टि करते हुए गजानन के चरणों में बारम्बार प्रणाम किया। भगवान शिव जी ने गणेश जी को दैत्यों के कार्यों में विघ्न उपस्थित करके देवताओं और ब्रह्माणों का उपकार करने का आदेश दिया।

प्रजापति विश्वकर्मा की सिद्धि बुद्धि नामक दो कन्याएं गणेश जी की पत्नियां हैं। सिद्धि से क्षेम और बुद्धि से लाभ नामक शोभा सम्पन्न दो पुत्र हुए। शास्त्रों और पुराणों में सिंह मयूर और मूषक को गणेश जी का वाहन बताया गया है। गणेश पुराण के क्रिड़ा खण्ड में उल्लेख है कि कृतयुग में गणेश जी का वाहन सिंह है। वे दस भुजाओं वाले, तेज स्वरूप तथा सब को वर देने वाले हैं और उनका नाम विनायक है। त्रेता में उनका वाहन मयूर है, वर्ण श्वेत है तथा तीनों लोकों में वे मयूरेश्वर नाम से विख्यात हैं और छ भुजाओं वाले हैं। द्वापर में उनका वर्ण लाल है। वे चार भुजाओं वाले और मूषक वाहन वाले हैं तथा गजानन नाम से प्रसिद्ध हैं। कलयुग में उनका धूम्रवर्ण है। वे घोड़े पर आरूड़ रहते हैं। उनके दो हाथ हैं तथा उनका नाम धूम्रकेतू है। मोदक प्रिय गणेश जी विद्या बुद्धि और समस्त सिद्धियों के दाता तथा थोड़ी उपासना से प्रसन्न हो जाते हैं। उनके जप का मंत्र ओम गं गणपतेय नमः है।

कैसे हनुमान जी आपका लॉकर सदा धन से भरा रखेंगे

जीवन की समस्त अवश्यकताओं की पूर्ति के लिए धन की आवश्यकता होती है। कुछ लोग कम मेहनत करने पर भी अधिक धन संचित कर लेते हैं तो कुछ लोगों को कड़ी मेहनत के उपरांत भी उनकी मेहनत के अनुरूप धन नहीं मिल पाता। कई लोग ऐसे होते हैं जो कमाई तो अच्छी कर लेते हैं, लेकिन आगे के लिए कुछ बचा नहीं पाते। अगर धन का अगमान ठीक भी हो तो बढ़े हुए खर्च के कारण धन संबंधी परेशानी बनी रहती है। आप जब भी बैंक जाएं तो मन ही मन महालक्ष्मी के मंत्रों का जाप करें। ऐसा करने से बैंक में जमा पैसे पर महालक्ष्मी की कृपा बनी रहेगी और उस पैसे में निरंतर बढ़ौतरी होती रहेगी।

ऊँ महालक्ष्म्यै नमः, ऊँ ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः

ऊँ श्रीं ह्रीं क्लीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः

निम्न पंक्तियों का प्रतिदिन जाप करने से हनुमान जी के साथ साथ यम, कुबेर एवं अन्य देवी–देवताओं की भी कृपा प्राप्त होगी। कुबेर देव की अनुकम्पा से आपका लॉकर कभी खाली नहीं होगा और सदा धन से भरा रहेगा।

जम कुबेर दिगपाल जहां ते। कवि कोबिद कहि सके कहां ते।।

मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होने पर कुबेर जी अपना खजाना उनके भक्तों के लिए खोल देते हैं इसलिए मां लक्ष्मी के साथ साथ कुबेर जी का चित्र अथवा श्री रूप घर में स्थापित करें। वास्तु शास्त्र के मतानुसार मां लक्ष्मी और कुबेर जी का चित्र अथवा श्री रूप उत्तर दिशा की ओर स्थापित करें। इससे उत्तर दिशा सक्रिय होगी एवं धन आगमन में आने वाली समस्त बाधाओं का नाश होगा।

इन महाविद्याओं से सिद्धियों एवं मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है

शिवपुराण के मतानुसार भगवान शिव शंकर के दस अवतारों में आदशक्ति मां दुर्गा समस्त अवतारों में उनके साथ अवतरित हुई थी। दस महाविद्यायों के नाम से जानी जानें वाली महामाया मां जगत् जननी दुर्गा के ये दस रूप तांत्रिकों एवं उपासकों की आराधना का अभिन्न अंग हैं। इन महाविद्याओं के माध्यम से उपासक को बहुत सी सिद्धियों एवं मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है। मां दुर्गा एवं भगवान शिव शंकर के दस अवतार इस प्रकार हैं–

- भगवान शिव शंकर के महाकाल अवतार के समय देवी महाकाली के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के तारकेश्वर अवतार के समय देवी तारा के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के भुवनेश अवतार के समय देवी भुवनेश्वरी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के षोडश अवतार के समय देवी षोडशी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के भैरव अवतार के समय देवी जगदम्बा भैरवी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के छिन्नमस्तक अवतार के समय देवी छिन्नमस्ता के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के ध्रूमवान अवतार के समय धूमावती के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के बगलामुखी अवतार के समय देवी जगदम्बा बगलामुखी रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के मातंग अवतार के समय देवी मातंगी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के कमल अवतार के समय कमला के रूप में देवी उनके साथ अवतरित हुई।

प्रो लीग का टिकट दांव पर, ऑकलैंड में भारतीय महिला हॉकी टीम की बड़ी परीक्षा

ऑकलैंड (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम ऑकलैंड में शुरू हो रहे एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप 2025-26 में अपने अभियान की शुरुआत करने के लिए तैयार है। कप्तान सलीमा टेटे की अगुआई में टीम का लक्ष्य टूर्नामेंट जीतकर अगले साल की प्रतिष्ठित एफआईएच प्रो लीग में जगह बनाना होगा। इस प्रतियोगिता की विजेता टीम को सीधे प्रो लीग का टिकट मिलेगा।

पूल चरण में अमेरिका, जापान और उरुग्वे से मुकाबला

भारत को पूल-ए में रखा गया है, जहां उसका पहला मुकाबला 15 जून को अमेरिका से होगा। इसके बाद 16 जून को जापान और 18 जून को उरुग्वे के खिलाफ मैच खेले जाएंगे। वहीं पूल-बी में मेजबान न्यूज़ीलैंड, चिली, कोरिया और फ्रांस की टीमें शामिल हैं। भारतीय टीम मजबूत शुरुआत कर नॉकआउट चरण में लय बनाए रखना चाहेगी।

ऑस्ट्रेलिया दौरे से मिला आत्मविश्वास - टूर्नामेंट से पहले भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया का चार मैचों का दौरा किया, जहां उसने शानदार जुझारूपन दिखाया। पहला मुकाबला हारने के बाद भारत ने लगातार दो मैच जीतकर दमदार वापसी की। अंतिम मैच ऑस्ट्रेलिया ने जीता और सीरीज 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुई। इस दौरे ने टीम को कठिन परिस्थितियों में खेलने का बहुमूल्य अनुभव दिया।

कोच मारिन ने जताया भरोसा

मुख्य कोच स्जोर्ड मारिन ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया दौरा टीम के लिए बेहतरीन तैयारी साबित हुआ। उनके अनुसार खिलाड़ियों ने चुनौतियों का शानदार तरीके से सामना किया और दुनिया की शीर्ष टीमों में से एक के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि अब पूरा ध्यान नेशंस कप पर है और टीम इस अवसर का अधिकतम फायदा उठाना चाहती है।

महिला टी-20 वर्ल्ड कप

डिफेंडिंग चैंपियन न्यूजीलैंड को वेस्टइंडीज ने चौंकाया, 7 विकेट से दर्ज की शानदार जीत

साउथैम्पटन (एजेंसी)। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 में डिफेंडिंग चैंपियन न्यूज़ीलैंड को अपने पहले ही मुकाबले में बड़ा झटका लगा। साउथैम्पटन में खेले गए मैच में वेस्टइंडीज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूज़ीलैंड को 7 विकेट से हराकर टूर्नामेंट में विजयी आगाज किया। इस जीत की सबसे बड़ी नायिका शेमेन कैंपबेल रहीं, जिन्होंने नाबाद 90 रन की मैच जिताऊ पारी खेली।

न्यूज़ीलैंड की अच्छी शुरुआत, लेकिन बड़ा स्कोर नहीं बना सकी - पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूज़ीलैंड को विकेटकीपर बल्लेबाज इज़ी गेज ने तेज शुरुआत दिलाई। उन्होंने 29 गेंदों में 39 रन बनाए, जिसमें 8 चौके शामिल रहे। हालांकि जॉर्जिया प्लिमर और कप्तान अमेलिया केर बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहीं। मध्यक्रम में ब्रूक हॉलिडे ने 32 गेंदों पर 40 रन और मैडी ग्रीन ने 35 रन की उपयोगी पारी खेली। इन पारियों की बदौलत न्यूज़ीलैंड ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 162 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलिया की तुर्किये पर जीत

स्कॉटलैंड की यादगार वापसी

दिन के दो मुकाबले रहे ड्रॉ

वैंकूवर (एजेंसी)। फीफा विश्व कप 2026 के तीसरे दिन चार मुकाबले पूरे हो चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया ने तुर्किये को एकतरफा अंदाज में हरा दिया है। इसके बाद जर्मनी का सामना कुराकाओ से रात 10:30 बजे होना है। तीसरे दिन दो मैच बराबरी पर छूटे, जबकि ऑस्ट्रेलिया के अलावा स्कॉटलैंड ने भी जीत दर्ज की है। फीफा विश्व कप के तीसरे दिन कुल पांच मुकाबले खेले जाने थे जिसमें से तीन मैच पूरे हो गए हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया और तुर्किये का मुकाबला जारी है। दिन के अंतिम मैच में जर्मनी का सामि कुराकाओ से होगा। फीफा विश्व कप का खुमार अब धीरे-धीरे सिर चढ़कर बोल रहा है और तीसरे दिन रोमांचक मुकाबले खेले गए। एक तरफ कतर ने स्विट्जरलैंड को ड्रॉ पर रोका तो वहीं पांच बार की चैंपियन ब्राजील को विनिसियस जूनियर ने हार से बचाया। स्कॉटलैंड ने फुटबॉल के इस महाकुंभ में जीत से शुरुआत की।

मोरक्को ने ब्राजील को चौंकाया

पांच बार की चैंपियन ब्राजील की टीम फुटबॉल विश्व कप के अपने पहले मैच में असली रंग में नहीं दिखी और मोरक्को के खिलाफ ग्रुप सी के मैच में शुरू में पिछड़ गई। लेकिन विनिसियस जूनियर के गोल की बदौलत 1-1 से ड्रॉ हासिल करने में सफल रही। ब्राजील 2002 से खिताब नहीं जीत पाया है और उस पर इसका दबाव स्पष्ट नजर आ रहा था। दूसरी तरफ मोरक्को की टीम ने आक्रामक शुरुआत की। मोरक्को की टीम ने पहले 30 मिनट में ब्राजील के गोल पर 12 शॉट लगाए। उसने इस बीच इस्माइल सैबारी के 21वें मिनट में किए गए गोल से बढ़त हासिल कर ली। उन्होंने गोलकीपर एलिसन बेकर के ऊपर से एक शानदार चिप शॉट से यह गोल किया। विनिसियस जूनियर ने 32वें मिनट में बराबरी का गोल किया।

इंजरी टाइम में कतर ने की वापसी

फीफा विश्व कप के तीसरे दिन सबसे पहले कतर का सामना स्विट्जरलैंड से हुआ। बौलेम खौखी के दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के चौथे मिनट में किए गए गोल की मदद से कतर ने ग्रुप बी में मजबूत दावेदार माने जा रहे स्विट्जरलैंड को 1-1 से ड्रॉ पर रोका। ब्रील एम्बोलो ने 17वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदलकर स्विट्जरलैंड को बढ़त दिलाई। एक समय उसकी जीत सुनिश्चित लग रही थी लेकिन अंतिम सीटी बजाने से कुछ देर पहले लेवी स्टेडियम में 67,966 दर्शकों के सामने खेले गए मैच में खौखी ने हेडर से बराबरी का गोल दागकर कतर को विश्व कप में अपना पहला अंक दिलाया। कतर चार साल पहले अपने देश में विश्व खेले गए विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया था और यहां पहले मैच में वह बहुत प्रभावित नहीं कर पाया।

स्कॉटलैंड की विश्व कप में शानदार वापसी

स्कॉटलैंड ने ग्रुप सी के मुकाबले में जीत से शुरुआत से की। स्कॉटलैंड ने हैती को 1-0 से हराया और पूरे तीन अंक जुटाए। स्कॉटलैंड ने इस तरह विश्व कप फुटबॉल में 32 साल बाद शानदार वापसी की। स्कॉटलैंड 1998 के बाद पहली बार इस टूर्नामेंट में भाग ले रहा है। उसने 1990 के बाद विश्व कप में अपनी पहली जीत हासिल की। तब उसने स्वीडन को 2-1 से हराया था। वह फिलहाल ग्रुप सी में शीर्ष पर है। स्कॉटलैंड के लिए जॉन मैकगिन ने 28वें मिनट में गोल दागा जो अंत तक निर्णायक साबित हुआ। पहले हाफ के बाद दोनों टीमों ने दूसरे हाफ में गोल करने की काफी कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सके।

ऑस्ट्रेलिया की एकतरफा जीत

ऑस्ट्रेलिया ने ग्रुप डी के मुकाबले में तुर्किये को एकतरफा अंदाज में 2-0 से हराया। तुर्किये की टीम पूरे मैच में ऑस्ट्रेलिया को चुनौती नहीं दे सकी। ऑस्ट्रेलिया को पहले हाफ में नेसट्रोरी इरांकुडा ने बढ़त दिलाई। पॉल ओकॉन इंग्सिटलर के पास पर इरांकुडा ने तुर्किये के डिफेंस को भेदा और गेंद को गोल पोस्ट के पार भेजा। इस तरह ऑस्ट्रेलिया ने पहले हाफ में तुर्किये से 1-0 की बढ़त बनाए रखी। इसके बाद दूसरे हाफ में ऑस्ट्रेलिया ने बढ़त दोगुनी कर ली। ऑस्ट्रेलिया के लिए कोनोर मैटकेल्फे ने 75वें मिनट में गोल किया। ऑस्ट्रेलिया ने इस बढ़त को अंत तक बनाए रखा।

जर्मनी करेगी अभियान की शुरुआत

तीसरे दिन का आखिरी मुकाबला जर्मनी और कुराकाओ के बीच हुआस्टन में खेला जाएगा। यह मैच भारतीय समयानुसार रविवार की रात 10 :30 बजे से होगा। जर्मनी की टीम इसके साथ ही विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत करने उतरेगी।

भारत-पाकिस्तान

के एल राहुल राहुल के सिक्स पर खुद को नहीं रोक पाए गंभीर, कैमरे में कैद हुआ रिएक्शन

धर्मशाला (एजेंसी)। भारत और अफगानिस्तान के बीच धर्मशाला में खेले गए पहले वनडे में टीम इंडिया ने सात विकेट से शानदार जीत दर्ज की। कप्तान शुभमन गिल की नाबाद 84 रन की पारी चर्चा में रही, लेकिन मैच के दौरान केएल राहुल का एक शानदार छक्का भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो गया।

गंभीर का रिएक्शन बना चर्चा का विषय - 22वें ओवर की आखिरी गेंद पर अफगानिस्तान के गेंदबाज जियाउर रहमान की गेंद को केएल राहुल ने कवर के ऊपर से शानदार छक्का जड़ दिया। राहुल का यह शॉट इतना बेहतरीन था कि आमतौर पर शांत रहने वाले भारतीय मुख्य कोच गौतम गंभीर भी अपनी प्रतिक्रिया छिपा नहीं सके। कैमरे में गंभीर राहुल के शॉट से प्रभावित नजर आए।

एक ओवर में बटोरे 20 रन - राहुल ने जियाउर रहमान के उस ओवर में जमकर हमला बोला। 22वें ओवर में भारतीय बल्लेबाजों ने कुल 20 रन बटोरे, जिससे मैच पूरी तरह भारत की पकड़ में आ गया। राहुल की आक्रामक बल्लेबाजी ने अफगानिस्तान की वापसी की उम्मीदों को खत्म कर दिया।केएल राहुल ने सिर्फ 19 गेंदों में 39 रन की नाबाद पारी खेली। इस दौरान उन्होंने चार चौके और तीन शानदार छक्के लगाए। उनका स्ट्राइक रेट 205.26 का रहा। राहुल की तेजतर्रार बल्लेबाजी ने भारत को लक्ष्य तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

प्लेयर ऑफ द मैच बने शुभमन गिल

गिल ने 66 गेंदों में नाबाद 84 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और दो छक्के शामिल रहे। उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। भारत ने मुकाबला 13 गेंद शेष रहते सात विकेट से अपने नाम किया और सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली।भारत और अफगानिस्तान के बीच धर्मशाला में खेले गए पहले वनडे में टीम इंडिया ने सात विकेट से शानदार जीत दर्ज की। कप्तान शुभमन गिल की नाबाद 84 रन की पारी चर्चा में रही, लेकिन मैच के दौरान केएल राहुल का एक शानदार छक्का भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो गया।

गिल ने खेली मैच जिताऊ पारी - 195 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत को रोहित शर्मा के रूप में शुरुआती झटका लगा। इसके बाद शुभमन गिल ने पारी को संभाला और इशान किशन (34) के साथ महत्वपूर्ण साझेदारी की।

संजू सैमसन के बाद केरल को मिला एक और युवा स्टार

इंडिया अंडर-19 टीम में मानव कृष्णा को मिली जगह

तिरुवनंतपुरम (केरल) (एजेंसी)। केरल की अंडर-19 टीम के कप्तान और होनहार विकेटकीपर-बल्लेबाज मानव कृष्णा को श्रीलंका के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए इंडिया अंडर-19 टेस्ट टीम में चुना गया है। भारत श्रीलंका में तीन वनडे और दो चार-दिवसीय टेस्ट मैच खेलेगा। पेरूरकडा के रहने वाले मानव को घरेलू सीजन में शानदार बल्लेबाजी और विकेट के पीछे बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर राष्ट्रीय टीम में बुलावा मिला। कृष्णा ने पिछले अंडर-19 सीजन में 592 रन बनाए और कूच बिहार ट्रॉफी में लगातार शतक जड़े, जिसमें सौराष्ट्र के खिलाफ 189 रन और हैदराबाद के खिलाफ 144 रन की पारी शामिल थी।

मानव ने दिल्ली में अपने क्रिकेट सफर की शुरुआत की और 12 साल की उम्र में केरल चले गए। वे केरल की अंडर-16 और अंडर-19 टीमों के कप्तान बने और अपनी लीडरशिप और एथलेटिक क्षमताओं के लिए पहचान बनाई। श्रीलंका सीरीज के लिए इंडिया अंडर-19 टेस्ट टीम में चुने जाने पर कृष्णा ने कहा, %मैं दाएं हाथ का बल्लेबाज और विकेटकीपर-बल्लेबाज हूं, और अंडर-19 टीम में चुने जाने पर बहुत खुश हूं। भारत के लिए खेलना हमेशा से मेरा सपना और लक्ष्य रहा है... मैं आत्मविश्वास से भरा हूं और साथ ही घबराया हुआ और उत्साहित भी हूं। मैंने दिल्ली में अपना करियर शुरू किया, फिर 12 साल की उम्र में केरल आ गया।

2025 केरल क्रिकेट लीग नीलामी में शामिल सबसे युवा खिलाड़ियों में से एक मानव ने जनवरी 2026 में रणजी ट्रॉफी में गोवा के खिलाफ केरल के लिए अपना फर्स्ट-क्लास डेब्यू किया। वे ओमान का दौरा करने वाली केरल टीम का भी हिस्सा थे। हाल्य ट्रॉफी में 'प्रॉमिसिंग यंगस्टर' (होनहार युवा खिलाड़ी) का अवॉर्ड जीतने वाले इस युवा खिलाड़ी ने बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में खास ट्रेनिंग ली है। उनके छोटे भाई, माधव कृष्णा भी केरल की अंडर-19 टीम का हिस्सा हैं।

कोच जसपाल राणा के निधन से टूटीं मनु भाकर, भावुक पोस्ट से जताया दुख

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार निशानेबाज और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर अपने कोच और मार्गदर्शक जसपाल राणा के निधन से गहरे सदमे में हैं।

हाल ही में स्टेंट प्रक्रिया के बाद उत्पन्न हुई जटिलताओं के कारण नई दिल्ली में जसपाल राणा का निधन हो गया। वह 49 वर्ष के थे।

मनु भाकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने कोच के साथ तस्वीरें साझा करते हुए सिर्फ दो शब्द लिखे– अपूरणीय क्षति। इन शब्दों में उनके दुख और भावनात्मक लगाव की गहराई साफ झलक रही थी।

मनु के करियर को नई दिशा देने वाले गुरु जसपाल राणा सिर्फ एक कोच नहीं, बल्कि मनु भाकर के करियर के सबसे अहम स्तंभों में से एक थे। टोक्यो ओलंपिक 2020 में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद मनु का आत्मविश्वास बुरी तरह प्रभावित हुआ था। ऐसे कठिन दौर में राणा ने उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाया और फिर से शीर्ष स्तर पर वापसी करने के लिए प्रेरित किया। उनकी देखरेख में मनु ने शानदार वापसी की और पेरिस ओलंपिक 2024 में दो पदक जीतकर इतिहास रच दिया। यह उपलब्धि भारतीय शूटिंग के इतिहास की सबसे बड़ी सफलताओं में से एक मानी जाती है।

गगनजीत भुल्लर मोरक्को में संयुक्त 27वें स्थान पर पहुंचे

रबात (मोरक्को) (एजेंसी)। भारतीय गोल्फर गगनजीत भुल्लर ने तीसरे दौर में अच्छा प्रदर्शन किया जिससे वह 20 लाख अमेरिकी डॉलर इनामी इंटरनेशनल सीरीज मोरक्को में संयुक्त 27वें स्थान पर पहुंच गए। चार बार के एएम ग्रीन आईजीपीएल विजेता और 11 बार के एशियन टूर चैंपियन ने चार अंडर 69 का स्कोर बनाया। उन्होंने पहले दो दौर में 70-74 का स्कोर बनाया था। करणदीप कोचर ने तीसरे दौर में दो अंडर 71 का कार्ड खेला और वह तीन दौर के बाद चार अंडर के कुल स्कोर के साथ संयुक्त 43वें स्थान पर हैं। एक अन्य भारतीय खिलाड़ी अजीतेश संधू (74) का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा और वह संयुक्त 25वें स्थान से संयुक्त 47वें स्थान पर खिसक गए। इस बीच दो बार के मास्टर्स चैंपियन बुब्बा वॉटसन ने अपनी बढ़त बनाए रखी। उनका कुल स्कोर 15 अंडर है।

कोच मनीष ओझा ने कहा

वैभव 10 साल की उम्र से ही रोज सुबह 7 बजे से शाम 4 बजे तक 100 ओवर बैटिंग करते थे

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल के पिछले दो सीजन में वैभव सूर्यवंशी के शानदार खेल ने भले ही सबको हैरान कर दिया हो, लेकिन उनके इतने सारे शॉट्स के लिए 'मसल मेमोरी' बनाने में 6 साल की कड़ी मेहनत लगी। उनके बचपन के कोच मनीष ओझा के मुताबिक यह युवा बल्लेबाज रोजाना आठ घंटे प्रैक्टिस करता था और 100 ओवर का सामना करता था। 15.5 साल की उम्र में वर्ल्ड क्रिकेट के सबसे रोमांचक बल्लेबाज को आईपीएल के शानदार सीजन के बाद यूनाइटेड किंगडम के टी-20 दौरे के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। इस सीजन में वे 237 से ज्यादा के जबरदस्त स्ट्राइक-रेट से 776 रन बनाकर टॉप स्कोरर रहे।

पटना में अपनी एकेडमी में आठ साल की उम्र से सूर्यवंशी को ट्रेनिंग देने वाले ओझा ने अपने शिष्य की कड़ी मेहनत और उनके माता-पिता संजीव और आरती के त्याग के बारे में बात की। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे माता-पिता अब 5 साल तक के बच्चों को एकेडमी में ला रहे हैं ताकि वे अपने बच्चों को अगला वैभव बना सकें। लेकिन ओझा ने कहा कि कहना आसान है, करना मुश्किल। तो जब सूर्यवंशी ने टेनिस बॉल से हार्डबॉल खेलना शुरू किया, तो 10 साल की उम्र से वे औसतन कितनी गेंदों का सामना करते थे? ओझा का जवाब सुनकर हर कोई हैरान रह जाएगा।

ओझा ने मीडिया को एक खास इंटरव्यू में बताया, देखिए, हम गेंदों की गिनती नहीं करते कि उन्होंने कितनी गेंदें खेलीं, लेकिन मैं आपको कम से कम एक अंदाजा दे सकता हूं कि वे 600 से ज्यादा गेंदें खेलते थे। फिर उन्होंने बताया कि दिन भर की ट्रेनिंग के दौरान वे 100 ओवर को कैसे बांटते थे। उन्होंने बताया, मैं आपको बताता हूं कैसे। लगभग 200-300 गेंदें मैं खुद थ्रोडाउन के जरिए देता था। और जब मैं थक जाता था, तो दूसरे सपोर्ट स्टाफ मेरी मदद करते थे। और जब वे थक जाते थे, तो हमारी एकेडमी के बॉलर उनकी मदद करते थे।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

टीवी के बाद टाइपकास्टिंग से बाहर निकलने पर बोलीं हेली शाह

टेलीविजन से दूसरे माध्यमों की ओर कदम बढ़ाने वाले कलाकारों के लिए पहले से बनी धारणाओं को तोड़ना अक्सर सबसे बड़ी चुनौती होती है। हाल ही में हेली शाह ने टीवी के बाद टाइपकास्टिंग का सामना करने और किस तरह वह अब लोकप्रियता से ज्यादा सार्थक काम पर ध्यान दे रही हैं, इस बारे में खुलकर बात की। टेलीविजन के जरिए मजबूत फैन फॉलोइंग बनाने वाली हेली मानती हैं कि नए फॉर्मेट्स में काम करने के बाद भी 'टीवी एक्ट्रेस' का टैग कई कलाकारों का पीछा नहीं छोड़ता, लेकिन एक सच यह भी है कि सही मौके और लगातार अच्छे प्रदर्शन से, धीरे-धीरे आप लोगों की सोच बदल सकते हैं। अपने सफर के बारे में बात करते हुए हेली कहती हैं, 'मैं कई सालों तक टेलीविजन का हिस्सा रही हूं और इसके लिए हमेशा आभारी रहूंगी। यह मेरा कम्फर्ट जोन रहा है। लेकिन मैं नए अवसरों को भी तलाशना चाहती हूं, क्योंकि अक्सर मुझे सिर्फ एक टीवी एक्ट्रेस के रूप में देखा गया है। 'गुल्लक' जैसी शानदार कास्ट के साथ काम करना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा। मैं हमेशा से टीवीएफ के साथ काम करना चाहती थी और 'गुल्लक' के जरिए मेरा ओटीटी डेब्यू होना इसे और भी खास बनाता है। सबसे अच्छी बात यह है कि शो की सादगी और वास्तविकता आज भी बरकरार है, और दर्शक हर सीजन से उसी तरह जुड़ाव महसूस करते हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'फिलहाल मेरा फोकस सिर्फ अच्छा काम करने पर है। मैं ऐसी जगह नहीं रहना चाहती, जहां बिना किसी वजह के सिर्फ दिखने के लिए मैं इवेंट्स में जाऊं। मैं चाहती हूं कि लोग मुझे मेरे काम की वजह से जानें और पसंद करें।' गौरतलब है कि 'गुल्लक' हेली शाह के करियर में एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हो रहा है। वह इसे अपने रचनात्मक दायरे को बढ़ाने और एक कलाकार के रूप में अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखाने की दिशा में अहम कदम मानती हैं। दर्शकों का लगातार मिल रहा प्यार इस बात का संकेत है कि इंडस्ट्री में अब कलाकारों की पहचान सिर्फ टैग्स से नहीं, बल्कि उनके काम और प्रतिभा से तय होने लगी है।

दर्शकों ने मेरे किरदार को दिल से स्वीकार किया

टीवी अभिनेत्री शुभांगी अत्रे ने लोकप्रिय सीरियल 'भाबीजी घर पर हैं' में अंगूरी भाभी का किरदार निभाकर घर-घर में पहचान बनाई। आज लाखों लोग उन्हें जानते हैं, लेकिन इस पहचान तक पहुंचने का उनका सफर आसान नहीं रहा। हाल ही में शुभांगी अत्रे ने करियर, लोकप्रियता और दर्शकों के साथ बने रिश्ते को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि सफलता पाने के लिए उन्होंने लगातार मेहनत की और हमेशा अपने काम को पूरी ईमानदारी से किया। शुभांगी अत्रे ने कहा, ''किसी भी कलाकार के लिए सबसे जरूरी बात यह होती है कि वह अपने किरदार को पूरी लगन और सच्चाई के साथ निभाए। जब कोई कलाकार अपने काम में सौ फीसदी मेहनत लगाता है, तो दर्शक उससे जुड़ने लगते हैं। मेरे साथ भी यही हुआ। शुरुआत में लोगों ने मुझे मेरे असली नाम से नहीं, बल्कि मेरे किरदार के नाम से पहचानना शुरू किया। जहां भी मैं जाती थी, लोग मुझे अंगूरी भाभी कहकर बुलाते थे। किसी भी कलाकार के लिए यह बहुत बड़ी बात होती है, क्योंकि इसका मतलब है कि दर्शकों ने आपके काम को दिल से स्वीकार किया है।'' अभिनेत्री ने आगे कहा, ''समय के साथ दर्शकों का जुड़ाव और गहरा होने लगता है। लोग सिर्फ पर्दे पर दिखने वाले किरदार को नहीं, बल्कि उस किरदार को निभाने वाले कलाकार को भी जानना चाहते हैं। ऐसे में लोग कलाकार की निजी जिंदगी, उसकी सोच और उसके व्यक्तित्व के बारे में जानने की कोशिश करते हैं। आज के दौर में सोशल मीडिया इस काम में बड़ी भूमिका निभाता है। सोशल मीडिया के जरिए लोग कलाकारों के असली जीवन की झलक देख पाते हैं और उनसे एक अलग रिश्ता बना लेते हैं।''

उन्होंने कहा, ''जब लोग आपके किरदार के साथ-साथ आपके असली नाम को भी पहचानने लगते हैं और आपके अभिनय की तारीफ करते हैं, तब एक अलग तरह की खुशी महसूस होती है। उस समय लगता है कि आपकी मेहनत रंग लाई है और आपने अपने काम के जरिए लोगों के दिलों में जगह बना ली है। यही वह पल होता है जब एक कलाकार को अपनी सफलता का असली एहसास होता है।'' शुभांगी अत्रे ने आगे कहा, ''जब लोग आपको इतना प्यार और सम्मान देते हैं, तो आपकी भी जिम्मेदारी बनती है कि आप उनके उस प्यार की कद्र करें। दर्शकों का स्नेह ही किसी कलाकार को आगे बढ़ाता है और उसे सफल बनाता है। इसलिए कलाकार को हमेशा अपने प्रशंसकों के प्रति सम्मान और आभार का भाव रखना चाहिए।''

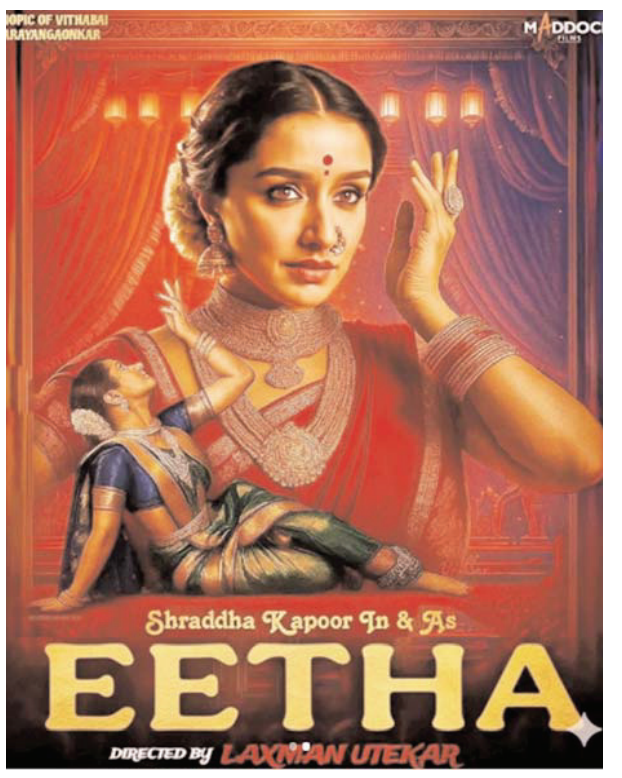

लावणी कलाकार विथाबाई भाऊ मंग नारायणगांवकर के जीवन पर आधारित है श्रद्धा कपूर की 'ईथा'

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर के फैंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। सुपरहिट फिल्म 'स्त्री 2' के बाद, फैंस श्रद्धा की अगली फिल्म 'ईथा' का काफी समय से इंतजार कर रहे हैं। अब मेकर्स ने आधिकारिक तौर पर इस फिल्म की रिलीज का एलान कर दिया है। श्रद्धा कपूर की फिल्म 'ईथा' इसी साल 28 अगस्त को 2026 को रक्षाबंधन के त्योहार पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। साल 2025 में फिल्म 'छावा' बनाने के बाद, निर्माता दिनेश विजन और निर्देशक लक्ष्मण उतेकर एक बार फिर इस फिल्म के लिए साथ आए हैं।

इस फिल्म में श्रद्धा कपूर के साथ रणदीप हुडा और मोहम्मद जीशान अय्यूब भी मुख्य भूमिकाओं में दिखाई देंगे। 'ईथा' की कहानी महाराष्ट्र की मशहूर लावणी और तमाशा कलाकार विथाबाई भाऊ मंग नारायणगांवकर के जीवन पर आधारित एक बायोपिक है। इसमें 1940 से लेकर 1990 के दशक तक के उनके सफर, उनकी सफलता और उनके जीवन के संघर्षों को दिखाया जाएगा। श्रद्धा कपूर की पिछली फिल्म 'स्त्री 2' बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही थी। राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी और अभिषेक बनर्जी जैसे कलाकारों से सजी यह फिल्म हिंदी सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी थी। इस फिल्म में अक्षय कुमार ने भी एक कैमियो किया था।

बिग बॉस तेलुगु-10 को होस्ट करने के लिए तैयार हैं नागार्जुन

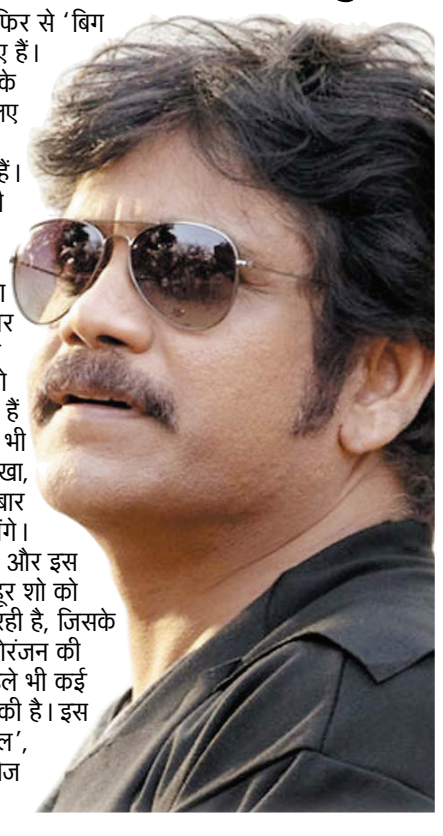

साउथ सुपरस्टार नागार्जुन एक बार फिर से 'बिग बॉस तेलुगु' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस बार नागार्जुन 'बिग बॉस तेलुगु' के नए सीजन 10 को होस्ट करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस शो का फैंस को काफी समय से इंतजार कर रहे हैं। इस नए सीजन को एक इंडिया कंपनी बना रही है। मेकर्स ने वादा किया है कि इस बार का गेम पहले से कहीं ज्यादा रोमांचक और अलग होने वाला है। शो के मेकर्स ने सोशल मीडिया पर नागार्जुन का एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में अपने पसंदीदा हीरो नागार्जुन को देखकर फैंस बेहद खुश हैं और साथ ही शो को लेकर उत्साहित भी हैं। इस वीडियो के साथ मेकर्स ने लिखा, 'पेश है 'बिग बॉस तेलुगु 10'। इस बार आप बिग बॉस का 'दशावतारम' देखेंगे। खेल बदल रहा है, नियम बदल रहे हैं और इस बार इतिहास रचा जाएगा।' इस मशहूर शो को 'एंडेमोल शाइन इंडिया' कंपनी बना रही है, जिसके सीईओ दीपक धर हैं। यह कंपनी मनोरंजन की दुनिया में बहुत बड़ी है और इससे पहले भी कई सुपरहिट वेब सीरीज और शो बना चुकी है। इस लिस्ट में 'द नाइट मैनेजर', 'द ट्रायल', 'कॉल माई एजेंट' और भी कई सीरीज और फिल्में शामिल हैं।

सिंगापुर के बिजनेसमैन संग रिश्ते में हैं जेनिफर विंगेट

ऐसा लगता है कि एक्ट्रेस जेनिफर विंगेट अपनी पर्सनल लाइफ के एक नए अध्याय की शुरुआत करने जा रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मशहूर टीवी स्टार जेनिफर ने सिंगापुर के बिजनेसमैन इश्माएल विलियम से सगाई कर ली है। बताया जाता है कि अब यह कपल अपनी शादी की प्लानिंग कर रहा है।

रिश्ते में हैं जेनिफर

41 साल की एक्ट्रेस के करीबी सूत्रों ने बताया है कि जेनिफर और इश्माएल कुछ समय से रिश्ते में हैं और अब रिश्ते को अगले लेवल पर ले जाने की तैयारी कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जेनिफर और विलियम साथ में बहुत खुश हैं। विलियम ने छुट्टियों के दौरान जेनिफर को प्रपोज किया और उन्होंने हां कह दिया। अब वे अपनी शादी की प्लानिंग कर रहे हैं। संग

कब हो सकती है शादी?

बताया जाता है कि कपल क्रिश्चियन रीति-रिवाज से शादी करने पर विचार कर रहा है। अभी शादी की तारीख और जगह फाइनल नहीं हुई है। वह सितंबर-अक्टूबर में शादी करने पर विचार कर रहे हैं। अगर इन महीनों में शादी ना हुई, तो वह दिसंबर-जनवरी में शादी कर सकते हैं। हालांकि जेनिफर ने इन खबरों पर पब्लिकली कोई कमेंट नहीं किया है लेकिन उनकी कथित सगाई और शादी की प्लानिंग की चर्चा ने फैंस को काफी एक्साइटेड कर दिया है।

समय के साथ सिनेमा में बदलाव जरूरी

फिल्मों की दुनिया लगातार बदल रही है। दर्शक ऐसी कहानियां देखना चाहता है, जिनसे वह खुद को जोड़ सके और जिनमें उसे अपने जीवन की झलक दिखाई दे। इसी विषय पर अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि फिल्मों को समाज के साथ-साथ खुद को भी बदलना होगा। अगर सिनेमा समय की मांग को नहीं समझेगा, तो दर्शकों से उसका रिश्ता कमजोर हो सकता है। इंटरव्यू के दौरान कंगना रनौत से पूछा गया कि क्या बड़े कलाकारों की भारी फीस फिल्मों को नुकसान पहुंचाने का कारण बनती है। इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, ''जब कोई फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं करती, तब उसके हर खर्च पर सवाल उठना शुरू हो जाता है। लोग यह देखने लगते हैं कि पैसा कहां और कितना खर्च किया गया। ऐसे समय में कलाकारों की फीस से लेकर फिल्म निर्माण के हर हिस्से पर चर्चा होती है।'' उन्होंने कहा, ''अगर किसी घर की आमदनी कम हो जाए, तो परिवार अपने खर्चों को भी कम करने की कोशिश करता है। लोग सोच-समझकर पैसा खर्च करते हैं और गैर जरूरी खर्चों पर रोक लगाते हैं। ठीक इसी तरह जब फिल्मों की कमाई कम होती है, तो इंडस्ट्री भी अपने खर्चों का हिसाब-किताब देखने लगती है। ऐसे में कलाकारों की फीस पर सवाल उठना स्वाभाविक बात है।''

कंगना ने आगे कहा, ''यह सिर्फ फीस का मामला नहीं है। सबसे जरूरी बात यह है कि फिल्में समय के साथ बदलें। समाज तेजी से बदल रहा है, लोगों की सोच बदल रही है और मनोरंजन देखने का तरीका भी बदल चुका है। इसलिए फिल्म इंडस्ट्री को भी नई पीढ़ी और नए दर्शकों की पसंद को समझना होगा। अगर फिल्में खुद को लगातार बेहतर और प्रासंगिक बनाती रहेंगी, तभी वे दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित कर पाएंगी।'' कंगना की को-स्टार स्मिता तांबे ने भी इसी विषय पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, ''हर इंसान किसी कहानी में अपने जीवन का कोई न कोई हिस्सा देखना चाहता है। दर्शक तब ज्यादा प्रभावित होते हैं, जब उन्हें लगता है कि फिल्म की कहानी या किरदार उनके जैसे लोगों की बात कर रहे हैं। यही जुड़ाव किसी फिल्म को खास बनाता है।'' स्मिता ने कहा, ''हमारी आने वाली फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की कहानी आम लोगों से जुड़ी हुई है। इसमें ऐसी महिलाओं, मांओं, नर्सों और कामकाजी लोगों की भावनाओं और संघर्षों को दिखाया गया है, जिनसे देश का एक बड़ा वर्ग खुद को जोड़ सकता है। जब दर्शक खुद को किसी कहानी में देखेंगे, तभी वे उस फिल्म से भावनात्मक रूप से जुड़ेंगे।''

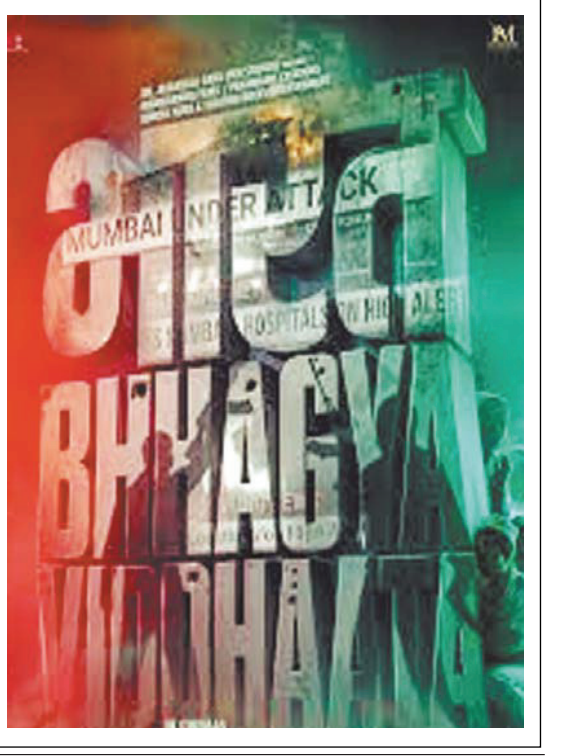

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (सोमवार)
15 जून 2026

संक्षिप्त समाचार

टेक्सास में भारत विरोधी बयानबाजी पर भड़के भारतवंशी सांसद, कहा-अप्रवासी भारतीयों ने अमेरिका को बनाया है

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के मिशिगन से भारतवंशी सांसद श्री थानेदार ने टेक्सास के फ्रिस्को शहर में सामने आई भारत विरोधी बयानबाजी की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि प्रवासियों ने अमेरिका को और अधिक मजबूत बनाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक कार्यक्रम के दौरान कुछ लोगों ने टेक्सास के फ्रिस्को शहर पर 'भारतीयों के कब्जे' जैसी टिप्पणियां की और आव्रजन तथा एच-1बी वीजा से जुड़ी बहस के दौरान भारतीय-अमेरिकी समुदाय को निशाना बनाया। इसे भारतीयों के खिलाफ नफरत भड़काने के तौर पर देखा जा रहा है। इस कार्यक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस पर भारतीय अमेरिकी सांसद थानेदार ने कहा, 'यह नफरत से भरा बेहद घृणित कृत्य है। हमारे देश में नस्लवाद के लिए कोई जगह नहीं है।' हाल ही में फ्रिस्को में एक व्यक्ति द्वारा भारत के राष्ट्रीय ध्वज को फाड़ने का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ था। फ्रिस्को और टेक्सास के अन्य हिस्सों में भारत विरोधी टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए थानेदार ने कहा, 'मैं अमेरिकी सपने की तलाश में अमेरिका आया था। मुझे यहां शिक्षा पाने, कारोबार खड़ा करने, हजारों लोगों को रोजगार देने और अब कांग्रेस में अपने समुदाय का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला।' उन्होंने कहा कि प्रवासी अमेरिका की ताकत हैं और भारतीय-अमेरिकियों ने अपनी प्रतिभा से हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। थानेदार ने कहा, 'भारतीय-अमेरिकियों और उनकी असाधारण प्रतिभा का अमेरिकी कहानी में एक खास स्थान है।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे भारतीय-अमेरिकी होने पर गर्व है और मैं नफरत तथा नस्लवाद के खिलाफ हमेशा खड़ा रहूंगा।' गौरतलब है कि फ्रिस्को की करीब 2.5 लाख आबादी में एक-तिहाई से अधिक लोग एशियाई मूल के हैं। इसी वजह से उन्हें शहर पर कब्जा करने जैसे आरोपों का सामना करना पड़ रहा है।

'बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना ने की दो की हत्या, छह लापता'; मानवाधिकार संगठनों ने किया खुलासा

क्वेटा, एजेंसी। बलूचिस्तान में आम लोगों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं लगातार जारी हैं। मानवाधिकार संगठनों ने शुक्रवार को दावा किया कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने दो और नागरिकों की गैर-न्यायिक हत्या कर दी है। जबकि छह अन्य लोगों को जबरन गायब कर दिया गया है। मानवाधिकार संगठन बलोच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) के अनुसार, 19 वर्षीय किसान शबीर अहमद का गोलियों से छलनी शव आठ जून को वाशुक जिले के बसीमा इलाके में मिला। वह एक महीने से अधिक समय से लापता था। बीवाईसी ने बताया कि शबीर को 27 अप्रैल को कथित तौर पर जबरन उठाया गया था। उसके परिवार को उसकी स्थिति या ठिकाने के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई थी। संगठन ने इस घटना की निंदा करते हुए कहा कि यह बलूचिस्तान में जबरन गायब किए जाने और बाद में शव मिलने की लगातार सामने आ रही घटनाओं का हिस्सा है। एक अन्य मामले में, पुलिस कांस्टेबल शाह हुसैन (26 वर्षीय) की पिछले महीने पंजगुर जिले के तस्प इलाके में कथित तौर पर हत्या कर दी गई। बीवाईसी के अनुसार, शाह को 29 अक्तूबर 2025 को जबरन गायब किया गया था। बाद में तीन नवंबर को रिहा किया गया था। संगठन का आरोप है कि इस दौरान उन्हें अवैध हिरासत में रखकर प्रताड़ित किया गया।

नेपाल के बीपी हाईवे पर 300 मीटर गहरी खाई में गिरी बस, 8 यात्रियों की दर्दनाक मौत, 16 लोग घायल

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में एक बार फिर भीषण सड़क हादसे ने कई परिवारों को गहरे शोक में डाल दिया है। नेपाल के सेंट्रल कावरेपालनचोक जिले के बुच्चाकोट इलाके में बीपी हाईवे के पास सड़क दुर्घटना में आठ लोगों की मौत हो गई। बीपी हाईवे के पास एक पैसेंजर बस सड़क किनारे खाई में गिर गई। जिला प्रशासन ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि सूचना मिलने पर राहत और बचाव अभियान चलाया गया। कवरेपालनचोक के जिला प्रमुख गोपाल कुमार अधिकारी ने बताया कि बस में सवार कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 16 घायल यात्रियों का जिले के धुलीखेल हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। अधिकारी ने कहा, 'घायलों में से पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है।' घटना के बाद, पुलिसवालों ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर घायलों को बचाया और हॉस्पिटल पहुंचाया। यह दुर्घटना बीपी हाईवे के पास उस समय हुई जब बस बनेपा से सुंगुरे की ओर जा रही थी। इसी दौरान शुक्रवार दोपहर नमोबुद्धा म्युनिसिपैलिटी के बुच्चाकोट के पास हाईवे से गिर गई। हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 16 यात्री घायल हुए हैं। अधिकारी ने बताया कि बस हाईवे से करीब 300 मीटर नीचे गिर गई। दुर्घटना का कारण अभी तक पता नहीं चला है। हाल के सालों में नेपाल में सड़क हादसों में बढ़ोतरी देखी गई है, साथ ही सड़कों पर गाड़ियों की संख्या भी बढ़ी है। एक दशक पहले, नेपाल ट्रैफिक पुलिस ने 4,999 सड़क हादसों की रिपोर्ट दी थी।

शहबाज सरकार ने की रक्षा बजट में 18% की भारी बढ़ोतरी

इस्लामाबाद, एजेंसी। आर्थिक तंगहाली और भारी विदेशी कर्ज के बोझ तले दबे पाकिस्तान ने आगामी वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अपना वार्षिक बजट पेश कर दिया है। शुक्रवार को नेशनल असेंबली में पेश किए गए इस बजट का कुल परिव्यय 18.77 ट्रिलियन पाकिस्तानी रुपए (लगभग 67.49 अरब डॉलर) रखा गया है। इस बजट की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि एक तरफ जहां मुल्क दिवालिया होने की कगार पर है, वहीं दूसरी तरफ सरकार ने रक्षा खर्च में जबरदस्त इजाफा किया है।

रक्षा बजट में 18 फीसदी का इजाफा : पाकिस्तान के वित्त मंत्री मोहम्मद औरंगजेब ने बजट पेश करते हुए घोषणा की कि जुलाई से शुरू होने वाले नए वित्त वर्ष में रक्षा के लिए 3 ट्रिलियन (तीन हजार अरब) रुपए आवंटित किए जाएंगे। यह पिछले साल के 2.55 ट्रिलियन रुपए के रक्षा बजट की तुलना में 18 फीसदी अधिक है।

इसके ठीक विपरीत, शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र की अनदेखी की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, शिक्षा पर सरकारी खर्च 23% घटकर महज 962 अरब रुपए रह गया है। अब पाकिस्तान की जीडीपी में शिक्षा का हिस्सा घटकर सिर्फ 0.8% रह गया है, जो किसी भी देश के भविष्य के लिए चिंताजनक संकेत है।

विकास कार्यों पर चली कैंची : बजट के आंकड़े गवाही दे रहे हैं कि सरकार ने सैन्य जरूरतों को पूरा करने के लिए लोक कल्याणकारी और विकास कार्यों के बजट को काफी सीमित कर दिया है। संघीय विकास खर्च के लिए केवल 1 ट्रिलियन रुपए आवंटित किए गए हैं, जो रक्षा बजट का महज एक तिहाई है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, यह फैसला दिखाता है कि इस्लामाबाद आर्थिक दबावों के बावजूद अपनी सैन्य तैयारियों को प्राथमिकता दे रहा है।

सरकारी कर्मचारियों को राहत : बजट में सरकारी कर्मचारियों के वेतन और पेंशन में 7% की बढ़ोतरी की गई है और न्यूनतम मजदूरी को 10% बढ़ाने का प्रस्ताव है। हालांकि, एक चौंकाने वाले फैसले में सरकार ने अमीर वर्ग पर लगने वाले 9% सरचार्ज को हटा दिया है, जिसकी आलोचना हो रही है। सरकार ने अगले वित्त वर्ष के लिए 4% जीडीपी ग्रोथ का लक्ष्य रखा है।

आईएमएफ की शर्तें और जनता पर टैक्स की मार : पाकिस्तान का यह बजट पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के 7 अरब डॉलर के प्रोग्राम को पटरी पर बनाए रखने की कोशिशों पर केंद्रित है। सरकार ने 15.26 ट्रिलियन रुपए का भारी-भरकम टैक्स रेवेन्यू लक्ष्य रखा है, जो पिछले साल से 8.2% अधिक है। राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 3.6% तक सीमित रखने का लक्ष्य है। हालांकि, इन लक्ष्यों को हासिल करने का सीधा बोझ सैलरी पाने वाले मध्यम वर्ग और छोटे व्यापारियों पर पड़ेगा, क्योंकि टैक्स कटौती की अब कोई गुंजाइश नहीं बची है।

कर्ज सबसे बड़ी चुनौती, हर साल ब्याज की किस्तें चुकाने में 8 लाख करोड़ खर्च होंगे : पाकिस्तान सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 18 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपए से ज्यादा का बजट पेश किया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने संसद में यह बजट प्रस्ताव रखा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की शर्तों को पूरा करने और देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए इस बजट में कड़े आर्थिक फैसले लिए गए हैं। दस्तावेजों के अनुसार, पाकिस्तान की सबसे बड़ी चुनौती अब भी कर्ज है। कुल 18.8 लाख करोड़ के बजट में से 8.05 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपए सिर्फ पुराने कर्ज और उसके ब्याज की किस्तें चुकाने में खर्च हो जाएंगे। बजट में रक्षा खर्च को खास प्राथमिकता दी गई है। सरकार ने सेना और रक्षा से जुड़े खर्चों के लिए करीब 3 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपए आवंटित किए हैं। इसके अलावा रक्षा सेवाओं के प्रशासनिक खर्च के लिए 1.7 लाख करोड़ रुपए अलग से रखे गए हैं। पिछले साल के मुकाबले रक्षा बजट में 17.5 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। नए वित्त वर्ष में 4% (जीडीपी) ग्रोथ का लक्ष्य रखा है, जबकि औसत महंगाई दर 8.2% रहने का अनुमान जताया गया है। सरकारी कर्मचारियों के वेतन और पेंशन में 7% की बढ़ोतरी की गई है, साथ ही न्यूनतम मजदूरी में 10% की वृद्धि का प्रस्ताव है। अमीर वर्ग पर लगने वाले 9% सरचार्ज को हटा दिया गया है। पाकिस्तान में गरीबी लगातार बढ़ रही है, जबकि शिक्षा पर सरकारी खर्च में भारी गिरावट दर्ज की गई है। पाकिस्तान इकोनॉमिक सर्वे 2025-26 के अनुसार, देश की गरीबी दर 2018-19 के 21.9% से बढ़कर 2024-25 में 28.9% हो गई है।

अमेरिकी संसद में भारतीय मूल के टेक दिग्गज सोमसेगर को दिया गया सम्मान

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल के प्रौद्योगिकी कार्यकारी और उद्यमी शिवरामकृष्णन 'सोमा' सोमसेगर को अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में प्रौद्योगिकी, उद्यमिता और सामुदायिक सेवा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया है। शिवरामकृष्णन माइक्रोसॉफ्ट में भी अहम भूमिका निभा चुके हैं और बाद में वे अमेरिका के पैसिफिक नॉर्थवेस्ट में एक प्रमुख वेंचर कैपिटलिस्ट बने थे। वाशिंगटन की कांग्रेस सदस्य सुजैन डेलबेने ने प्रतिनिधि सभा में कहा कि सोमासेगर हमारे समुदाय के एक अद्भुत तकनीकी विशेषज्ञ, उद्यमी, नेता और मित्र थे। डेलबेने ने कहा कि सोमासेगर की असाधारण प्रबंधन क्षमता, समर्पण और मेहनत ने उन्हें माइक्रोसॉफ्ट में लगातार आगे बढ़ाया और वे 2015 तक सीनियर वाइस प्रेसिडेंट के पद पर रहे। उन्होंने कहा, 'माइक्रोसॉफ्ट में साथ काम करने के दौरान उन्हें जानने का मौका मिलना मेरे लिए खुशी की बात थी। उनकी मुस्कान और मिलनसार स्वभाव जिस भी कमरे में वे जाते थे, वहां ऊर्जा भर देते थे।' डेलबेने ने कहा कि उन्होंने अनगिनत स्टार्टअप्स का गाइड किया और हमारे क्षेत्र के इनोवेशन इकोसिस्टम को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

कांग्रेस सदस्य ने उन्हें महिलाओं के सशक्तिकरण का प्रबल समर्थक भी बताया, जो ऐसे संगठनों का समर्थन करते थे, जो मौके और बराबरी को बढ़ावा देने के लिए काम करते थे। अपने संबोधन का बड़ा हिस्सा डेलबेने ने सोमासेगर के परिवार को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी अकिला और उनकी दो बेटियां उनकी दुनिया का केंद्र थीं। उन्होंने कहा, 'वे अक्सर अपने परिवार के बारे में अत्यंत सम्मान, कृतज्ञता और गर्व के साथ बात करते थे। उनकी हर उपलब्धि के पीछे अपने परिवार के प्रति उनका प्रेम था। जो भी उन्हें जानता था, वह यह भी जानता था कि उनका परिवार उन्हें प्रेरित करता था, उनका साथ देता था और उनके व्यक्तित्व को आकार देता था।' डेलबेने ने अपने सहयोगी सांसदों से सोमासेगर की विरासत का सम्मान करने का आग्रह करते हुए कहा कि उनके परिवार, मित्र और सहकर्मी आने वाले सालों तक उनकी दयालुता और बुद्धिमत्ता को याद रखेंगे। दक्षिण भारत में जन्मे और पले-बढ़े सोमसेगर 1989 में माइक्रोसॉफ्ट से जुड़ने से पहले लुइसियाना स्टेट यूनिवर्सिटी में पढ़ाई करने के लिए अमेरिका चले गए थे। उन्होंने कंपनी के इतिहास के सबसे अहम प्रोडक्ट्स में से एक, विंडोज एनटी के विकास में अहम भूमिका निभाई। माइक्रोसॉफ्ट छोड़ने के बाद, सोमसेगर मैड्रोन वेंचर ग्रुप में मैनेजिंग डायरेक्टर के तौर पर शामिल हुए।

भारत के बाद अब चीन दौरे पर जाएंगे नेपाल के विदेश मंत्री, वांग यी से करेंगे मुलाकात

काठमांडू , एजेंसी। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल इस रविवार को चीन की आधिकारिक यात्रा पर रवाना होंगे। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने इस दौरे की घोषणा की है। मंत्रालय की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, खनाल 14 से 17 जून 2026 तक चीन के दौरे पर रहेंगे। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने उन्हें इस यात्रा के लिए न्योता दिया है। बीजिंग में शिशिर खनाल और वांग यी के बीच द्विपक्षीय बातचीत होगी। इस दौरान दोनों नेता नेपाल और चीन के संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा करेंगे। वे आपसी हित के मुद्दों और सहयोग को आगे बढ़ाने के तरीकों पर बात करेंगे। अपनी इस यात्रा के दौरान खनाल चीन के कुछ अन्य उच्च स्तरीय नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। शिशिर खनाल ने मार्च के अंत में विदेश मंत्री का पद संभाला था। पद संभालने के बाद उन्होंने अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए भारत को चुना। वे पिछले हफ्ते पांच जून को भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के निमंत्रण पर दिल्ली पहुंचे थे। भारत दौरे के दौरान दोनों देशों के बीच कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई थी। भारत में हुई बैठक में दोनों विदेश मंत्रियों ने आपसी संबंधों की समीक्षा की। इसमें विकास कार्य, कनेक्टिविटी, व्यापार, ऊर्जा और लोगों के बीच आपसी रिश्तों जैसे विषय शामिल थे। दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने स्टार्टअप, डिजिटल तकनीक और ट्रेनिंग जैसे क्षेत्रों में हो रही प्रगति पर संतोष जताया। दोनों देश अपने रिश्तों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए सहमत हुए। इस दौरे पर भारत और नेपाल के बीच आपराधिक मामलों में आपसी कानूनी सहायता समझौते (ख्र) को लागू करने की प्रक्रिया पूरी हुई। यह समझौता सीमा पार होने वाले अपराधों की जांच और कानूनी कार्यवाही में मदद करेगा। इसके अलावा, भारत ने नेपाल को 72 स्वास्थ्य केंद्र और 12 सांस्कृतिक विरासत परियोजनाएं सौंपीं। ये सभी निर्माण कार्य 2015 के भूकंप के बाद भारत की मदद से पूरे किए गए हैं। डिजिटल क्षेत्र में भी एक बड़ा कदम उठाया गया। भारत के यूपीआई और नेपाल के एनपीआई को आपस में जोड़ा गया। इससे दोनों देशों के बीच पैसा भेजना आसान हो जाएगा।

ट्रंप का दावा: अमेरिकी हमले में ट्रेन डी अरागुआ गैंग का सरगना ढेर, यूएस में हिंसा और नशे के लिए जिम्मेदार था

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिका ने एक सैन्य अभियान में कुख्यात आपराधिक संगठन ट्रेन डी आरगुआ के सरगना हेक्टर रश्टेनफोर्ड गुएरो फ्लोरेस को ढेर कर दिया है। ट्रंप ने कहा कि यह कार्रवाई वेनेजुएला के सहयोग से की गई। अमेरिका पहले ही ट्रेन डी अरागुआ को आतंकवादी संगठन घोषित कर चुका है।

50 लाख डॉलर का था इनाम : अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि सप्ताह की शुरुआत में वेनेजुएला में गैंग के एक ठिकाने पर यह सैन्य कार्रवाई की गई थी। गुरेरो फ्लोरेस पर न्यूयॉर्क की एक संघीय अदालत में आपराधिक साजिश रचने, आतंकवादियों को समर्थन देने और अन्य गंभीर अपराधों के आरोप लगाए गए थे। अमेरिकी विदेश विभाग ने उसकी गिरफ्तारी से जुड़ी जानकारी देने वालों के लिए 50 लाख डॉलर तक के इनाम की घोषणा की थी।

अपने सोशल मीडिया पोस्ट में ट्रंप ने कहा, 'ट्रेन डी अरागुआ के आतंकवादियों के लिए अब वेनेजुएला या दुनिया के किसी भी हिस्से में सुरक्षित ठिकाना नहीं बचा है। मेरे नेतृत्व में हम इन खूंखार हत्यारों और ड्रग माफियाओं को कहीं भी खोज निकालेंगे और उन्हें उनके अंजाम तक पहुंचाएंगे।' हालांकि, इस अभियान को लेकर वेनेजुएला की तरफ से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

गैंग पर पहले भी कार्रवाई : ट्रंप प्रशासन ने हाल के महीनों में इस गैंग के खिलाफ कई कड़े कदम उठाए हैं। प्रशासन ने नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल होने के आरोप में इस गैंग की छोटी नौकाओं को निशाना बनाकर कई सैन्य हमले किए हैं। सितंबर की शुरुआत से अब तक ऐसे अभियानों में 200 से अधिक लोगों के मारे जाने की खबर है। इस अभियान के लिए अमेरिका की खूब आलोचना भी हुई। ट्रंप और उनके प्रशासन का आरोप रहा है कि अमेरिकी शहरों में बढ़ती हिंसा और अवैध ड्रग कारोबार के पीछे ट्रेन डी अरागुआ की बड़ी भूमिका है।

वेनेजुएला की जेल से शुरू हुआ था गैंग : ट्रेन डी अरागुआ की शुरुआत एक दशक से अधिक पहले वेनेजुएला के अरागुआ राज्य की एक कुख्यात जेल से हुई थी। देश में आर्थिक संकट और प्रशासनिक विफलताओं के बीच गैंग ने जेल के भीतर अपना प्रभाव बढ़ाया और बाद में अंतरराष्ट्रीय स्तर तक फैल गया। गुरेरो फ्लोरेस ने जेल के भीतर एक समानांतर व्यवस्था खड़ी कर ली थी, जहां जबरन वसूली और हिंसा के जरिए कैदियों पर नियंत्रण रखा जाता था। समय के साथ जेल परिसर में चिड़ियाघर, बेसबॉल मैदान, कैसीनो और रेस्तरां जैसी सुविधाएं भी विकसित कर ली गई थीं, जबकि गुरेरो खुद एक आलीशान सुइट में रहता था। बता दें कि ईरान पर दो दिनों के हमले के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने उधर से ध्यान हटाने का फैसला किया है। वह ईरान के साथ समझौते के बेहद करीब होने का दावा कर रहे हैं।

ढाका में भगवान राम की विशाल प्रतिमा पर लगी रोक

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में बन रही भगवान राम की विशाल प्रतिमा के निर्माण पर प्रशासन ने रोक लगा दी है, जिससे विवाद छिड़ गया है। बता दें कि बांग्लादेश के गाइबांधा जिले के पलाशबाड़ी उपजिला में स्थित श्रीश्री राधागोविंद और काली मंदिर परिसर में भगवान राम की प्रतिमा बनाई जा रही थी, जिसे प्रशासन रूकवा दिया। मामलें को लेकर लेखिका तस्लीमा नसरीन और हिन्दू संगठनों ने इसे धार्मिक स्वतंत्रता का मुद्दा बताते हुए कड़ी निंदा की है। बताया जा रहा है कि यहां दुनिया की सबसे बड़ी भगवान राम की प्रतिमा का निर्माण किया जा रहा था। जिसे बांग्लादेश के अधिकारियों ने निलंबित करने का आदेश दे दिया है। यह प्रतिमा बांग्लादेश के गाइबांधा जिले के पलाशबारी उपजिला में स्थित श्री श्री राधा गोविंदा और काली मंदिर के परिसर में लगाई जा रही थी। बांग्लादेशी मीडिया के मुताबिक मंदिर के सलाहकार श्याममल कुमार महंत ने गुरुवार शाम मंदिर सभागार में आयोजित एक प्रेसवार्ता के दौरान यह जानकारी दी थी। बांग्लादेश सरकार के इस फैसले के बाद तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। आरोप लगाया गया है कि भगवान राम की प्रतिमा का निर्माण इस्लामी समूहों के दबाव में रोका गया है।

लेखिका और मानवाधिकार कार्यकर्ता तस्लीमा नसरीन ने भगवान राम मंदिर के निर्माण के निलंबन की कड़ी निंदा की है। उन्होंने सवाल उठाया कि जिस देश में कई लाख मस्जिदें हैं और कई का निर्माण जारी है। वहां केवल हिंदू पूजा स्थल को क्यों निशाना बनाया जा रहा है? नसरीन ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि बांग्लादेश में कई लाख मस्जिदें हैं और नई मस्जिदों को निर्माण हो भी रहा हैं। फिर भगवान राम की मूर्ति के निर्माण का इतना विरोध क्यों? अगर धार्मिक स्वतंत्रता सबके लिए है, तो यह हिन्दू अल्पसंख्यकों पर भी समान रूप से लागू होनी चाहिए, न कि केवल बहुसंख्यकों पर।

लेखिका तस्लीमा नसरीन ने आगे कहा कि पालाशबारी, गाइबांधा में निर्माणाधीन राम मंदिर के खिलाफ मिल रही धमकियां और नफरत भरी बयानबाजी बेहद चिंताजनक है। किसी भी व्यक्ति को सिर्फ इसलिए किसी दूसरे समुदाय के पूजा स्थल को गिराने का अधिकार नहीं मिल सकता क्योंकि उन्हें वह पसंद नहीं है। नसरीन ने सवाल उठाया 'दुनिया भर के कई मुस्लिम बहुल देशों में बड़े-बड़े हिंदू मंदिर हैं। लेकिन वहां मंदिरों का अस्तित्व उनके लिए खतरा नहीं माना जाता। तो फिर बांग्लादेश में एक मंदिर के निर्माण को लेकर इतना बवाल क्यों? बांग्लादेशी समाचार पत्र 'ब्लिट्ज' के संपादक ने भी जताई चिंता बता दें कि बांग्लादेशी समाचार पत्र 'ब्लिट्ज' के संपादक सलाहुद्दीन शोएब चौधरी ने भी भगवान राम के विशाल प्रतिमा के निर्माण के रुकने पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा कि बांग्लादेश के गाइबांधा जिले में चल रहे सनातन परिसर के अधिकारियों ने स्थानीय जिहादी और इस्लामी समूहों के दबाव में आकर भगवान राम की मूर्ति का निर्माण रोकने की घोषणा की है। भगवान राम की प्रतिमा के निर्माण पर रोक केवल एक निर्माण परियोजना तक सीमित नहीं रह गया है। अब यह मामला बांग्लादेश में धार्मिक स्वतंत्रता, अल्पसंख्यक अधिकारों और सामाजिक सौहार्द से जुड़े व्यापक सवालों का है। सामाजिक और धार्मिक संगठनों ने इस मुद्दे को लेकर सभी समुदायों के अधिकारों की समान सुरक्षा की मांग की है।

अराघची बोले- अमेरिका के साथ समझौता बेहद करीब; ट्रंप ने ईरानी विदेश मंत्री की पोस्ट शेयर की

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच कई महीनों से जारी तनाव और संघर्ष के बाद अब शांति की उम्मीदें मजबूत होती नजर आ रही हैं। दोनों देशों के बीच युद्ध समाप्त करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण समझौता अंतिम चरण में पहुंच गया है। इसी बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट ट्रूथ सोशल पर ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची की समझौते से जुड़ी पोस्ट को री-पोस्ट किया है।

अराघची ने दिया समझौते का संकेत : ईरान के विदेश मंत्री अराघची ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि 'इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन कभी इतना करीब नहीं रहा।' उन्होंने कहा कि समझौते को अंतिम रूप दिए जाने तक मीडिया को इसकी शर्तों को लेकर अटकलें लगाने से बचना चाहिए। अराघची ने यह भी कहा कि उनकी सरकार पारदर्शिता और जिम्मेदारी की नीति का पालन करती है और उचित समय पर समझौते की सभी जानकारियां सार्वजनिक की जाएंगी। ट्रंप द्वारा इस पोस्ट को साझा किए जाने के बाद माना जा रहा है कि दोनों पक्ष किसी बड़े समझौते के बेहद करीब पहुंच चुके हैं। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने उन रिपोर्टों को खारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया जा रहा था कि अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित शांति समझौते पर हस्ताक्षर होते ही तेहरान को बड़ी आर्थिक राहत या नकद सहायता मिलेगी। वेंस ने इन खबरों को भ्रामक बताते हुए कहा कि केवल किसी समझौते पर हस्ताक्षर करने या वार्ता में शामिल होने के बदले ईरान को कोई धनराशि नहीं दी जाएगी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में वेंस ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत का उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना और ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर लंबे समय से बनी चिंताओं का समाधान निकालना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी आर्थिक लाभ को ईरान द्वारा अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने से जोड़ा गया है। वेंस ने कहा कि प्रस्तावित समझौते को इस तरह तैयार किया गया है कि अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की सुरक्षा प्राथमिकता बनी रहे। यदि ईरान समझौते की शर्तों का पालन करता है, तभी उसे आर्थिक लाभ मिल सकते हैं। उनका मानना है कि यह समझौता पूरे क्षेत्र में स्थायी शांति और आर्थिक स्थिरता का रास्ता खोल सकता है। हाल के दिनों में अमेरिका, ईरान और इस्राइल के बीच सैन्य तनाव ने पूरे पश्चिम एशिया को एक बार फिर बड़े युद्ध के मुहाने पर ला खड़ा किया था। हालांकि अप्रैल से लागू संघर्षविराम के बाद बातचीत का दौर जारी रहा और अब समझौते की संभावनाएं मजबूत होती दिखाई दे रही हैं।

ट्रंप ने ईरान पर भारतीय जहाजों पर हमले करने का आरोप लगाया, तेहरान ने इसे 'निराधार' बताया

वाशिंगटन/तेहरान, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर होर्मुज जलडमरूमध्य से निकल रहे भारतीय जहाजों पर ड्रोन हमले करने का आरोप लगाते हुए इस कथित कार्रवाई को ''पूरी तरह अस्वीकार्य'' बताया जबकि तेहरान ने इस आरोप को ''निराधार'' करार दिया।

ओमान तट के पास भारतीय चालक दल वाले वाणिज्यिक जहाजों पर हुए घातक हमलों के बाद अब अमेरिका और ईरान के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर सीधे तौर पर होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे भारतीय जहाजों पर ड्रोन हमले करने का आरोप लगाया है और इसे 'पूरी तरह अस्वीकार्य' बताया है। दूसरी तरफ, ईरान ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए उल्टा अमेरिका पर ही जहाजों पर हमला करने और भारतीय नाविकों की जान लेने का गंभीर आरोप मढ़ दिया है। इनमें से एक हमले में बुधवार को तीन भारतीय नाविकों की मौत हो गई थी। ट्रंप ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में दावा किया, ''भारतीय जहाजों के होर्मुज जलडमरूमध्य से निकलते समय उन पर कल रात किया गया (ईरान का) ड्रोन हमला बिल्कुल अस्वीकार्य है।'' इसी पोस्ट में ट्रंप ने ईरान पर उस शांति समझौते की शर्तें मीडिया को लीक करने का भी आरोप लगाया, जिनका वार्ता में चर्चा किए जा रहे मुद्दों से कोई संबंध नहीं है।

ईरान ने ट्रंप के आरोपों को सख्ती से खारिज कर दिया। भारत में ईरानी दूतावास ने शुक्रवार देर रात सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''होर्मुज जलडमरूमध्य में एक भारतीय जहाज को लेकर ईरान पर लगाया गया अमेरिकी राष्ट्रपति का आरोप पूरी तरह निराधार है।'' दूतावास ने कहा, ''यह जनता का ध्यान इस क्रूर तथ्य से भटकाने की कोशिश है कि अमेरिका ने एक सप्ताह से भी कम समय में तीन भारतीय जहाजों पर हमला किया है और तीन निर्दोष भारतीय नाविकों की जान ली है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।'' ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब भारत ने ओमान तट के निकट भारतीय चालक दल वाले वाणिज्यिक जहाजों पर अमेरिकी हमलों के विरोध में नयी दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास के प्रभारी अधिकारी को तलब किया है। भारत ने वाणिज्यिक जहाजों पर हुए इन हमलों को ''बेहद चिंताजनक'' बताया है और इस मुद्दे को अमेरिका के समक्ष सख्ती से उठाया है।

भारतीय नाविकों की मौत पर ईरान ने क्या कहा : ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने भारतीय नाविकों की मौत पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भारतीय नागरिकों की जान जाना बेहद दुखद है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। बघाई ने अमेरिका की कार्रवाई को सशस्त्र लूट और राज्य प्रायोजित समुद्री डकैती करार दिया। उन्होंने भारतीय जनता और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना भी व्यक्त की। ईरान का कहना है कि समुद्री मार्गों की सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान सभी देशों की जिम्मेदारी है।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय से ईरान की क्या मांग है : ईरान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अमेरिका की कथित कार्रवाई की जांच और जवाबदेही तय करने की मांग की है। बघाई ने कहा कि बार-बार होने वाली ऐसी घटनाएं वैश्विक शांति, समुद्री व्यापार और नौवहन की स्वतंत्रता के लिए खतरा हैं। उनका कहना है कि यदि ऐसे मामलों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। ईरान ने संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक संस्थाओं से भी इस मुद्दे पर ध्यान देने की अपील की है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.